

सम-सामयिक **घटना चक्र**

अतिरिक्तांक

GS

प्लाइटर 1

निःशुल्क

अगस्त, 2017
अंक के साथ

(पूर्वावलोकन सार)

**प्राचीन एवं मध्यकालीन
इतिहास**

शृंखला का अगला अंक - आधुनिक भारत का इतिहास

G.S. प्लाइंटर-1

प्राचीन भारत का इतिहास

2017, अगस्त माह से सम-सामयिक घटना चक्र मुख्य पत्रिका के साथ निःशुल्क अतिरिक्तांक की शृंखला प्रारंभ की गई है। इस शृंखला में सामान्य अध्ययन के विभिन्न विषयों पर G.S. 'प्लाइंटर' क्रमशः प्रस्तुत किया जाएगा।

पाषाण काल

- * रॉबर्ट ब्रूस फुट थे एक — भूर्जवैज्ञानिक एवं पुरातत्त्वविद्
- * भारतीय प्राग इतिहास का पिता कहा जाता है — रॉबर्ट ब्रूस फुट को
- * कोणेनहेगन संग्रहालय की सामग्री से पाषाण, कांस्य और लौह युग का त्रियुगीय विभाजन किया था — थॉमसन ने
- * पशुपालन के साक्ष्य सर्वप्रथम मिलते हैं — मध्य पाषाण काल में
- * मध्य पाषाण काल में पशुपालन के प्रमाण जहां से मिले, वह स्थान है — आदमगढ़
- * चोपानी मांडो, काकोरिया, महदहा एवं सराय नाहरराय स्थलों में से हड्डी के उपकरण प्राप्त हुए हैं — महदहा से
- * हड्डी से निर्मित आभूषण भारत में मध्य पाषाण काल में प्राप्त हुए हैं — महदहा से
- * एक ही कब्र से तीन मानव कंकाल मिले हैं — दमदमा से
- * खाद्यान्नों की कृषि सर्वप्रथम प्रारंभ हुई थी — नवपाषाण काल में
- * भारत में मानव का सर्वप्रथम साक्ष्य मिलता है — नर्मदा धाटी से
- * मानव द्वारा सर्वप्रथम प्रयुक्त अनाज था — जौ
- * भारतीय उपमहाद्वीप में कृषि के प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त हुए हैं — लहुरादेव से
- * पुरापाषाण युग, नवपाषाण युग, तात्रपाषाण युग तथा लौह युग में से चातकोलिथिक युग भी कहा जाता है — तात्रपाषाण युग को
- * आग्री, मेहरगढ़, कोटदीजी तथा कालीबंगा में से वह पुरास्थल, जहां से पाषाण संस्कृति से लेकर हड्डियां सम्मता तक के सांस्कृतिक अवशेष प्राप्त हुए हैं — मेहरगढ़
- * नवदाटोली का उत्खनन करवाया था — एच.डी. सांकतिया ने
- * नवदाटोली अवस्थित है — मध्य प्रदेश में

- * वृहत्पाषाण स्मारकों की पहचान की गई है — मृतक को दफनाने के स्थान के रूप में
- * राख का टीला बुद्धिहाल, संगमकल्प, कोतडिहवा तथा ब्रह्मगिरी में से जिस नवपाषाणिक स्थल से संबंधित है, वह है — संगमकल्प
- * 'भीमबेटका' प्रसिद्ध है — गुफाओं के शैल चित्र के लिए
- * भारत में सर्वाधिक शैल चित्र प्राप्त हुए हैं — भीमबेटका से
- * अजंता, भीमबेटका, बाघ तथा अमरावती में से वह स्थल जो प्रारंतिहासिक चित्रकला के लिए प्रसिद्ध है — भीमबेटका
- * भीमबेटका की गुफाएं स्थित हैं — अद्युल्लागंज-रायसेन (मध्य प्रदेश) में
- * ऐरिक मृदभांड पात्र (ओ.सी.पी.) का नामकरण हुआ था — हस्तिनापुर में
- * ताप्र पाषाण काल में महाराष्ट्र के लोग मृतकों को घर के फर्श के नीचे दफनाते थे — उत्तर से दक्षिण की ओर
- * ब्रह्मगिरि, बुर्जहोम, चिरांद तथा मारकी में से वह स्थल जहां से मानव कंकाल के साथ कुत्ते का कंकाल भी शवाधान से प्राप्त हुआ है — बुर्जहोम
- * बुर्जहोम, कोतडिहवा, ब्रह्मगिरि एवं संगमकल्प में से गर्ते आवास के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं — बुर्जहोम से
- * विंध्य क्षेत्र का वह शिलाश्रय जहां से सर्वाधिक मानव कंकाल मिले हैं — लेखहिया
- * भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण संस्कृति, पर्यटन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा मानव संसाधन विभागों/मंत्रालयों में से संलग्न कार्यालय है — संस्कृति मंत्रालय का
- * भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण के प्रथम महानिदेशक थे — जॉन मार्शल
- * राष्ट्रीय मानव संग्रहालय स्थित है — भोपाल में

सैंधव सम्यता एवं संस्कृति

- * मानव समाज विलक्षण है, क्योंकि वह मुख्यतया आश्रित होता है—
— संस्कृति पर
- * हड्ड्या संबद्ध है
— सिंधु घाटी सम्यता से
- * सिंधु सम्यता संबंधित है
— आच्छ-ऐतिहासिक युग से
- * सिंधु घाटी की सम्यता गैर-आर्य थी, क्योंकि
— वह नगरीय सम्यता थी
- * सिंधु घाटी सम्यता को आर्यों से पूर्व की रखे जाने का महत्वपूर्ण कारक है
— मृदभांड
- * सिंधु घाटी संस्कृति वैदिक सम्यता से भिन्न थी, क्योंकि
— इसके पास विकसित शहरी जीवन की सुविधाएँ थीं; इसके पास चित्रलेखीय लिपि थी; इसके पास लोहे और रक्षा शस्त्रों के ज्ञान का अभाव था।
- * हड्ड्या संस्कृति की जानकारी का प्रमुख स्रोत है— पुरातात्त्विक खुदाई
- * हड्ड्या सम्यता की उत्पत्ति के संदर्भ में सही सुगमन है—
ई.जे.एच. मैके — सुगम से लोगों का पलायन
मार्टिमर व्हीतर — पश्चिमी एशिया से 'सम्यता' के विचार का प्रवर्सन
- अमलनंदा घोष — हड्ड्या सम्यता का उद्भव पूर्व हड्ड्या सम्यता की परिपक्वता के परिणामस्वरूप हुआ।
- * भारत में चांदी की उपलब्धता के प्राचीनतम साक्ष्य मिलते हैं
— हड्ड्या संस्कृति में
- * हड्ड्या में मिट्टी के बर्तनों पर सामान्यतः उपयोग हुआ था
— लाल रंग का
- * मूर्ति पूजा का आरंभ माना जाता है
— पूर्व आर्य (Pre Aryan) सम्यता से
- * गाय, हथी, गेंडा तथा बाघ पशुओं में से वह जिसका हड्ड्या संस्कृति में पाई गई टेराकोटा कलाकृति में निरूपण (Representation) नहीं हुआ था
— गाय
- * सुगमिता है—
प्राचीन स्थल पुरातात्त्वीय खोज
लोथल — गोदीबाड़ा
कालीबंगा — जुता हुआ खेत
धौलावीरा — हड्ड्यन लिपि के बड़े आकार के दस चिह्नों वाला एक शिलालेख
बनावती — पकड़ी मिट्टी की बनी हुई हल की प्रतिकृति

- * सुगमिता है—
स्थल नदी
हड्ड्या — रावी
हरितनापुर — गंगा
नागार्जुन कोडा — कृष्णा
पैठन — गोदावरी
- * सही सुगमन है—
बस्ती नदी
हड्ड्या — रावी
कालीबंगा — घग्गर
लोथल — भोगवा
रोमड़ — सतलज
- * सिंधु सम्यता के बारे में सत्य कथन है
— नगरों में नतियों की सुदृढ़ व्यवस्था थी, व्यापार और वाणिज्य उन्नत दशा में था एवं माहृदेवी की उपासना की जाती थी
- * सिंधु घाटी सम्यता जानी जाती है— अपने नगर नियोजन के लिए, मोहनजोदहो और हड्ड्या के लिए, अपने कृषि संबंधी कार्य के लिए एवं अपने उद्योगों के लिए
- * सुगमिता है—
आतमीरपुर — उत्तर प्रदेश
लोथल — गुजरात
कालीबंगा — राजस्थान
रोमड़ — पंजाब
- * सुगमिता है—
आतमीरपुर — उत्तर प्रदेश
बनावती — हरियाणा
दायमाबाद — महाराष्ट्र
रासीगढ़ी — हरियाणा
- * सही सुगमन है—
हड्ड्यीय स्थल स्थिति
मांडा — जम्मू-कश्मीर
दायमाबाद — महाराष्ट्र
कालीबंगा — राजस्थान
रासीगढ़ी — हरियाणा
- * हड्ड्या संस्कृति के सिंघ में अवरित्त स्थल हैं—
— मोहनजोदहो, चन्हूदहो जुडेरजोदहो, आमरी, कोटिदीजी एवं अलीमुराद
- * चन्हूदहो के उत्खनन का निर्देशन किया था— जे.एच. मैके ने
- * कालीबंगा, हड्ड्या, लोथल एवं आतमीरपुर में से सिंधु घाटी सम्यता का वह स्थान जो अब पाकिस्तान में है— हड्ड्या
- * रंगपुर जहां हड्ड्या की समकालीन सम्यता थी, वह है— सौराष्ट्र (गुजरात) में

- * दधेरी एक परवर्ती हड्डीय पुरास्थल है — पंजाब का
- * हड्डी, मोहनजोदङ्गो एवं लोथल में से सिंधु सम्पत्ता का वह स्थान जो भारत में स्थित है — लोथल (गुजरात में)
- * वह हड्डीय नगर, जिसका प्रतिनिधित्व लोथल का पुरातत्त्व-स्थल करता है, स्थित था — शेषवा नदी पर
- * सिंधु घाटी सम्पत्ता का पत्तन नगर था — लोथल
- * सिकंदरिया, लोथल, महारथानगढ़, नागपट्टनम में से वह, जो हड्डी का बंदरगाह है — लोथल
- * कालीबंगन, रोपड़, पाटलिपुत्र तथा लोथल में से वह, जो सिंधु घाटी की सम्पत्ता से संबंधित स्थल नहीं है — पाटलिपुत्र
- * भारत का सबसे बड़ा हड्डीन पुरास्थल है — राखीगढ़ी
- * हड्डी सम्पत्ता का सबसे बड़ा पुरास्थल है — मोहनजोदङ्गो
- * सिंधु घाटी के लोग विश्वास करते थे — मातृ शक्ति में
- * सिंधु घाटी के लोग पूजा करते थे — महादेवी की, पशुपति की, तिंग एवं योनि की, पशुओं की, नामों की एवं वृक्षों की।
- * सिंधु-घाटी सम्पत्ता को खोज निकालने में जिन दो भारतीयों का नाम जुड़ा है, वे हैं — राखालदास बनर्जी (मोहनजोदङ्गो की खोज) तथा दयाराम साहनी (हड्डी की खोज)

*** सुभेतित है—**

- | | | |
|----------|---|--------------|
| हड्डी | - | दयाराम साहनी |
| लोथल | - | एस.आर. राव |
| सुरकोटडा | - | जे.पी. जोशी |
| धौलावीरा | - | जे.पी. जोशी |
- * हड्डी का उत्खनन करने वाला प्रथम पुरातत्त्वविद् जो इसके महत्व को नहीं समझ पाया था — ए. कर्णिंधम
 - * आर.डी. बनर्जी, के.एन. दीक्षित, एम.एस. वत्स तथा वी.ए.स्मिथ में से वह, जो हड्डी और मोहनजोदङ्गो के उत्खनन से संबंधित नहीं थे — वी.ए.स्मिथ
 - * सिंधु सम्पत्ता की विकसित अवस्था में हड्डी, कालीबंगा, लोथल तथा मोहनजोदङ्गो में से वह स्थल जहाँ से घरों में कुओं के अवशेष मिले हैं — मोहनजोदङ्गो

*** सही कालाक्रम है**

- नगर संस्कृति, लोहे का हल, आहत मुद्रा, सोने के सिक्के
- * सर्वप्रथम मानव ने जिस धातु का उपयोग किया था, वह है — तांबा
- * हथी दांत का पैमाना हड्डीय संदर्भ में मिला है — लोथल से
- * हड्डीकालीन स्थलों में अभी तक जिस धातु की प्रति नहीं हुई है, वह है — लोहा
- * आतमीरपुर, लोथल, मोहनजोदङ्गो तथा बनावती में से वह स्थल जो घग्गर और उसकी सहायक नदियों की घाटी में स्थित है — बनावती

*** सही कथन है—**

- मोहनजोदङ्गो, हड्डी, रोपड़ एवं कालीबंगा सिंधु घाटी सम्पत्ता के प्रमुख स्थल हैं। हड्डी के लोगों ने सड़कों तथा नालियों के जात के साथ नियोजित शहरों का विकास किया।
- * कथन (A) : मोहनजोदङ्गो तथा हड्डी नगर अब विलुप्त हो गए हैं। कारण (R) : वह खुदाई के दौरान प्रकट हुए थे।
 - (A) और (R) दोनों सही हैं, किंतु (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है (A) का
- * हड्डीन संस्कृति के संदर्भ में शैलकृत स्थापत्य के प्रमाण मिले हैं कि — धौलावीरा से
- * धौलावीरा जिस राज्य में स्थित है, वह है — गुजरात
- * वह हड्डीय (Harappan) नगर जो तीन भागों में विभक्त है — धौलावीरा
- * एक उन्नत जल-प्रबन्धन व्यवस्था का साक्ष प्राप्त हुआ है — धौलावीरा से
- * कुतासी, धौलावीरा, लोथल एवं कालीबंगा में से वह स्थल जहाँ से द्विशव संस्कार (डबल बरियल) का प्रमाण मिला है — लोथल एवं कालीबंगा
- * हड्डीन स्थल सनौली के अभी हाल में उत्खननों से प्राप्त हुए हैं — मानव शवाधान
- * वस्त्रों के तिए कपास की खेती का आरंभ सबसे पहले किया गया — भारत में
- * सिंधु घाटी सम्पत्ता के संदर्भ सही कथन है—
 - यह प्रमुखतः लौकिक सम्पत्ता थी तथा उसमें धार्मिक तत्व, यद्यपि उपस्थित था, वर्वरवशाली नहीं था। उस काल में भारत में कपात से वस्त्र बनाए जाते थे।
- * सिंधु सम्पत्ता के संदर्भ में सही कथन है
 - ये देवियों और देवताओं, दोनों की पूजा करते थे।
- * सिंधु-घाटी सम्पत्ता से संबद्ध विख्यात वृषभ-मुद्रा प्राप्त हुई थी — मोहनजोदङ्गो से
- * वह पशु जिनका अंकन हड्डीन संस्कृति की मुहरों पर नहीं मिलता है — घोड़ा, गाय एवं ऊंट
- * जिस पशु के अवशेष सिंधु घाटी सम्पत्ता में प्राप्त नहीं हुए हैं, वह है — शेर
- * मृण-पट्टिका पर उत्कीर्ण सींगबुद्ध देवता की कृति प्राप्त हुई है — कालीबंगा से
- * वह सम्पत्ता जो नीत नदी के तट पर पनपी — मिल की सम्पत्ता
- * माया - एजटेक - मुइरका - इंका सम्पत्ताओं का उत्तर से दक्षिण का सही क्रम है — एजटेक - माया - मुइरका - इंका
- * लेखन कला की उचित प्रणाली विकसित करने वाली सर्वप्रथम प्राचीन सम्पत्ता थी — सुभेतिया

वैदिक काल

- * 'आर्य' शब्द इंगित करता है — श्रेष्ठ वंश को
- * बलासिकीय संस्कृत में 'आर्य' शब्द का अर्थ है — एक उत्तम व्यक्ति
- * सबसे पुराना वेद है — ऋग्वेद
- * 'त्रयी' नाम है — तीन वेदों (ऋग्वेद, यजुर्वेद एवं सामवेद) का
- * वह वैदिक ग्रंथ जिसमें 'वर्ण' शब्द का सर्वप्रथम नामोल्लेख मिलता है — ऋग्वेद
- * वर्णव्यवस्था से संबंधित 'पुरुष सूत्क' मूलतः पाया जाता है— ऋग्वेद में
- * सुमेलित है—

अथर्ववेद	— औषधियों से संबंधित
ऋग्वेद	— ईश्वर महिमा
यजुर्वेद	— बलिदान विधि
सामवेद	— संगीत
- * सुमेलित है—

ऋग्वेद	— स्तोत्र एवं प्रार्थनाएं
यजुर्वेद	— स्तोत्र एवं कर्मकांड
सामवेद	— संगीतमय स्तोत्र
अथर्ववेद	— तंत्र-मंत्र एवं वशीकरण
- * ऋग्वेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद तथा सामवेद चार वेदों में से वह, जिसमें जादुई माया और वशीकरण का वर्णन है — अथर्ववेद
- * ऋग्वेद में ऋचाएं हैं — 1028
- * ऋग्वेद में मंडल हैं — 10
- * सुमेलित है—

वेद	ब्राह्मण
ऋग्वेद	— ऐतरेय
सामवेद	— पंचवीश
अथर्ववेद	— गोपथ
यजुर्वेद	— शतपथ
- * ऋग्वेद का वह मंडल जो पूर्णतः 'सौग' को समर्पित है — नैवां मंडल
- * 'यज्ञ' संबंधी विधिविधानों का पता चलता है — यजुर्वेद से
- * यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद में से वह, जिसका संकलन ऋग्वेद पर आधारित है — सामवेद
- * तक्षशिला, अतरंजीखेड़ा, कौशाम्बी एवं हरितनापुर में से वह रथल जिसकी खुदाई से लौह धातु के प्रचलन के प्राचीनतम प्रमाण मिले हैं — अतरंजीखेड़ा

- * उपनिषदों का मुख्य विषय है — दर्शन
- * ऋग्वेद, परवर्ती संहिताएं, ब्राह्मण तथा उपनिषद में से वह वैदिक साहित्य जिसमें मोक्ष की चर्चा मिलती है — उपनिषद
- * मोक्ष शब्द का सबसे पहले उल्लेख हुआ है — स्वेताश्वर उपनिषद में
- * अध्यात्म ज्ञान के विषय में नचिकेता और यम का संवाद जिस उपनिषद में प्राप्त होता है, वह है — कठोपनिषद
- * उपनिषद काल के राजा अश्वपति शासक थे — केक्य के
- * वैदिक साहित्य का सही ऋग्म है — वैदिक संहिताएं, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद
- * आरम्भिक वैदिक साहित्य में सर्वाधिक वर्णित नदी है — शिंधु
- * वैदिक नदी अरिकी की पहचान की जाती है — चेनाब नदी से
- * ऋग्वेद में जिन नदियों का उल्लेख अफगानिस्तान के साथ आयीं के संबंध का सूचक है, वह हैं — कुमा, क्रमु
- * सुमेलन है—

वैदिक नदियां	आधुनिक नाम
कुमा	— काबुल
परुष्णी	— रावी
सदानीरा	— गंडक
सुतुद्री	— सतलज
- * वह प्रथा-चतुष्टय जो वेदोत्तर काल में प्रचलित हुई — ब्रह्मवर्य - गृहस्थान्नम - वानप्रस्थ - संन्यास
- * "धर्म" तथा "ऋत" भारत की प्राचीन वैदिक सम्भता के एक केंद्रीय विचार को चिह्नित करते हैं। इस संदर्भ में सत्य कथन है — धर्म व्यक्ति के दायित्वों एवं स्वयं तथा दूसरों के प्रति व्यक्तिगत कर्तव्यों की संकल्पना था; ऋत मूलभूत नैतिक विधान था, जो सृष्टि और उसमें अंतर्निहित सारे तत्वों के क्रियाकलापों को संबलित करता था।
- * अभि, बृहस्पति, द्यौस तथा इंद्र वैदिक देवताओं में उनका पुरोहित मना जाता था — बृहस्पति को
- * लोपमुद्रा, गार्भी, लीलावती तथा सावित्री में से वह ब्रह्मवादिनी जिसमें कुछ वेद मंत्रों की रचना की थी — लोपमुद्रा
- * ऋग्वैदिक काल में निष्क शब्द का प्रयोग एक स्वर्ण आभूषण के तिए होता था, किंतु परवर्ती काल में उसका प्रयोग हुआ — सिर्का में
- * ऋग्वैदिक काल में निष्क आभूषण था — गला का
- * 14वीं सदी ई. पूर्व का बोगजकोई अभिलेख महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां से प्राप्त अभिलेखों में वैदिक देवताओं एवं देवियों का नामोल्लेख प्राप्त होता है

- * मान सेहरा, शहबाजगढ़ी, बोगजकोई तथा जूनागढ़ अभिलेखों में से वह, जो ईरान से भारत में आयों के आने की सूचना देता है
 - बोगजकोई
 - * शंकराचार्य, एनी बेसेट, विवेकानंद तथा बाल गंगाधर तिलक में से वह, जिसने आयों के आदि देश के बारे में लिखा था— बाल गंगाधर तिलक
 - * 'पुरुष मेघ' का उल्लेख हुआ है
 - शतपथ ब्राह्मण में
 - * शतपथ ब्राह्मण में उल्लिखित राजा विदेश माधव से संबंधित ऋषि थे
 - ऋषि गौतम राहुण
 - * उत्तर वैदिक काल में से आर्य संस्कृति का धुर समझा जाता था
 - अंग, मण्डि को
 - * गोत्र शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम हुआ था
 - ऋग्वेद में
 - * गोत्र प्रथा की स्थापना हुई थी
 - उत्तर वैदिक काल में
 - * पूर्व-वैदिक आयों का धर्म प्रमुखतः था
 - प्रकृति पूजा और यज्ञ
 - * ऋग्वेद काल में जनन्ता मुख्यतया विश्वास करती थी
 - वलि एवं कर्मकांड में
 - * ऋग्वेद में उल्लिखित प्रसिद्ध 'दश-राजाओं' का युद्ध लड़ा गया था
 - परुष्णी नदी के किनारे
 - * सिंधु, सरस्वती, वित्स्ता तथा यमुना में से वह नदी जिसे ऋग्वेद में 'मातृतमा', 'देवीतमा' एवं 'नदीतमा' के रूप में संबोधित किया गया है
 - सरस्वती
 - * ऋग्वैदिक आयों के पंचजन थे — बदु, दुर्यु, पुरु, अनु एवं तुर्वसु
 - * प्राचीन काल में आयों के जीविकोपार्जन का मुख्य साधन था — शिकार
 - * ऋग्वेद में उल्लिखित 'यव' शब्द जिस कृषि उत्पाद हेतु प्रयुक्त किया गया है, वह है
 - जौ
 - * वैदिक युग में प्रचलित लोकप्रिय शासन प्रणाली थी
 - वंश परंपरागत राजतंत्र
 - * सभा और समिति को प्रजापति की दो पुत्रियां कहा गया है
 - अथर्ववेद में
 - * 'आयुर्वेद' अर्थात् 'जीवन का विज्ञान' का उल्लेख सर्वप्रथम मिलता है
 - अथर्ववेद में
 - * ऋग्वैदिक धर्म था
 - बहुदेवयादी
 - * सर्वाधिक ऋग्वैदिक सूक्त समर्पित हैं
 - इंद्र को
 - * ऋग्वेद में इंद्र के बाद सर्वाधिक संख्या में मंत्र संबंधित हैं — अग्नि से
 - * ऋग्वेद में युद्ध-देवता समझा जाता है
 - इंद्र
 - * पूर्व वैदिक आयों का सर्वाधिक लोकप्रिय देवता था
 - इंद्र
 - * 800 से 600 ईसा पूर्व का काल जुड़ा है
 - ब्राह्मण युग से
 - * गायत्री मंत्र के नाम से प्रसिद्ध मंत्र सर्वप्रथम गितता है — ऋग्वेद में
- * गायत्री मंत्र की रचना की थी
 - विश्वामित्र ने
 - * सर्ग, प्रतिसर्ग, वंश, मन्वन्तर और वंशानुवरित संकेतक हैं
 - पुराणों के
 - * पुराणों की संख्या है
 - 18
 - * 'श्रीमद्भागवद्गीता' मौलिक रूप में लिखी गई थी
 - संस्कृत में
 - * महाभारत मूलतः जानी जाती थी
 - जयसहिता के रूप में
 - * हिंदू पौराणिक कथा के अनुसार समुद्र मंथन हेतु जिस सर्प ने रस्ती के रूप में स्वयं को प्रस्तुत किया, वह है
 - वासुकी
 - * अचूत की अवधारणा स्पष्ट रूप से उद्घृत हुई थी
 - धर्मजास्त्र के समय में
 - * 'सत्यमेव जयते' शब्द लिखा गया है
 - मुङ्डक उपनिषद से
 - * सत्यकाम जाबात की कथा, जो अनव्याही मां होने के लांछन को चुनौती देती है, उल्लिखित है
 - छांदोग्य उपनिषद में
 - * ऋग्वेद की मूल लिपि थी
 - ब्राह्मी
 - * वैदिक कर्म कांड में 'होता' का संबंध है
 - ऋग्वेद से
 - * अवेस्ता और ऋग्वेद में समानता है। अवेस्ता संबंधित है
 - ईरान से
 - * वैदिक काल में 'अघन्या' माना गया है
 - गाय को
 - * ऋग्वैदिक काल के प्रारंभ में महत्वपूर्ण मूल्यवान संपत्ति समझा जाता था
 - गाय को
 - * प्राचीन भारतीय समाज के प्रसंग में, कुल, वंश, कोश तथा गोत्र शब्दों में से वह शब्द जो शेष तीन के वर्ग का नहीं है
 - कोश
 - * संस्कारों की संख्या है
 - 16
 - * जीविकोपार्जन हेतु 'वेद-वेदांग' पढ़ाने वाला अध्यापक कहलाता था
 - उपाध्याय

बौद्ध धर्म

- * गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था
 - 563 ई. पू. में
- * बुद्ध के जीवन की वह घटना जिसे 'महागिनिक्खमण' के रूप में जाना जाता है
 - उनका गृहत्याग
- * गौतम बुद्ध की मां संबंधित थीं
 - कोलिय वंश से
- * बुद्ध का जन्म हुआ था
 - लुबिनी में
- * गौतम बुद्ध के बचपन का नाम था
 - सिद्धर्थ
- * वसाद स्तंभ अभिलेख, निगली सागर स्तंभ अभिलेख, रामपुरवा स्तंभ अभिलेख तथा रुमिनदेई स्तंभ अभिलेख में से वह एक अभिलेख जो इस परंपरा की पुष्टि करता है कि गौतम बुद्ध का जन्म लुबिनी में हुआ था?
 - रुमिनदेई स्तंभ अभिलेख

- * अशोक, कनिष्ठ, हर्ष तथा धर्मपाल में से वह, जिसके एक अभिलेख से सूचना मिलती है कि शार्कमुनि बुद्ध का जन्म लुबिनी में हुआ था

— मैर्य शासक अशोक

- * महात्मा बुद्ध का 'महापरिनिर्वाण' हुआ

— यत्न गणराज्य की राजधानी कुशीनगर में

- * महापरिनिर्वाण मंदिर अवस्थित है — कुशीनगर में

- * अवति, गांधार, कोसल एवं मगध राज्यों में से वह, जिनका संबंध बुद्ध के जीवन से था

— कोसल एवं मगध

- * गौतम बुद्ध द्वारा अपने धर्म में दीक्षित किया जाने वाला अंतिम व्यक्ति था

— सुमद्द

- * बुद्ध ने अपने जीवन की अंतिम वर्षा ऋतु बिताई थी — वैशाली में

- * बौद्ध मत में निर्वाण की अवधारणा की सर्वश्रेष्ठ व्याख्या करता है

— तृष्णासूपी अन्नि का शमन

- * आतार कालाम थे

— बुद्ध के एक गुरु जो सांख्य दर्शन के आचार्य थे

- * महात्मा बुद्ध ने अपना पहला 'उपदेश' (धर्मचक्रप्रवर्तन) दिया था

— सारनाथ में

- * बुद्ध ने सर्वाधिक उपदेश दिए थे — श्रावस्ती में

- * बुद्ध कौशाम्बी आए थे — उदयन के राज्य-कात में

- * बुद्ध की मृत्यु के पश्चात प्रथम बौद्ध संगीति की अध्यक्षता की गई

— महाकस्त्रप द्वारा

- * प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन हुआ था

— राजगृह की सत्पर्णि गुफा में

- * कश्मीर में कनिष्ठ के शासनकात में, जो चतुर्थ बौद्ध संगीति आयोजित हुई थी, उसकी अध्यक्षता की थी

— वसुमित्र ने

- * बौद्ध धर्म की महायान शाखा औपचारिक रूप से प्रकट हुई

— कनिष्ठ के शासनकात में

- * प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ बौद्ध संगीतियों के आयोजन स्थलों का सही नाम है — राजगृह, वैशाली, पाटलिपुत्र एवं कुंडलवन

- * द्वितीय बौद्ध संगीति का आयोजन हुआ था

— काशी (याराणसी) में

- * प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन हुआ था

— अजातशत्रु के शासनकाल में

- * द्वितीय बौद्ध सभा का आयोजन किया था — कालाशोक ने

- * बुद्ध के जीवन की चार महत्वपूर्ण घटनाएं एवं उनसे संबंधित स्थलों का सुमेलन इस प्रकार है—

घटना	स्थल
जन्म	लुबिनी
ज्ञानप्राप्ति	बौद्धगया
प्रथम प्रवचन	सारनाथ
निधन	कुशीनगर

- * भारतीय कला में बुद्ध के जीवन की वह घटना जिसका चित्रण 'मृग सहित चढ़' द्वारा हुआ है

— प्रथम उपदेश

- * सही सुगेलन है—

अर्थ	चिह्न
जन्म	— कमल
प्रथम प्रवचन	— धर्मचक्रप्रवर्तन
महाबोधि	— बोधि वृक्ष
त्याग	— घोड़ा

- * करमापा लामा तिब्बत के बुद्ध संप्रदाय के जिस वर्ग का है, वह है

— कंग्यूणा

- * महात्मा बुद्ध के संबंध में सही कथन हैं—

1. उनका जन्म कमिलवस्तु (लुभिनी) में हुआ था।

2. उन्होंने बौद्धगया में ज्ञान प्राप्त किया था।

3. उन्होंने वैदिक धर्म को अस्वीकार किया था।

4. उन्होंने आर्य सत्य का प्रचार किया था।

- * बौद्धगया में महाबोधि मंदिर बनाया गया, जहाँ

— गौतम बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ

- * बौद्धगया में 'बोधि वृक्ष' को नष्ट कर दिया था — शशांक ने

- * प्रमुख बौद्ध पवित्र स्थल, जो निरंजना नदी पर स्थित था — बौद्धगया

- * बुद्ध के उपदेश संबंधित हैं — आचरण की शुद्धता व पवित्रता से

- * बुद्ध के जीवनकाल में ही संघ प्रमुख होना चाहता था — देवदत

- * गौतम बुद्ध ने अपनी मृत्यु के उपरांत बौद्ध संघ के नेतृत्व के लिए नामित किया था — किसी को भी नहीं

- * अष्टांग मार्ग की संकल्पना, अंग है

— धर्मचक्रप्रवर्तन सुत की विषयवस्तु का

- * गौतम बुद्ध के बारे में सत्य कथन हैं

— वे कर्म में विश्वास करते थे, आत्मा का शरीर में परिवर्तन मानते थे एवं निर्याण प्राप्ति में विश्वास करते थे

- * बौद्ध संघ में भिक्षुणी के रूप में स्त्रियों के प्रवेश की अनुमति बुद्ध द्वारा दी गई थी — वैशाली में

- * 'त्रिपिटक' है

— बुद्ध के उपदेशों का संग्रह

- * 'त्रिपिटक' ग्रंथ संबंधित है — बौद्ध धर्म से

- * वह बौद्ध ग्रंथ जिसमें संघ जीवन के नियम प्राप्त होते हैं — विनय पिटक

- * वह बौद्ध साहित्य जिसमें महात्मा बुद्ध के 'नैतिक एवं सिद्धांत' संबंधित प्रवचन संकलित हैं — सुत पिटक

- * वह बौद्ध साहित्य जिसमें बुद्ध के 'दार्शनिक सिद्धांत' का उल्लेख है — अधिघम्पिटक

- * अशोकाराम विहार स्थित था — पाटलिपुत्र में

- * विश्व का सबसे ऊंचा कहा जाने वाला 'विश्व शाति स्तूप' स्थित है
— राजगीर (विहार) में
 - * बुद्ध की 80 फुट बड़ी प्रतिमा जो बोधगया में है, निर्मित की गई थी
— जापानियों के द्वारा
 - * सर्वप्रथम 'स्तूप' शब्द मिलता है
— ऋग्वेद में
 - * सारनाथ, सांची, बोधगया एवं कुशीनगर में से वह स्तूप-स्थल, जिसका संबंध भगवान बुद्ध के जीवन की किसी घटना से नहीं रहा है, वह है
— सांची
 - * 'संसार अस्थिर और क्षणिक है' का बौद्ध, जैन, गीता एवं वेदांत में से जिससे संबंध है, वह है
— बौद्ध
 - * 'एशिया के ज्योति पुंज' के तौर पर जाना जाता है — गौतम बुद्ध को
 - * सर एडविन एर्नाल्ड की पुस्तक 'द लाइट ऑफ दी एशिया' आधारित है
— ललितविस्तार पर
 - * गौतम बुद्ध को एक देवता का स्थान जिस राजा के युग में प्राप्त हुआ, वह है
— कनिष्ठ
 - * भारत में पहले जिन मानव प्रतिमाओं को पूजा गया, वह थी— बुद्ध की
 - * देश में जिस धर्म के लोगों ने मूर्ति पूजा की नींव रखी थी, वह है
— बौद्ध धर्म
 - * गांधार शैली की मूर्ति कला में बुद्ध के सारनाथ में हुए प्रथम धर्मोपदेश से संबद्ध प्रवचन मुद्रा का नाम है
— धर्मचक्र
 - * बुद्ध की खड़ी प्रतिमा बनाई गई
— कुषाण काल में
 - * भगवान बुद्ध की प्रतिमा कभी-कभी एक हस्त मुद्रा युक्त दिखाई गई है, जिसे 'भूमिस्पर्श मुद्रा' कहा जाता है। यह प्रतीक है
— मार के प्रलोभनों के बाबजूद अपनी शुचिता और शुद्धता का साक्षी होने के लिए बुद्ध का धरती का आह्वान
 - * भूमिस्पर्श मुद्रा की सारनाथ बुद्ध मूर्ति संबंधित है — गुप्त काल से
 - * कथन (A) : कुशीनगर मल्त गणराज्य की राजधानी थी।
- कारण (R) :** महात्मा बुद्ध का महापरिनिर्वाण कुशीनगर में हुआ था।
— दोनों A और R सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है।
- * सुनेलित हैं—
- | | | |
|--------|---|--------------------------|
| लोथल | : | प्राचीन गोदी क्षेत्र |
| सारनाथ | : | बुद्ध का प्रथम धर्मोपदेश |
| सांची | : | अशोक का सिंह स्तंभ शीर्ष |
| नालंदा | : | बौद्ध अधिगम का महान पीठ |
- * महायान बौद्ध धर्म में बोधिसत्त्व अवलोकितेश्वर को और जिस अन्य नाम से जानते हैं, वह है
— पद्मपाणि
- * भारत के धार्मिक इतिहास के संदर्भ में सत्य कथन हैं
 - बोधिसत्त्व अपने प्रबोध के मार्ग पर बढ़ता हुआ करुणामय है। बोधिसत्त्व समस्त सद्येतन प्राणियों को उनके प्रबोध के मार्ग पर चलने में सहायता करने के लिए रथयं की निर्वाण प्राप्ति विलंबित करता है।
 - * हीनयान अवस्था का विशालतम एवं सर्वाधिक विकसित शैलकृत चैत्यगृह स्थित है
— कार्ते में
 - * प्रथम शताब्दी ईस्यी में जिस भारतीय बौद्ध गिरजा को चीन भेजा गया था, वह है
— नागार्जुन
 - * शून्यता के सिद्धांत का सर्वप्रथम प्रतिपादन करने वाले बौद्ध दार्शनिक का नाम है
— नागार्जुन
 - * नागार्जुन जिस बौद्ध संप्रदाय के थे, वह है
— माध्यमिक
 - * विक्रमशिला, वाराणसी, गिरनार एवं उज्जैन में से बौद्ध शिक्षा का केंद्र है
— विक्रमशिला
 - * वल्लभी विश्वविद्यालय स्थित था
— गुजरात में
 - * नालंदा विश्वविद्यालय के स्थापन का मुग है
— गुप्त
 - * नालंदा विश्वविद्यालय के संस्थापक थे
— कुमारगुप्त
 - * नालंदा विश्वविद्यालय विश्वप्रसिद्ध था — बौद्ध धर्म दर्शन के लिए
 - * कथन (A) : बारहवीं शताब्दी के अंत तक नालंदा महाविहार का पतन हो गया।
- कारण (R) :** महाविहार को राजकीय प्रश्रय मिलना बंद हो गया था।
— दोनों A और R सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
- * 'नव नालंदा महाविहार' विद्युतात है
— पाली अनुरंगवन संस्थान के लिए
 - * बौद्ध धर्म और जैन धर्म दोनों में समान रूप से विद्यमान था
— वेद प्रामाण्य के प्रति अनास्था, कर्मकांडों की फलस्ता का निषेध, प्राणियों की हिंसा का निषेध (अहिंसा)
 - * बौद्ध धर्म के चार आर्य सत्य का सही क्रम है
— दुःख है, दुःख का कारण है, दुःख का निरोध है, दुःख निरोध का मार्ग है
 - * बौद्ध तथा जैन दोनों ही धर्म विश्वास करते हैं कि
— कर्म तथा पुनर्जन्म के सिद्धांत सही हैं
 - * कथन (A) : पुनर्जन्म नहीं होता है।
- कारण (R) :** आत्मा की सत्ता नहीं है।
— A गलत है, किंतु R सही है
- * बौद्ध धर्म के विषय में सही कथन है
— उसने दर्ण एवं जाति को अस्वीकार नहीं किया। उसने ब्राह्मण वर्ग की सर्वोच्च सामाजिक कोटि को चुनौती दी। उसने कुछेक शित्यों को निम्न माना।

- * बौद्ध धर्म के विस्तार के कारणों में सम्भिति थे—
 - धर्म की सादगी, दलितों के लिए विशेष अपील, धर्म की मिशनरी भावना, स्थानीय भाषा का प्रयोग
- * आरभिक मध्ययुगीन समय में बौद्ध धर्म का पतन जिन कारणों से शुरू हुआ, वह हैं
 - उस समय तक बुद्ध, विष्णु के अवतार समझे जाने लगे और वैष्णव धर्म का हिस्सा बन गए।
- * कुछ शैलकृत बौद्ध गुफाओं को चैत्य कहते हैं, जबकि अन्य को विहार। दोनों में अंतर है, कि
 - चैत्य पूजा-स्थल होता है, जबकि विहार बौद्ध शिक्षियों का निवास-स्थान है।
- * वह बौद्ध शाखा, जो सुल्तानी युग में सबसे प्रभावशाली थी

— वज्रयान

जैन धर्म

- * जैन धर्म के संस्थापक हैं
- * जैन धर्म के प्रथम तीर्थकर थे
- * जैन 'तीर्थकर' पार्श्वनाथ मुख्यतः संबोधित थे
- * महावीर स्वामी का जन्म हुआ था
- * महावीर जैन की मृत्यु हुई थी
- * तीर्थकर शब्द संबोधित है
- * जैन तीर्थकरों के क्रम में अंतिम थे
- * चंद्रप्रभु, नाथमुनि, नेमि तथा सम्बव में से वह, जो जैन तीर्थकर नहीं था
- * प्रभासगिरि जिनका तीर्थ स्थल है, वे हैं
- * जैन धर्म में 'पूर्ण ज्ञान' के लिए शब्द है
- * त्रिरत्न सिद्धांत सम्यक धारण, सम्यक चरित्र एवं सम्यक ज्ञान जिस धर्म की महिमा है, वह है
- * अणुव्रत सिद्धांत का प्रतिपादन किया था
- * स्वादवाद सिद्धांत है
- * जैन दर्शन के अनुसार सृष्टि की रचना एवं पालन-योषण — सार्वभौमिक विद्यान से हुआ है
- * अनेकांतवाद बौद्ध मत, जैन मत, सिख मत तथा वैष्णव मत में से जिसका क्लोड सिद्धांत एवं दर्शन है, वह है — जैन मत
- * बौद्ध धर्म, जैन धर्म, हिंदू धर्म तथा इस्लाम में से वह धर्म जो 'विश्व विनाशकारी प्रलय' की अवधारणा में विश्वास नहीं करता — जैन धर्म
- * जैन धर्म का आधारभूत बिंदु है — अहिंसा
- * यापनीय एक संप्रदाय था — जैन धर्म का
- * बारह अंग, बारह उपांग, चौदह पूर्व तथा चौदह उपपूर्व में से वह, जो सबसे पूर्वकालिक जैन ग्रंथ कहलाता है — चौदह पूर्व

- * प्रारम्भिक जैन साहित्य जिस भाषा में लिखे गए, वह है — अर्ध-माणवी
- * चंपा, पावा, समेद शिखर तथा ऊर्जवंत में से वह स्थल, जो पार्श्वनाथ से संबद्ध होने के कारण जैन-सिद्ध क्षेत्र माना जाता है — समेद शिखर
- * थेरीगाथा, आचारांगसूत्र, सूत्रकृतांग तथा बृहत्कल्पसूत्र में से वह, जो आरभिक जैन साहित्य का भाग नहीं है — थेरीगाथा
- * जैन संप्रदाय में प्रथम विभाजन के समय श्वेतांबर संप्रदाय के संस्थापक थे — रथूतमद्र
- * महावीर का प्रथम अनुयायी था — जमाति
- * वह जैन सभा जिसमें अंतिम रूप से श्वेतांबर आगम का संपादन हुआ — पाटिपुत्र
- * सत्य कथन हैं
 - गौतम बुद्ध की मासा कोलिय राजवंश की राजकुमारी थीं, 23वें तीर्थकर पार्श्वनाथ बनारस से थीं।
- * प्राचीन जैन धर्म के संबंध में सत्य कथन हैं—
 - भद्रवाहु के नेतृत्व में दक्षिण भारत में जैन धर्म का प्रचार हुआ। 'पाटिपुत्र' में हुई परिषद के पश्चात जो जैन धर्म के लोग रथूतवाहु के नेतृत्व में रहे, वे श्वेतांबर कहलाए। प्रथम शतक ई.पू. में जैन धर्म को कर्तिंग के राजा खारवेल का समर्थन मिला।
- * जैन सिद्धांत के अनुरूप कथन हैं
 - कर्म को विनष्ट करने का सुनिश्चित मार्ग तपश्चर्या है, प्रत्येक वस्तु में, वह वह सूक्ष्मतम कण हो, आत्म होती है, कर्म आत्म का विनाशक है और अप्रश्य इच्छा अंत करना चाहिए।
- * 'समाधि मरण' से संबोधित है — जैन दर्शन से
- * सत्य कथन हैं
 - दक्षिण भारत के इक्ष्याकु शासक बौद्धमत के समर्थक थे, पूर्वी भारत के पात शासक बौद्धमत के समर्थक थे
- * 'आजीवक' संप्रदाय के संस्थापक थे — मरखलिगोसाल
- * वह संप्रदाय, जो नियति की अटलता में विश्वास करता था — आजीवक
- * बरावर की गुफाओं का उपयोग आत्रयगृह के रूप में किया — आजीविकों ने
- * उत्तर प्रदेश में बौद्ध एवं जैनियों दोनों की प्रसिद्ध तीर्थस्थली है — कौशाम्बी
- * सही कथन हैं—
 - भारत का सबसे बड़ा बौद्ध मठ अरुणाश्वल प्रदेश में है, खजुराहो के मंदिर चंदेल राजाओं द्वारा बनवाए गए और होयसलेश्वर मंदिर शिव को समर्पित है।

- * श्रवणबेलगोता में गोमतेश्वर की विशाल प्रतिमा स्थापित करवाई थी
 - चामुंडराय ने
- * महान धार्मिक घटना, महामस्तकाभिषेक संबंधित है
 - बाहुबली से
- * बाहुबली को पुत्र माना जाता है
 - प्रथम तीर्थकर ऋषभदेव का

शैव, भागवत धर्म

- * प्राचीन भारत के विश्वोत्पत्ति (Cosmogonic) विषयक धारणाओं के अनुसार चार युगों के चक्र का त्रयम् इस प्रकार है
 - कृत, त्रेता, द्वापर और कलि
- * आजीवक, मत्तमधूर, मयमत तथा ईशानशिवगुरुदेवपद्धति में से वह, जो प्राचीन भारत में शैव संप्रदाय था
 - मत्तमधूर
- * अर्घ्नारीश्वर मूर्ति में आधा शिव तथा आधा पार्वती प्रतीक है
 - देव और उसकी शक्ति का योग
- * 'नवनार' थे
 - शैव धर्मानुयायी
- * पोर्याई, तिरुज्ञान, पूडम तथा तिरुमंगई में से वह, जो अलवार संत नहीं था
 - तिरुज्ञान
- * भागवत संप्रदाय के विकास में सर्वाधिक योगदान दिया था
 - मुप्त ने
- * भागवत धर्म के प्रवर्तक थे
 - कृष्ण
- * सर्वप्रथम देवकी के पुत्र कृष्ण का वर्णन मिलता है
 - छांदोग्य उपनिषद में
- * वासुदेव कृष्ण की पूजा सर्वप्रथम प्रारंभ की
 - भागवतों ने
- * वह देवता जिसे कला में हल लिए प्रदर्शित किया गया है
 - बतराम
- * भागवत संप्रदाय में भक्ति के रूपों की संख्या है
 - ९
- * हेलियोडोरस का वेसनगर अभिलेख संदर्भित है
 - वासुदेव से
- * भागवत धर्म से संबंधित प्राचीनतम अभिलेखीय साक्ष्य है
 - हेलियोडोरस का वेसनगर अभिलेख
- * भागवत धर्म का ज्ञात सर्वप्रथम अभिलेखीय साक्ष्य है
 - वेसनगर का गरुड़ स्तंभ
- * 'वेसनगर अभिलेख' का हेलियोडोरस निवासी था
 - तक्षशिला का
- * विष्णु के जिस अवतार को सागर से पृथ्वी का उद्धार करते हुए अंकित किया जाता है, वह है
 - वाराह
- * छठीं शताब्दी ई.पू. के संदर्भ में भारत में आरिक्त और नरित्क संप्रदायों में विभेदक लक्षण है
 - येदों की प्रामाणिकता में आर्थ्य
- * मोक्ष के साधन के रूप में जन्म, कर्म तथा भक्ति को समान महत्व देता है
 - भगवदगीता

- * प्रस्थानत्रयी में सम्मिलित हैं
 - उपनिषद, ब्रह्मसूत्र एवं भगवदगीता
- * वह प्राचीन स्थल जहां 60,000 मुनियों की समा में संपूर्ण महामारत-कथा का वाचन किया गया था
 - नैमित्यारण्य
- * रामायण का वह कोड जिसमें राम और हनुमान की पहली बैट का वर्णन है
 - किंचिन्चित् कांड

* पुरी में 'रथयात्रा' निकाली जाती है— भगवान जगन्नाथ के सम्मान में

* नासिक में कुंभ मेला लगता है

- गोदावरी नदी के तट पर

* सुमेलित है—

धर्म	पवित्र स्थल
जैन धर्म	— पावामुरी
हिंदू धर्म	— वाराणसी
इस्ताम धर्म	— मदीना
ईसाई धर्म	— वेटिकन

छठीं शती ई.पू. : राजनीतिक दशा

* भारत के प्राचीनतम प्राप्त सिर्के

- चांदी के थे

* सुमेलित है—

राजा	राज्य
प्रद्योत	- अवंति
उदयन	- वत्स
प्रसेनजित	- कोसल
अजातशत्रु	- मगध

* अभिलेखीय साक्ष्य से प्रकट होता है कि नद राजा के आदेश से एक नहर खोदी गई थी

- कलिंग में

* उज्जैन का प्राचीनकाल में नाम था

- अवंतिका

* मानवित्र में A, B, C, D द्वारा अंकित स्थल हैं



— मत्स्य, अवंति, वत्स, अंग

- * प्राचीन नार जो महाभारत और महाभाष्य दोनों में उल्लेखित है
 - मध्यमिक एवं विराटनगर
- * पाटलिपुत्र के संरथापक थे
 - उदयिन
- * चंद्रगुप्त मौर्य, अशोक महान, चंद्रगुप्त विक्रमादित्य एवं कनिष्ठ में से पाटलिपुत्र को जिस शासक ने सर्वप्रथम अपनी राजधानी बनाया, वह है
 - चंद्रगुप्त मौर्य
- * सर्वप्रथम पाटलिपुत्र का राजधानी के रूप में चयन किया गया
 - उदयिन द्वारा
- * उदयन-वासवदत्ता की दंतकथा संबंधित है
 - उज्जैन से
- * प्रथम मगध साम्राज्य का उत्कर्ष हुआ था
 - ई.पू. छठवीं शताब्दी में
- * गंधार, कम्बोज, काशी तथा माघ में से वह, जो ईसा पूर्व छठीं शताब्दी में, प्रारंभ में भारत का सर्वाधिक शक्तिशाली नगर राज्य था
 - काशी
- * शाक्य, लिच्छवि एवं यैश्वेय में से प्रारंभिक गणतंत्र में नहीं था
 - यैश्वेय
- * विश्व का पहला गणतंत्र यैशाली में स्थापित किया गया
 - लिच्छवी द्वारा
- * सही सुमेलन है-

पार्श्वनाथ	-	जैन
बिंदुसार	-	मौर्य
स्कंदगुप्त	-	गुप्त
चेतक	-	तिच्छवी
- * 16 महाजनपदों की सूची जिन प्राचीन ग्रंथों में मिलती है, वे हैं
 - अंगुत्तर निकाय एवं भगवती सूत्र में
- * महाभारत के अनुसार उत्तरी पांचाल की राजधानी स्थित थी
 - अहिच्छत्र में
- * सोलह महाजनपदों के युग में मध्युरा राजधानी थी
 - सूरसेन की
- * चम्पा राजधानी थी
 - अंग की
- * छठवीं शताब्दी ई.पू. में शुक्तिमती राजधानी थी
 - चेति की
- * गोदावरी नदी के तट पर स्थित महाजनपद था
 - अस्सक
- * मगध की प्रारंभिक राजधानी थी
 - राजगृह (गिरिक्रज)
- * गिरिक्रज, राजगृह, पाटलिपुत्र तथा कौशाम्बी में से वह, जो मगध साम्राज्य की राजधानी नहीं रहा
 - कौशाम्बी
- * प्राचीन श्रावस्ती का नगर विन्यास है
 - अर्द्धचंद्राकार
- * मगध का प्रारंभिक शासक जिसने राज्यारोहण के तिए अपने पिता की हत्या की एवं स्वयं इसी कारणवश अपने पुत्र द्वारा मारा गया
 - अजातशत्रु
- * अजातशत्रु के वंश का नाम था
 - हर्यक
- * मातवा क्षेत्र पर मगध की सत्ता का विस्तार हुआ था
 - शिशुनाग के शासन काल में
- * नंद वंश के पश्चात मगध पर शासन किया
 - मैर्य राजवंश ने
- * राजा नंद का उल्लेख करने वाला अभिलेखीय प्रमाण है
 - खारवेल का हाथी गुफा अभिलेख
- * मगध पर शासन करने वाले राजवंशों का कालक्रम है
 - हर्यक वंश, नंद वंश, मैर्य वंश, शुग वंश
- * मगध का स्थान जो 'अपरोपरशुराम' के नाम से जाना जाता है
 - महापदमनंद
- * सही कथन हैं
 - विश्व के सभी भागों में ईर्ष्यी पूर्व छठवीं शताब्दी एक महान धर्मिक उथल-पुथल का काल था, वैदिक धर्म बहुत जटिल हो चुका था।
- * गौतम बुद्ध के समय का प्रसिद्ध वैद्य जीवक संबंधित था
 - विविसार के दरवार से
- * काली नार जिस नदी के तट पर स्थित है, वह है
 - यमुना
- * सही सुमेलन है-

उ.प्र. के प्राचीन जनपद	राजधानी
कुरु	- इंद्रप्रस्थ
पांचाल	- अहिच्छत्र
कोशल	- साकेत
वत्स	- कौशाम्बी

यूनानी आक्रमण

- * सिकंदर के हमले के समय उत्तर भारत पर शासन था
 - नंद का
- * मगध का राजा, जो सिकंदर महान के समकालीन था
 - घनानंद
- * कथन (A) : लगभग दो वर्ष के अभियान के पश्चात सिकंदर महान ने 325 ई.पू. में भारत छोड़ दिया।
 - A सही है, परंतु R गलत है
- * युद्ध-भूमि में बड़ी संख्या में सैनिकों के मारे जाने अथवा आहत हो जाने के बाद जिस भारतीय गण अथवा राज्य की स्त्रियों ने सिकंदर के विरुद्ध शस्त्र धारण किया था, वह है
 - मस्सग
- * भारत में सिकंदर की सफलता के कारण थे
 - उस समय भारत में कोई केंद्रीय सत्ता नहीं थी, उसकी फौज बेहतर थी, उसे देशद्रोही शासकों से सहायता मिली
- * वह वीर भारतीय राजा, जिसे सिकंदर ने झेलम के तट पर पराजित किया था
 - पुरु (पोरस)
- * नियार्क्स, आनेसिकिटस, डाइमेक्स तथा अरिस्टोब्यूलस में से वह, जो सिकंदर के साथ भारत में नहीं आया था
 - डाइमेक्स

मौर्य साम्राज्य

- * प्रथम भारतीय साम्राज्य स्थापित किया गया था — चंद्रगुप्त मौर्य द्वारा
- * गुप्त, मौर्य, वर्षन, कुषाण में से सबसे पुराना राजवंश है — मौर्य
- * जिसके ग्रंथ में चंद्रगुप्त मौर्य का विशिष्ट रूप से वर्णन हुआ है, वह है
— विशाखदत्त
- * सैंड्रोकोट्स से चंद्रगुप्त मौर्य की पहचान की — वितियम जोंस ने
- * प्लिनी, जरिटन, रैट्रो तथा मेगारथनीज में से वह जिसने 'सैंड्रोकोट्स' (चंद्रगुप्त मौर्य) और सिंकंदर महान की भेंट का उल्लेख किया है
— जरिटन
- * कौटिल्य प्रधानमंत्री थे — चंद्रगुप्त मौर्य के
- * चारण अपने बचपन में जाने जाते थे — विष्णुगुप्त के नाम से
- * कौटिल्य का अर्थशास्त्र है, एक — शासन के सिद्धांतों की पुस्तक
- * सप्तांग सिद्धांत के अनुसार राज्य के अंग हैं
— राजा, आमत्य, जनपद, दुर्ग, कोष, सेना एवं मित्र
- * कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' में प्रकाश डाला गया है
— राजनीतिक नीतियों पर
- * मैक्यावेली के 'प्रिंस' से तुलना की जा सकती है
— कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' की
- * डाइमेक्स भारत आया था — विंदुसार के शासनकाल में
- * पाटिपुत्र में स्थित चंद्रगुप्त का महल मुख्यतः बना था — लकड़ी का
- * जिस प्राचीन नगर के अवशेष कुम्रहार स्थल से प्राप्त हुए हैं, वह है
— पाटिपुत्र
- * बुलंदीबाग प्राचीन स्थान था — पाटिपुत्र का
- * अशोक, चंद्रगुप्त, विंदुसार तथा कुणाल में से वह मौर्य राजा जिसने दक्षकन की विजय प्राप्त की थी — चंद्रगुप्त
- * मालवा, गुजरात एवं महाराष्ट्र पहली बार जीता
— चंद्रगुप्त मौर्य ने
- * वह अभिलेख, जिससे यह प्रमाणित होता है कि चंद्रगुप्त का प्रभाव पश्चिम भारत पर था — रुद्रदामन का जूनागढ़ शिलालेख
- * गुजरात चंद्रगुप्त मौर्य के साम्राज्य में सम्मिलित था, यह प्रमाणित होता है — रुद्रदामन के जूनागढ़ शिलालेख से
- * सेल्यूक्स, जिनको अलेक्जेंडर द्वारा सिंघ एवं अफगानिस्तान का प्रशासक नियुक्त किया गया था, को हराया था — चंद्रगुप्त ने
- * चंद्रगुप्त मौर्य ने सेल्यूक्स को पराजित किया था — 305 ई.पू. में

- * दिया गया मानचित्र संबंधित है—



- अशोक से, उसके शासनकाल के अंतिम समय से
- * सहिष्णुता, उदारता और करुणा के त्रिविध आधार पर राजधर्म की स्थापना की — अशोक ने
- * अफगानिस्तान, बिहार, श्रीलंका तथा करिंग में से वह क्षेत्र, जो अशोक के साम्राज्य में सम्मिलित नहीं था — श्रीलंका
- * अशोक के द्वितीय मुख्य शिलालेख, द्वितीय मुख्य शिलालेख, नवां मुख्य शिलालेख तथा प्रथम स्तंभ अभिलेख में से वह, जिसमें दक्षिण भारतीय राज्यों का उल्लेख हुआ है — द्वितीय मुख्य शिलालेख
- * भारत के प्रथम अस्पताल एवं औषधि-बाग का निर्माण करवाया था — अशोक ने
- * "अशोक ने बौद्ध होते हुए भी, हिंदू धर्म में आस्था नहीं छोड़ी" इसका प्रमाण है — 'देवनामप्रिय' की उपाधि
- * अशोक के शासनकाल में बौद्ध समा आयोजित गई थी — पाटिपुत्र में
- * मौर्य शासक जो बौद्ध धर्म के अनुयायी थे — अशोक एवं दशरथ
- * राज्ञुक थे — मौर्य शासन में अधिकारी
- * सार्थवाह कहते थे — व्यापारियों के काफिले को
- * अग्रहारिक, युक्त, प्रादेशिक तथा राजुक में से वह अधिकारी जो मौर्य प्रशासन का भाग नहीं था — अग्रहारिक
- * सारनाथ स्तंभ का निर्माण किया था — अशोक ने
- * सर्वश्रेष्ठ स्तूप मानते हैं — सांची को
- * सांची का स्तूप बनवाया था — अशोक ने
- * सुमेलित हैं—

स्थान	स्मारक/भग्नावशेष
कौशाम्बी	घोपिताराम मठ
कुशीनगर	रानामर स्तूप
सारनाथ	धर्मेख स्तूप
श्रावस्ती	सहेत-महेत

- * सम्मानित अशोक की तीर्थ यात्रा का सही ऋम है
 - गया, कुशीनगर, तुंडिनी, कपिलवस्तु, सारनाथ एवं श्रावस्ती
- * अशोक के शिलालेखों (Inscriptions) में प्रयुक्त भाषा है
 - प्राकृत भाषा में
- * कातसी, गिरनार, शाहबाजगढ़ी तथा मेरठ में से वह उशोक कालीन अभिलेख जो 'खरोष्टी' लिपि में है
 - शाहबाजगढ़ी
- * पत्थर पर प्राचीनतम शिलालेख थे
 - प्राकृत भाषा में
- * अशोक के शिलालेखों को सर्वप्रथम पढ़ा था
 - जेम्स प्रिसेप ने
- * वह स्थान, जहां प्राकृत अशोक ब्राह्मी लिपि का पता चला है — अनुराधापुर
- * प्राचीन भारत में ब्राह्मी, नंदनागरी, शारदा तथा खरोष्टी में से, वह एक लिपि जो दाईं ओर से बाईं ओर लिखी जाती थी — खरोष्टी
- * अशोक का अपने शिलालेखों में सामान्यतः जिस नाम से उल्लेख हुआ है, वह है
 - प्रियदर्शी
- * अशोक के प्रस्तर स्तंभों के संदर्भ में सत्य कथन हैं
 - इन पर बढ़िया पौत्रिश है, ये अखंड हैं, स्तंभों का शैफ्ट शुंडाकार है
- * मास्की, गुर्जरा, नेहर एवं उडेगोलन में से वह एक अभिलेख जिसमें अशोक के व्यक्तिगत नाम का उल्लेख गिरता है
 - मास्की
- * अशोक का रुमिनदई स्तंभ संबंधित है
 - बुद्ध के जन्म से
- * गुर्जरा लघु शिलालेख, जिसमें अशोक का नामोल्लेख किया गया है, स्थित है
 - मध्य प्रदेश के दतिया जिले में
- * केवल वह स्तंभ जिसमें अशोक ने स्वयं को मगध का सम्राट बताया है
 - भाद्रू स्तंभ
- * कातसी प्रसिद्ध है
 - अशोक के शिलालेख के कारण
- * उत्तराखण्ड में, सम्राट अशोक के शिलालेखों की एक प्रति मिली थी
 - कालसी में
- * कतिंग बुद्ध की विजय तथा क्षतियों का वर्णन अशोक के जिस शिलालेख (Rock Edict) में है, वह है
 - शिलालेख XIII
- * अशोक का पूर्णालयेण धार्मिक सहिष्णुता के प्रति समर्पित अभिलेख है
 - शिलालेख XII
- * अशोक के जो प्रमुख शिलालेख (Rock Edicts) संगम राज्य के विषय में हमें बताते हैं, उनमें सम्मिलित हैं — II और XIII शिलालेख
- * चोल, पाण्ड्य, सतियपुत्र तथा सातवाहन में से वह दक्षिणी राज्य, जिसका उल्लेख अशोक के अभिलेखों में नहीं है — सातवाहन
- * अशोक का वह अभिलेख जिसमें पारंपरिक अवसरों पर पशु बलि पर रोक लगाई गई है, ऐसा लगता है कि वह पांचदी पशुओं के वध पर थी
 - शिला अभिलेख I
- * टालेमी फिलाडेल्फस (तुरमय) जिसके साथ अशोक के राजनव संबंध थे, शासक था
 - मिश्र का
- * चोल, गुप्त, मौर्य तथा पल्लव में से वह राजवंश जिसके शासकों के सुदूर देशों जैसे तीरिया एवं मिश्र के साथ राजकीय संबंध थे — मौर्य
- * प्राचीन भारतीय अभिलेखों में से वह एक खाद्यान्न जिसे देश में संकटकाल में उपयोग हेतु सुरक्षित रखने के बारे में प्राचीनतम शाही आदेश है
 - सोहोरा ताप्तपत्र
- * कथन (A) : अशोक ने कतिंग को मौर्य साम्राज्य में जोड़ लिया था
 - कारण (R) : कतिंग दक्षिण भारत को जाने वाले स्थलीय एवं समुद्री मार्गों को नियंत्रित करता था
 - (A) और (R) दोनों सही हैं
 - और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है
- * कथन (A) : मौर्यकालीन शासकों ने धार्मिक आधार पर भू-अनुदान नहीं दिया था
 - कारण (R) : भू-अनुदान के विरुद्ध कृषकों ने विद्रोह किया
 - (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
- * मौर्यकाल में टैक्स को छुपाने (चोरी) के लिए दिया जाता था
 - मृत्युदंड
- * प्रसिद्ध यूनानी राजदूत मेगस्थनीज भारत में आए थे
 - चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में
- * मेगस्थनीज ने अपने ग्रंथ इंडिका में भारतीय समाज को विभाजित किया
 - सात श्रेणियों में
- * अर्थशास्त्र, मुद्राराक्षस, मेगस्थनीज की इंडिका तथा वायुपुराण में से वह स्रोत जिसमें उल्लिखित है कि प्राचीन भारत में दासता नहीं थी
 - मेगस्थनीज की इंडिका
- * वह स्रोत जिसमें पाटलिपुत्र के प्रशासन का वर्णन उपलब्ध है
 - इंडिका
- * वह स्रोत जो मौर्यों के नगर प्रशासन का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करता है
 - मेगस्थनीज की इंडिका
- * मेगस्थनीज की पुस्तक का नाम है
 - इंडिका
- * मौर्य नरेशों ने विकास किया था
 - संस्कृति कला व साहित्य, प्रांतीय विभाजन, हिंदूकुश तक साम्राज्य
- * 'भाग' एवं 'बलि' थे
 - राजस्व के स्रोत
- * मौर्य काल में भूमि कर, जो कि राज्य की आय का मुख्य स्रोत था एकत्रित किया जाता था
 - सीताव्यास द्वारा
- * मौर्यकाल में 'सीता' से तात्पर्य है
 - राजकीय भूमि से प्राप्त आय
- * मौर्य मन्त्रिपरिषद में राजस्व इकट्ठा करने से संबंधित था
 - समाहर्ता
- * मौर्युगीन अधिकारी जो तौत-नाप का प्रभारी था
 - पौत्रवाय्यक
- * 'पकोदकसन्निरोध' मौर्य प्रशासन द्वारा लिया जाने वाला जुर्माना था
 - सड़क पर कीचड़ फैलाने पर
- * मौर्य काल में शिक्षा का सर्वाधिक प्रसिद्ध केंद्र था
 - तक्षशिला

- * कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' के अनुसार मौर्यकालीन न्याय व्यवस्था में ये न्यायालय अस्तित्व में थे — धर्मस्थीय एवं कंटकशोधन
- * वर्तमान नगरपालिका प्रशासन का यह कार्य मौर्य वात से जारी है — जन्म एवं मृत्यु का पंजीकरण
- * भारत के सांख्यिक इतिहास के संदर्भ में इतिवृत्तों, राजवंशीय इतिहासों तथा वीरगाथाओं को कंठस्थ करना व्यवसाय था — माणव एवं सूत वर्गों का
- * गांवों के शासन को स्वायत्तशासी पंचायतों के माध्यम से संचालित करने मैत्री ने की व्यवस्था का सूचिपात्र किया
- * प्राचीन भारत का ग्रन्थ जिसमें पति द्वारा परित्यक्त पत्नी के लिए विवाह विच्छेद की अनुमति दी गई है — अर्थशास्त्र
- * जातक, मनुस्मृति, याज्ञवल्य एवं अर्थशास्त्र में से पुनर्विवाह वर्जित (Prohibits) हैं — मनुस्मृति में
- * विदेशियों को भारतीय समाज में मनु द्वारा दिया गया सामाजिक स्तर था — ड्रष्ट्र क्षत्रियों का (Fallen Kshatriyas)
- * प्राचीन भारत के यात्रियों का सही ब्रह्म है — मेषस्थनीज, पञ्चाशन, ह्लैनसांग एवं इत्येति

* सही सुमेलित है—

सूची-I

सूची-II

चंद्रगुप्त	-	सैंड्रोकोट्टस
बिंदुसार	-	अमित्रधात
अशोक	-	पियदसि
चाणक्य	-	विष्णुगुप्त
* अंतिम मौर्य सम्राट् था	—	कृष्णद्रथ
* सही कथन है—		
— अंतिम मौर्य शासक बृहद्रथ की हत्या उसके प्रधान सेनापति पुष्पमित्र शुंग ने की थी, अंतिम शुंग राजा देवभूति की हत्या उसके द्वाहण मंत्री वासुदेव कण्व ने की और उसने राजसिंहाशन हथिया लिया, आंब्र ने कण्व राजवंश के अंतिम शासक को पद वंचित किया था		
* ईस्वी सन के पूर्व की कुछ शताब्दियों में गिरनार क्षेत्र में जल संसाधन व्यवस्था की ओर ध्यान दिया — चंद्रगुप्त मौर्य एवं अशोक ने	— चंद्रगुप्त मौर्य एवं अशोक ने	
* जल की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, जिस प्रथम शासक ने गिरनार क्षेत्र में एक झील का निर्माण करवाया, वह था	— चंद्रगुप्त मौर्य	

* सुमेलित हैं—

लोथल

- एनसिएंट डाक्यार्ड

सारनाथ

- फर्स्ट सरमन ऑफ बुद्ध

सारनाथ

- लायन कैपिटल ऑफ अशोक

नालंदा

- ग्रेट सीट ऑफ बुद्धिस्ट लर्निंग

मौर्योत्तर काल

- * स्ट्रैटो II, स्ट्रैटो I, डेमेट्रियस तथा मेनांडर में से वह हिंदू-यवन शासक जिसने सीसे के सिक्के जारी किए थे — स्ट्रैटो II
- * विविसार, गैताम बुद्ध, मितिंद तथा प्रसेनजीत में से वह एक जो अन्य तीनों के समसामयिक नहीं था — मितिंद
- * 'काव्य' शैली का प्राचीनतम नमूना मिलता है — कठियावाड़ के रुद्रदामन के अभिलेख में
- * रुद्रदामन प्रथम की विभिन्न उपलब्धियां वर्णित हैं — जूनांगढ़ के अभिलेख में
- * बिना बेगार के सुदर्शन झील का जीर्णद्वार कराया — रुद्रदामन प्रथम ने
- * उत्तरी तथा उत्तरी-पश्चिमी भारत में सर्वाधिक संख्या में तांबे के सिक्कों को जारी किया था — कुशाणों ने
- * प्राचीन भारत में नियमित रूप से सोने के सिक्के चलाए — कुशाण ने
- * विम कडफिसेस, कनिष्ठ, नहपाण एवं बुध गुप्त में से जिसके सिक्कों पर बुद्ध का अंकन हुआ है, वह है — कनिष्ठ
- * कुञ्जुल कडफिसेस, विम कडफिसेस, कनिष्ठ प्रथम तथा हुविष्ठ में से वह शासक जिसको सर्वप्रथम सोने के सिक्के जारी करने का श्रेय दिया जाता है — विम कडफिसेस
- * विम कडफिसेस, कुञ्जुल कडफिसेस, कनिष्ठ तथा हर्मवीज में से वह, जिसने भारत में स्वर्ण सिक्कों का प्रचलन नियमित उपयोग के तिए किया था — विम कडफिसेस ने
- * योधेय सिक्कों पर अंकन मिलता है — कार्तिकेय का
- * कनिष्ठ के सारनाथ बौद्ध प्रतिमा अभिलेख की तिथि है — 81 ई.सन्
- * कुशाण शासक कनिष्ठ का राज्याभिषेक हुआ — 78 ई. में
- * शक संवत् प्रारंभ किया गया — 78 ई. में
- * विक्रम एवं शक संवतों में अंतर (वर्षों में) है — 135 वर्ष
- * विक्रम संवत् प्रारंभ हुआ — 57 ई. पू. में
- * कनिष्ठ के समकालीन थे — अश्वघोष एवं वसुमित्र
- * अश्वघोष, चरक, नागार्जुन तथा पतंजलि में से वह, जो कनिष्ठ के दरबार से संबद्ध नहीं था — पतंजलि
- * अश्वघोष, पाश्व, वसुमित्र तथा विशाखदत्त में से वह, जो कनिष्ठ प्रथम के दरबार में नहीं गया था — विशाखदत्त

- * श्रावस्ती, कौशांबी, पाटलिपुत्र तथा चम्पा नगरों में से कनिष्ठ के रवतक अभिलेख में उल्लेख नहीं है — श्रावस्ती का
 - * तक्षशिला विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी — चरक तथा जीवक ने
 - * शुंग वंश के बाद भारत पर राज किया — कण्व वंश ने
 - * पुष्यमित्र शुंग, खारवेल, गौतमीपुत्र शातकर्णी, वासुदेव एवं समुद्रगुप्त में से वह शासक जो वर्ण-व्यवस्था का रक्षक कहा जाता है — गौतमीपुत्र शातकर्णी
 - * मौर्यों के बाद दक्षिण भारत में सबसे प्रभावशाली राज्य था — सातवाहन
 - * सिमुक संस्थापक था — सातवाहन वंश का
 - * चीनी जनरल जिसने कनिष्ठ को हराया था — पान चारु
 - * गुप्त वंश, मौर्य वंश तथा कुषाण वंश में से वह वंश जिसके साम्राज्य की सीमाएं भारतीय उपमहाद्वीप के बाहर तक फैली थीं — कुषाण वंश
 - * बात विवाह की प्रथा आरंभ हुई — कुषाणकाल में
 - * कला की गांधार शैली फली-फूली — कुषाणों के समय में
 - * सुमेलित हैं—

राजवंश	सिर्क्कों की धारुएं
कुषाण	- स्वर्ण एवं ताप्र
गुप्त	- स्वर्ण एवं रजत
सातवाहन	- सीसा एवं पोटीन
कलद्वारि	- स्वर्ण, रजत एवं ताप्र

 - * अफगानिस्तान का बायियान प्रसिद्ध था — बुद्ध प्रतिमा के लिए
 - * जो कला शैली भारतीय और यूनानी (ग्रीक) आकृति का समिक्षण है, उसे कहते हैं — गांधार
 - * वह मूर्ति कला जिसमें सदैव हरित स्तरित चट्टान (शिस्ट) का प्रयोग माध्यम के रूप में होता था — गांधार मूर्ति कला
 - * प्राचीन काल के भारत पर आक्रमणों के संबंध में सही कालानुक्रम है — यूनानी-शक-कुषाण
 - * पहला ईरानी शासक जिसने भारत के कुछ भाग को अपने अधीन किया था — डेरियस प्रथम
 - * चातुर्ब्य, पत्त्व, राष्ट्रकूट तथा सातवाहन राजवंशों में सबसे पुराना राजवंश था — सातवाहन
 - * आंब्र सातवाहन राजाओं की सबसे लंबी सूची मिलती है — मत्त्य पुराण में
 - * सातवाहनों की राजधानी अवस्थित थी — अमरावती एवं प्रतिष्ठान में
- * 'एका ब्राह्मण' प्रयुक्त हुआ है — गौतमीपुत्र शातकर्णी के लिए
 - * निम्न कथनों पर विचार कीजिए—
कथन (A) : कुषाण फारस की खाड़ी और लाल सागर से होकर व्यापार करते थे।
कारण (R) : उनकी सुसंगठित नैसेना उच्च कोटि की थी।
— A रही है, परंतु R गलत है।
 - * राजा खारवेल का नाम जुड़ा है — हाथीगुम्फा लेख के साथ
 - * अशोक, हर्ष, पुलकेशिन द्वितीय एवं खारवेल में से वह, जो जैन धर्म का संरक्षक था — खारवेल
 - * कतिंग नरेश खारवेल संबंधित थे — येदि वंश से
 - * दशरथ, बृहद्रथ, खारवेल तथा हुविष्क राजाओं में से वह जिसका जैन धर्म के प्रति भारी झुकाव था — खारवेल
 - * पूर्वी रोमन शासक जस्टिनियन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान था — विधि में

गुप्त एवं गुप्तोत्तर युग

- * गुप्तवंश ने शासन किया — 319-500 ई. अवधि के मध्य
- * चार अश्वमेहों का संपादन किया था — प्रवर्सेन प्रथम ने
- * 'भारत का नेपोलियन' कहा जाता है — समुद्रगुप्त को
- * गुप्त राजा देवगुप्त का एक अन्य नाम था — चंद्रगुप्त द्वितीय
- * प्रथम गुप्त शासक जिसने 'परम भावत' की उपाधि धारण की — चंद्रगुप्त द्वितीय
- * इलाहाबाद स्तंभ अभिलेख संबद्ध है — समुद्रगुप्त से
- * प्रयाग प्रशस्ति जानकारी देती है — कुमारगुप्त के सैन्य अभियान के बारे में
- * समुद्रगुप्त के प्रयाग प्रशस्ति वाले स्तंभ पर लेख मिलता है — जहांगीर का
- * 'पृथिव्या प्रथम वीर' उपाधि थी — समुद्रगुप्त की
- * हूणों के आक्रमण से अत्यंत विचलित हुआ — गुप्त राजवंश
- * हूणों ने भारत पर आक्रमण किया था — रक्षदगुप्त के शासनकाल में
- * गुप्त शासक जिसने हूणों पर विजय प्राप्त की — रक्षदगुप्त
- * वह अभिलेख जिससे ज्ञात होता है कि रक्षदगुप्त ने हूणों को पराजित किया था — भितरी स्तंभ-लेख
- * गुप्त साम्राज्य के पतन के विभिन्न कारण थे, जो हैं — हूण आक्रमण, प्रशासन का सामंतीय ढाँचा, उत्तरवर्ती गुप्तों का बौद्ध धर्म स्वीकार करना, अयोध्या उत्तराधिकारी
- * 'शक-विजेता' के रूप में जाना जाता है — चंद्रगुप्त द्वितीय को

- * चंद्रगुप्त द्वितीय ने पराजित किया था — रुद्र सिंह तृतीय को
 - * रजत सिक्के जारी करने वाला प्रथम गुप्त शासक — चंद्रगुप्त द्वितीय
 - * गुप्तकाल में उत्तर भारतीय व्यापार जिस एक पत्तन से संचालित होता था, वह है — ताष्ठलिपि
 - * भारत ने दक्षिण-पूर्वी एशिया के साथ अपने आरम्भिक सांस्कृतिक संपर्क तथा व्यापारिक संबंध बंगाल की खाड़ी के पार बना रखे थे, जिसके बांगल की खाड़ी में चलने वाली मानसूनी हवाओं ने समुद्री यात्राओं को सुगम बना दिया था
 - * प्राचीन भारत में देश की अर्थव्यवस्था में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली 'श्रेणी' संगठन के संदर्भ में सत्य कथन है — 'श्रेणी' ही वेतन, काम करने के नियमों, मानकों और कीमतों को सुनिश्चित करती थी। 'श्रेणी' का अपने सदस्यों पर न्यायिक अधिकार होता था।
 - * गुप्तकाल में गुजरात, बंगाल, दक्षकन एवं तमिल राष्ट्र में स्थित केंद्र संबंधित थे — वस्त्र उत्पादन से
 - * गुप्तकाल में अपनी आगुर्विज्ञान विषयक रचना के लिए जाना जाता है — सुश्रुत
 - * धनवंतरि, भास्करराचार्य, चरक तथा सुश्रुत में से प्राचीन भारत के आगुर्वंद शास्त्र से संबंध नहीं है — भास्करराचार्य का
 - * प्राचीन कालीन भारत में हुई वैज्ञानिक प्रगति के संदर्भ में सत्य कथन है — प्रथम शही ईर्षी में विभिन्न प्रकार के विशिष्ट शत्य औजारों का उपयोग आम था, पांचवीं शही ईर्षी में कोण के ज्या का सिद्धांत ज्ञात था। सातवीं शही ईर्षी में चक्रीय घरुर्मुज का सिद्धांत ज्ञात था।
 - * चंद्रगुप्त के नौ रत्नों में से फलित-ज्योतिष से संबंधित था — क्षणक
 - * कालिदास जिसके शासनकाल में थे, वह शासक है — चंद्रगुप्त II
 - * गुप्तकालीन स्वर्ण मुद्रा है — दीनार
 - * गुप्तकालीन रजत मुद्राओं को नाम दिया गया था — रूपक
 - * वह गुप्त शासक जिसने सर्वप्रथम सिक्के जारी किए — चंद्रगुप्त प्रथम
 - * गुप्तकाल में लिखित संस्कृत नाटकों में स्त्री और शूद्र बोलते थे — प्राकृत
 - * सती प्रथा का प्रथम अभिलेखिक साक्ष्य प्राप्त हुआ है — एरण से
 - * गुप्त संवत की स्थापना की — चंद्रगुप्त I ने
 - * सुमेलित हैं—

सप्ताह	विरुद्ध
अशोक	— प्रियदर्शिन
समुद्रगुप्त	— परक्रमांक
चंद्रगुप्त-II	— विक्रमादित्य
संदगुप्त	— क्रमादित्य
- * नगरों का क्रमिक पत्तन एक महत्वपूर्ण विशेषता थी — गुप्तकाल की
 - * मंदिरों एवं ब्राह्मणों को सबसे अधिक ग्राम अनुदान में दिया था — गुप्त वंश ने
 - * प्राचीन भारत में वह वंश, जिसका शासनकाल 'स्वर्ण यु' कहा जाता है — गुप्त
 - * गुप्त युग में भूमि राजस्व की दर थी — उपज का छठां भाग
 - * हिंदू विधि द्वारा मान्य कर था — उपज का छठां भाग
 - * गुप्त साम्राज्य द्वारा कर-रहित कृषि भूमि प्रदान की जाती थी — ब्राह्मणों को
 - * प्राचीन भारत में सिंचाई कर को कहते थे — विदकभागम
 - * तीसरी शताब्दी में वारंगत प्रसिद्ध था — लोहे के यंत्रों/उपकरणों हेतु
 - * तोरमाण था — हूण जातीय दल का
 - * हूण शासक मिहिरकुल को पराजित किया था — वातादित्य एवं यशोर्धमन ने
 - * विशाखदत्त के प्राचीन भारतीय नाटक मुद्राराक्षस की विषय वस्तु है — चंद्रगुप्त मौर्य के समय में राजदरवार की दुरभिस्थियों के बारे में
 - * सत्य कथन है — गुप्त साम्राज्य रथ्यं के लिए दैवीय अधिकारों का दावा करते थे। उनका प्रशासन विकेंद्रीकृत था
- उन्होंने भूमिका की परंपरा को विस्तारित किया।
- * शतरंज का खेल उद्भूत (originate) हुआ था — भारत में
 - * शूद्रक द्वारा तिखी हुई प्राचीन भारतीय पुस्तक 'मृच्छकटिकम्' का विषय था — एक धनी व्यापारी और एक गणिका की पुत्री की प्रेम-गाथा
 - * प्राचीन सांख्य दर्शन में महत्वपूर्ण योगदान है — कपिल का
 - * भारत में दार्शनिक विचार के इतिहास के संबंध में, सांख्य संप्रदाय से संबंधित सत्य कथन है
 - * सांख्य की मान्यता है कि आत्म-ज्ञान ही मोक्ष की ओर ले जाता है, न कि कोई वाहा प्रभाव अथवा कारक।
 - * योग दर्शन के प्रतिपादक हैं — पतंजलि
 - * अनुसृति, प्रत्याहार, ध्यान तथा धारणा में से वह, जो 'आष्टांग योग' का अंश नहीं है — अनुसृति
 - * महाभाष्य के लेखक 'पतंजलि' समसामयिक थे — पुष्टमित्र शुंग के
 - * नव्य-न्याय संप्रदाय (रक्षुल) के संरथापक थे — गोमेश
 - * 'जब तक जीवित रहो, सुख से जीवित रहो, चाहे इसके लिए ऋण ही लेना पड़े, जिसके शरीर के भर्तीभूत हो जाने पर पुनरागमन नहीं हो सकता।' पुनर्जन्म का निषेध करने वाली यह उक्ति है — चार्वाकों की
 - * वैशेषिक दर्शन के प्रवर्तक थे — कणाद
 - * न्याय दर्शन के प्रवर्तक थे — गौतम

- * मीमांसा के प्रणेता थे
 - * कर्म का सिद्धांत संबंधित है
 - * सांख्य, वैशेषिक, मीमांसा, न्याय तथा योग में से वह दर्शन जिसका मत है कि वेद शास्त्र सत्य हैं
 - * मीमांसा और वेदांत, न्याय और वैशेषिक, लोकायत और कापालिक तथा सांख्य और योग युगों में से वह एक जो भारतीय षड्दर्शन का भाग नहीं है
 - * अद्वैत दर्शन के संस्थापक हैं
 - * ज्ञान, कर्म, भक्ति तथा योग में से अद्वैत वेदांत के अनुसार, मुक्ति प्राप्त की जा सकती है
 - * शंकराचार्य, अभिनव गुप्त, रामानुज तथा माधव में से 'वेदांत दर्शन' के साथ संबंध नहीं हैं
 - * सुमेलित हैं—

संवत्सर	गणना अवधि
विक्रम संवत्सर	— 58 ई.पू.
शक संवत्सर	— 78 ईस्वी
गुप्त संवत्सर	— 320 ईस्वी
कृष्ण संवत्सर	— 3102 ई.पू.

 - * सत्य कथन है—
- विक्रम संवत् 58 ई.पू. से आरंभ हुआ
शक संवत् रात्र 78 ई.से आरंभ हुआ
गुप्तकाल रात्र 319 से आरंभ हुआ

भारत में मुसलमान शासन का युग रात्र 1192 से शुरू हुआ

- * पुलकेशिन-II का बादामी शिलालेख शक वर्ष 465 का दिनांकित है। यदि इसे विक्रम संवत में दिनांकित करना हो तो वर्ष होगा

— 601 अथवा 600

- * एक चालुक्य अग्नितेख के तिथि अंकन में शक संवत् का वर्ष 556 दिया हुआ है। इसका तुत्य वर्ष है — 634 ई.
- * पुराणों के अनुसार, चंद्रवंशीय शासकों का मूल स्थान था—प्रतिट्ठानपुर
- * मौखिक राजाओं की राजधानी थी — कन्नौज
- * हरिषण, कल्हण एवं कलिदास में से वह जिसकी पुस्तकों में हर्ष के समय की सूचनाएं निहित हैं — कल्हण
- * 'हर्षचरित' नामक पुस्तक तिखी — वाणिभट्ट ने
- * हर्ष के साग्राज्य की राजधानी थी — कन्नौज
- * सप्तांष हर्ष ने अपनी राजधानी थानेश्वर से रथानांतरित की थी — कन्नौज में

— 671 अथवा 672 ई. में

- * सप्तांष हर्षवर्धन ने दो महान धार्मिक सम्मेलनों का आयोजन किया था — कन्नौज तथा प्रयाग में
 - * उत्तर प्रदेश में स्थित वह स्थल जहां हर्षवर्धन ने बौद्ध महासम्मेलन का आयोजन किया था — प्रयाग
 - * नर्मदा नदी पर सप्तांष हर्ष के दक्षिणवर्ती अग्रगमन को रोका — पुलकेशिन II ने
 - * हर्षवर्धन को पराजित किया था — पुलकेशिन द्वितीय ने
 - * कवि बाण, निवासी था — प्रीथिकृष्णा (औरंगाबाद) का
 - * ह्लेनसांग भारत आया था — सप्तांष हर्ष के शासनकाल में
 - * भारत की यात्रा करने वाले चीनी यात्री युआन च्यांग (ह्लेनसांग) ने तत्कालीन भारत की सामाज्य दशाओं और संस्कृति का वर्णन किया है। इस संदर्भ में, सही कथन है
 - * जहां तक अपराधों के लिए दंड का प्रश्न है, अग्नि, जल व विष द्वारा सत्यपरीक्षा किया जाना ही किसी भी व्यक्ति की निर्दोषिता अथवा दोष के निर्णय के साथन थे। व्यापारियों को नौधारों और नौकों पर शुल्क देना पड़ता था
 - * ह्लेनसांग की भारत यात्रा के समय सूती कपड़ों के उत्पादन के लिए सबसे प्रसिद्ध नगर था — मथुरा
 - * 'कौशेय' शब्द का प्रयोग किया गया है — रेशम के लिए
 - * चीनी यात्री ह्लेनसांग ने अध्ययन किया था — नालंदा विश्वविद्यालय में
 - * आज भी भारत में ह्लेनसांग को याद करने का मुख्य कारण है — शी-सू-की की रचना
 - * चीनी यात्री जिसने भीनगात की यात्रा की थी — ह्लेनसांग
 - * चीनी यात्री इतिंग ने विहार का भ्रमण किया, लगभग
- 671 अथवा 672 ई. में
- * चीनी लेखक भारत का उल्लेख करते हैं — चिन्नु नाम से
 - * नालंदा विश्वविद्यालय के विनाश का कारण था — मुसिल्म आङ्ग्रेज
 - * भारत में सबसे प्राचीन विहार है — नालंदा
 - * नालंदा स्थित है — विहार में
 - * गुप्तोत्तर युग में प्रमुख व्यापारिक केंद्र था — कन्नौज
 - * कथन (A) : सामंतवाद का विकास गुप्तोत्तर काल की कृषक-संरचना की प्रमुख विशेषता थी।
कारण (R) : इस काल में भू-स्वामी मध्यस्थ वर्ग एवं आक्रिति कृषक वर्ग अस्तित्व में आया।
— (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

- * भारतीय इतिहास के संदर्भ में, सामंती व्यवस्था के अनिवार्य तत्व हैं
 - भूमि के नियंत्रण तथा रक्षाभित्र पर आधारित प्रशासनिक संरचना का उदय, सामंत तथा उसके अधिपति के बीच रक्षामी-दास संबंध का बनना
 - * सत्य कथन है
 - चीनी तीर्थयात्री फाहान चंद्रगुप्त द्वितीय का समकालीन था, चीनी तीर्थयात्री हेनसांग, हर्ष से मिला और उसे बौद्ध धर्म का उपासक बताया।
 - * आठवीं शताब्दी के संत शंकराचार्य के बारे में सही कथन है-
 - उन्होंने भारत के विभिन्न क्षेत्रों में चार धाम स्थापित किए।
 - उन्होंने येदांत का प्रसार किया।
 - उन्होंने बौद्ध तथा जैन धर्मों के विस्तार पर रोक लगाई।
 - * आदिशंकर जो बाद में शंकराचार्य बने, उनका जन्म हुआ था
 - केरल में
 - * आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार मठ स्थित हैं
 - जोशीमठ, द्वारका, पुरी, श्रुगेरी में
 - * सुमेलित हैं-

रविकीर्ति	- पुलकेशिन II
भवभूति	- कन्नौज के यशोवर्मन
हरिषण	- समुद्रगुप्त
दंडी	- नरसिंह वर्मन
 - * सुमेलित हैं-

दरबारी कवि	राजा
अगीर खुसरो	- अलाउदीन खिलजी
कालिदास	- चंद्रगुप्त II
हरिषण	- समुद्रगुप्त
बाणभट्ट	- हर्षवर्धन
 - * सुमेलित हैं-

भोज	- धार
दुर्गावती	- गोङ्डवाना
समुद्रगुप्त (प्रांतीय शासक)	- विदेशा
अशोक (प्रांतीय शासक)	- उज्जैन
- प्राचीन भारत में स्थापत्य कला**
- * खजुराहो का कंदरिया महादेव मंदिर बनवाया - चंदेल ने
 - * खजुराहो के मंदिर संबंधित हैं - हिंदू धर्म और जैन धर्म से
 - * खजुराहो स्थित मंदिरों का निर्माण करवाया था - चंदेलवंश के राजाओं ने
 - * खजुराहो का मातंगेश्वर मंदिर समर्पित है - शिव को
 - * कंदरिया महादेव, चौसठ योगिनी, दशावतार तथा चित्रगुप्त में से वह मंदिर जो खजुराहो में नहीं है - दशावतार
 - * खजुराहो के मंदिर, भीमबेटका की गुफाएं, सांची के स्तूप तथा मांडू का महल में से वह जो विश्व धरोहर स्थल (वर्ल्ड हेरिटेज साइट) नहीं है - मांडू का महल
 - * गितरगांव मंदिर, ग्वालियर का तेली मंदिर, कंदरिया महादेव मंदिर तथा ओसिया मंदिर में से वह, जिसका शिखर द्रविड़ शैली में बना हुआ है - ग्वालियर का तेली मंदिर
 - * एक सौ से अधिक बौद्ध गुफाएं हैं - कन्हेरी केंद्र में
 - * आबू का जैन मंदिर बना है - संगमरमर से
 - * भावनगर, माउंट आबू, नासिक तथा उज्जैन नगरों में से वह जिसके निकट पालिताणा मंदिर अवरिष्ट है - भावनगर
 - * एलिफेंटा की गुफाएं मुख्यतः इस धर्म के मतावलियों के उपयोग के लिए काटकर बनाई गई थी - शैव धर्म एवं बौद्ध
 - * एलिफेंटा के प्रसिद्ध शैल को काटकर बनाए गए मंदिरों का श्रेष्ठ दिया जाता है - राष्ट्रकूटों को
 - * अजंता, भाजा, एलिफेंटा तथा एलोरा में से 'त्रिमूर्ति' के लिए विख्यात है - एलिफेंटा
 - * प्राचीन भारत में गुप्त काल से संबंधित गुफा चित्रांकन के केवल दो उदाहरण उपलब्ध हैं। इनमें से एक अजंता की गुफाओं में किया गया चित्रांकन है। गुप्त काल के चित्रांकन का दूसरा अवशिष्ट उपलब्ध है - वाघ गुफाओं में
 - * एलोरा के गुहा-मंदिर संबंधित हैं - हिंदू, बौद्ध, जैन से
 - * एलोरा में गुफाएं और शैल-कृत मंदिर हैं - हिंदुओं, बौद्धों और जैनों के
 - * बौद्ध, हिंदू एवं जैन शैलकृत गुहाएं एक साथ विद्यमान हैं - एलोरा में
 - * पश्चिमी भारत में प्राचीनतम शैलकृत गुफाएं हैं - नासिक, एलोरा और अजंता में
 - * एलिफेंटा, नालंदा, अजंता तथा खजुराहो में से बौद्ध गुफा मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है - अजंता
 - * एलोरा गुफाओं का निर्माण करवाया था - राष्ट्रकूटों ने
 - * शैलकृत स्थापत्य का आश्चर्य माना जाता है - फैलाश मंदिर, एलोरा को
 - * एलोरा के फैलाश मंदिर का निर्माण किया था - राष्ट्रकूट वंश ने
 - * एलोरा के फैलाश मंदिर का निर्माण करवाया था - कृष्ण I ने
 - * राष्ट्रकूटों का संरक्षण प्राप्त था - जैन धर्म को

* अजंता एवं लेलोरा की गुफाएँ स्थित हैं – औरंगाबाद (महाराष्ट्र) में

* सुमेलित हैं–

गुप्त मंदिर	स्थान
ईट निर्मित मंदिर	भीतरगांव
दशावतार मंदिर	देवगढ़
शिव मंदिर	भूमरा
विष्णु मंदिर	एरण

* भारतीय शिलावास्तु के इतिहास के संदर्भ में सत्य कथन है

— भीमबेटका की गुफाएँ भारत की प्राचीनतम अवशिष्ट शैलकृत गुफाएँ हैं। वरावर की शैलकृत गुफाएँ सप्तांश अशोक द्वारा मूलतः आजीविकों के लिए बनवाई गई थीं। लेलोरा में, गुफाएँ विभिन्न धर्मों के लिए बनाई गई थीं।

* अजंता की कला को प्रश्रय (सहायता) दिया — याकाटक ने

* अजंता की गुफाएँ रामायण, महाभारत, जातक कथाएँ तथा पंचतंत्र कहनियाँ में से संबंधित हैं — जातक कथाओं से

* भित्ति चित्र कला के लिए भी जाना जाता है

— अजंता की गुफा एवं लेपाक्षी मंदिर को

* अजंता और महाबलीपुरम के रूप में ज्ञात दो ऐतिहासिक स्थानों में जो तथ्य समान हैं, वह है — दोनों में शिलाकृत स्मारक हैं।

* सुमेलित हैं–

सूची-I	सूची-II
हम्पी	कर्नाटक
नागार्जुनकोडा	आंध्र प्रदेश
शिशुपालगढ़	ओडिशा
अरिकामेडु	पुडुचेरी

* कोणार्क का सूर्य मंदिर बनवाया था — नरसिंह देव वर्मन ने

* 'काला (Black) पैगोडा' के नाम से भी जाना जाता है — कोणार्क के सूर्य मंदिर को

* मोठेरा का सूर्य मंदिर स्थित है — गुजरात में

* लिंगराज मंदिर अवरिथित है — मुकनेश्वर में

* उड़ीसा में नष्ट होने से बचे मंदिरों में सर्वाधिक बड़ा और सबसे ऊँचा मंदिर है

— लिंगराज मंदिर

* जगन्नाथ मंदिर स्थित है — उड़ीसा में

* भुवनेश्वर तथा पुरी के मंदिर निर्मित हैं — नागर शैली में

* विष्णु को समर्पित अंकोरवाट मंदिर स्थित है — कंबोडिया में

* बोरोबदूर स्तूप स्थित है — जावा में

* अंकोरवाट मंदिर समूह का निर्माण 12वीं शताब्दी में करवाया था

— सूर्यवर्मन II ने

* द्रविड़ शैली के मंदिरों में 'गोपुरम' से तात्पर्य है

— तोरण के ऊपर बने अलंकृत एवं बहुमंजिला भवन से

* चट्टानों को काटकर महाबलीपुरम अथवा मामल्लपुरम का मंदिर बनवाया गया — पल्लव द्वारा

* महाबलीपुरम का सप्तारथ मंदिर बनवाया गया था

— नरसिंह वर्मन I द्वारा

* महाबलीपुरम के रथ मंदिरों का निर्माण करवाया था

— नरसिंह वर्मन I ने

* द्रौपदी रथ, भीमरथ, अर्जुन रथ तथा धर्मराज रथ में से वह, रथ मंदिर जो सबसे छोटा है — द्रौपदी रथ

* सुमेलित हैं–

स्थान	स्मारक
एलफेटा	गुफा
श्रवणबेलगोला	मूर्ति
खजुराहो	मंदिर
सांची	स्तूप

* सुमेलन हैं–

ऐतिहासिक स्थल	राज्य
भीमबेटका	मध्य प्रदेश
शोर टेम्पल	तमिलनाडु
हम्पी	कर्नाटक
मानस	असम

* सुमेलित हैं–

एलोरा की गुफाएँ	राष्ट्रकूट
मीनाक्षी मंदिर	पाण्ड्य
खजुराहो मंदिर	चंदेल
महाबलीपुरम के मंदिर	पल्लव

* सुमेलित हैं–

सूची-I	सूची-II
बैजनाथ धाम	शिव मंदिर
सारनाथ	बुद्ध का शाति का प्रथम प्रवचन स्थल
दिलवाड़ा	जैन मंदिर
बद्रीनाथ	विष्णु मंदिर

★ सुगमित्र हैं-

- | | |
|----------------------|-------------|
| सूर्य मंदिर | - कोणार्क |
| तिंगराज मंदिर | - भुवनेश्वर |
| हवामहल | - जयपुर |
| गोमतेश्वर की प्रतिमा | - कर्नाटक |

★ सुगमित्र हैं-

सूर्य-I	सूर्य-II
नालंदा	- विश्वविद्यालय
सारनाथ	- अशोक स्तंभ
सांची	- स्तूप
कोणार्क	- सूर्य मंदिर

★ प्राचीन नगर तक्षशिला स्थित था

- सिंधु तथा झेलम नदियों के बीच

- ★ सोनगिरी, जहां 108 जैन मंदिर बने हुए हैं, स्थित है - दतिया के सन्निकट

- ★ सोनगिरी का ऐतिहासिक दिगंबर जैन तीर्थस्थल स्थित है - मध्य प्रदेश में

- ★ दिलवाड़ा जैन मंदिर है - मारुट आतू में अरावली पर्वत पर

- ★ प्रसिद्ध विरुपाक्ष मंदिर अवधित है - हम्पी में

- ★ नागर, द्रविड़ और वेसर हैं - भारतीय मंदिर वास्तु की तीन मुख्य शैलियाँ

- ★ भारत के सांख्यिक इतिहास के संदर्भ में 'पंचायतन' शब्द निर्दिष्ट करता है

- मंदिर रचना-शैली

- ★ प्रसिद्ध नैगिष्ठारण्य स्थित है - सीतापुर में

★ सुगमित्र हैं-

विख्यात मूर्तिशिल्प	स्थल
बुद्ध के महापरिनिर्वाण की एक भव्य प्रतिमा जिसमें ऊपर की ओर अनेकों दैवी संगीतज्ञ तथा नीचे की ओर उनके दुखी अनुयायी दर्शाए गए हैं	: अर्जंता
प्रस्तर पर उत्कीर्ण विष्णु के वराह अवतार की विशाल प्रतिमा जिसमें वह देवी पृथ्वी को गहरे विक्षुल्य सागर से उबारते दर्शाए गए हैं	: उदयगिरि गुफा
विशाल गोतामों पर उत्कीर्ण "अर्जुन की तपस्या"/"गंगा-अवातरण"	: मामत्तलपुरम

- ★ भारत के कला और पुरातात्त्विक इतिहास के संदर्भ में, भुवनेश्वर स्थित तिंगराज मंदिर, धौली स्थित शैलकृत हाथी, महाबलीपुरम स्थित शैलकृत स्मारक तथा उदयगिरि स्थित वराह मूर्ति में से वह जिसका सबसे पहले निर्माण किया गया था - धौली स्थित शैलकृत हाथी

दक्षिण भारत (चोल, चालुव्य, पल्लव एवं संगम युग)

- ★ नवीं ज्ञातव्य ई. में चोल साम्राज्य की नींव डाली गई

- विजयालय द्वारा

- ★ वह मंदिर परिसर जिसमें एक भारी-भरकम नंदी की मूर्ति है, जिसे भारत की विशालतम नंदी मूर्ति माना जाता है - वृहदीश्वर मंदिर

- ★ तंजौर का वृहदीश्वर मंदिर जिस चोल शासक के काल में निर्मित हुआ था, वह था - राजराज प्रथम के

- ★ चोलों का राज्य फैला था

- कोरोमंडल तट, दक्षन के कुछ भाग तक

- ★ कावेरीपत्तन, महाबलीपुरम, कावी और तंजौर में से चोलों की राजधानी थी - तंजौर

- ★ चोल प्रशासन की विशेषता थी - ग्राम प्रशासन की स्वायत्तता

- ★ वह दक्षिण भारतीय राज्य जिसमें उत्तम ग्राम प्रशासन था - चोल

- ★ चोलों के अधीन ग्राम प्रशासन के बहुत से ब्यौरे जिन शिलालेखों में हैं, वे हैं - उत्तर मेस्सर में

- ★ चोल शासकों के शासनकाल में उद्यान प्रशासन का कार्य देखता था - टोट्ट वारियम्

- ★ सही कथन है

- चोलों ने पाण्ड्य तथा चेर शासकों को पराजित कर प्रायद्वीपीय भारत पर प्रारंभिक मध्यकालीन समय में अपना प्रभुत्व स्थापित किया। चोलों ने दक्षिण-पूर्वी एशिया के शैलेंद्र साम्राज्य के विरुद्ध सैन्य घराई की तथा कुछ क्षेत्रों को जीता।

- ★ चोल काल में निर्मित नटराज की कांस्य प्रतिमाओं में देवाकृति प्रायः - चतुर्मुज है

- ★ दक्षिण भारत के विशेषकर चोल युग के स्थापत्यों की विश्व में श्रेष्ठतम प्रतिमा-रचना माना जाता है - नटराज को

- ★ चोल शासकों के समय में बनी हुई प्रतिमाओं में सबसे अधिक विख्यात हुई - नटराज शिव की कांसे की प्रतिमाएं

- ★ शिव की 'दक्षिणामूर्ति' प्रतिमा उन्हें प्रदर्शित करती है - शिक्षक के रूप में

- ★ 72 व्यापारी, चीन में भेजे गए थे - कुलोंगुंग-I के कार्यकाल में

- ★ चोल, चेर, पल्लव एवं राष्ट्रकूट में से दक्षिण भारत का वह राजवंश जो अपनी नैसर्जिक शक्ति के तिए प्रसिद्ध था - चोल

- * चातुर्ख्य चौल, कदंब तथा कल्वुरि राजवंशों में से वह जिसके शासक अपने शासनकाल में ही अपना उत्तराधिकारी घोषित कर देते थे
 - चौल
- * चौल शासकों में जिसने बंगल की खाड़ी को 'चौल झील' का स्वरूप प्रदान कर दिया, वह था
 - राजेंद्र प्रथम
- * 'गौड़चौलयुपरम' की स्थापना की थी
 - राजेंद्र प्रथम ने
- * वह चौल शासक जिसे चौल गंगम नामक वृहद् कृत्रिम झील बनवाने का श्रेय दिया जाता है
 - राजेंद्र प्रथम
- * वह चौल राजा जिसने जल सेना प्रारंभ की थी
 - राजराज प्रथम
- * चौल शासक जिसने श्रीलंका के उत्तरी भाग पर विजय प्राप्त की
 - राजराज प्रथम
- * चौल राजाओं में वह जिसने सीलोन (Ceylon) पर पूर्ण विजय प्राप्त की थी
 - राजेंद्र I
- * वह चौल राजा जिसने श्रीलंका को पूर्ण स्वरंत्रता दी और सिंहल राजकुमार के साथ अपनी पुत्री का विवाह कर दिया था
 - कुलतंतुंग I

* सुमेलित हैं—

- | शब्द | विवरण |
|---|--|
| एरिपति | भूमि, जिससे मिलने वाला राजस्व अलग से ग्राम जलाशय के रख-रखाव के तिए निर्धारित कर दिया जाता था |
| तनियूर | स्थानीय प्रशासन में बड़े नगरों में अलग कुर्म गठित करना। |
| घटिका | प्रावः गदिरों के साथ संबद्ध विद्यालय |
| * प्राचीन भारत का वह महत्वपूर्ण व्यापार केंद्र जो उस व्यापार मार्ग पर था, जो कल्याण को बेंगी से जोड़ता था | — तगर |
| * चातुर्ख्य वंश का सबसे महान शासक था | — पुलकेशिन द्वितीय |
| * चौल, चातुर्ख्य, पात तथा सेन में से वह वंश जिसके द्वारा प्रायः महिलाओं को प्रशासन में उच्च पद प्रदान किए जाते थे | — चातुर्ख्य |
| * चातुर्ख्यों की राजधानी थी | — वातापी में |
| * संस्कृत के कवि और नाटककार कालिदास का उल्लेख हुआ है | — पुलकेशिन II के ऐहोल अवितेख में |
| * प्राचीन संस्कृत ग्रंथों में प्राप्य 'यवनग्रिय' शब्द द्योतक था | — काली मिर्च का |
| * संगम साहित्य में 'तोलकाप्यम्' एक ग्रंथ है | — तमित व्याकरण का |
| * शित्पादिकारम का लेखक था | — इलंगो आडिगल |

* सुमेलित हैं—

- | सूची-I | सूची-II |
|--|---------------------------------|
| तिरुक्कुरल | — दर्शन |
| तोलकाप्यम् | — व्याकरण |
| शित्पादिकारम् | — प्रेम कथा |
| मणिमेकलै | — वणिक कथा |
| * इसा की प्रारंभिक शताब्दियों में भारत तथा रोम के बीच घनिष्ठ व्यापारिक संबंधों की सूचना प्राप्त होती है <ul style="list-style-type: none"> — अरिकामेडु पुरास्थल की खुदाइयों से | |
| * अरिकामेडु, ताप्रलिपि, कोरके तथा बारबेरिकम में से वह बंदरगाह, जो पोडुके नाम से 'दी पेरिप्लस ऑफ दी इरिश्यन सी' के लेखक को ज्ञात था <ul style="list-style-type: none"> — अरिकामेडु | |
| * रोमन बरसी प्राप्त हुई है | — अरिकामेडु से |
| * एम्फोरा जार होता है एक | — लंबा एवं दोनों तरफ हथेदार जार |
| * कदंब, चैर, चौल तथा पाण्ड्य राजवंशों में वह जिनका उल्लेख संगम साहित्य में नहीं हुआ है | — कदंब |
| * चैर, चौल, पल्लव तथा पाण्ड्य में से वह जो तमित देश के संगम युग का राजवंश नहीं था | — पल्लव |
| * धार्मिक कविताओं का संकलन 'कुरल' है | — तमित भाषा में |
| * तमित ग्रंथ जिसे 'लघुवेद' की संज्ञा दी गई है | — कुरल |
| * तमित रामायणम् या रामावतारम् का लेखक था | — कंबन |
| * मध्यकालीन भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में सत्य कथन है <ul style="list-style-type: none"> — तमित क्षेत्र के चिद्ध (सितर) एकश्वरवादी थे तथा मूर्तिपूजा की निंदा करते थे, कल्नङ्क क्षेत्र के लिंगायत पुनर्जन्म के चिद्धांत पर प्रश्न चिन्ह लगाते थे तथा जाति अधिकाम को अस्वीकार करते थे। | |
| * सुमेलित हैं— | |
| सूची-I | सूची-II |
| गुप्त | — देवगढ़ |
| चंदेल | — खजुराहो |
| चातुर्ख्य | — बादामी |
| पल्लव | — पनमलै |
| * चतुर्वेदीमंगलम्, परिषद, अष्टदिग्गज तथा मणिग्रामम् में से वह जो प्राचीन भारत में व्यापारियों का निगम था | — मणिग्रामम् |
| * दक्षिणी भारत का प्रसिद्ध 'तबकोलम का युद्ध' हुआ था | — चौल एवं राष्ट्रकूटों के मध्य |
| * चौल साम्राज्य को अंततः समाप्त किया | — मलिक काफूर ने |

- * संगम गुगा में 'उरैयूर' विख्यात था — सूरी वस्त्र के केंद्र के रूप में
- * पाण्ड्य राज्य की जीवन रेखा थी — बेंगी नदी
- * संगम पत्तन जो पश्चिमी टट पर स्थित थे — नैरा, तोंडी, मुशिरि एवं नेतरेंडा
- * संगम वालीन साहित्य में बोन, बो एवं मन्नन प्रयुक्त होते थे — राजा के लिए
- * तृतीय संगम हुआ था — मदुरई में
- * प्रथम एवं द्वितीय संगम का आयोजन ऋमशः हुआ था — मदुरई एवं कपाटपुरम (अलैवाई) में
- * वह ऋषि जिसके बारे में कहा जाता है कि उन्होंने दक्षिण भारत का आर्यकरण किया, उन्हें आर्य बनाया — अगस्त्य
- * सुमेलित हैं—

सूधी-I	सूधी-II
चानुक्य	बादामी
पल्लव	कांचीपुरम
हर्ष	कन्नौज
पाण्ड्य	मदुरई

- * वह चीनी यात्री जिसने चातुर्थी के शासनकाल में चीन एवं भारत के संबंधों का विवरण दिया है — मात्वालिन
 - * चातुर्थ, राजपूत, गुप्त एवं नौर्य में से वह राजवंश जिसने उत्तर भारत पर शासन नहीं किया है — चालुक्य
 - * कदंब राजाओं की राजधानी थी — वनवासी
 - * दक्षिण भारत का वह वंश जिसके राजा ने रोम राज्य में एक दूत 26 ई.पू. में भेजा था — पाण्ड्य
 - * मीनाक्षी मंदिर स्थित है — मदुरई में
 - * सुमेलित हैं—
- | | |
|------------------|---------|
| मीनाक्षी मंदिर | मदुरई |
| वेंकटेश्वर मंदिर | तिरुमाल |
| महाकाल मंदिर | उज्जैन |
| बेतूर मठ | हावडा |

- * दशकुमारचरितम के रचनाकार थे — दंडिन
- * 'कुमारसंभव' महाकाव्य लिखा — कातिदास ने
- * मातविकानिमित्र, अभिज्ञानशाकुंतलम, कुमारसंभवम तथा जानकीहरण में से वह नाटक जो कातिदास ने नहीं लिखा था — जानकीहरण
- * सुमेलित हैं—

लेखक	पुस्तक
पाणिनि	अष्टाध्यायी
वात्स्यायन	कामसूत्र
चाणक्य	अर्थशास्त्र
कल्हण	राजतरंगिणी

* कल्हण द्वारा रचित राजतरंगिणी संबंधित है — कश्मीर के इतिहास से

- * 'अष्टाध्यायी' लिखी गई है — पाणिनि द्वारा

लेखक	रचनाएं
भारवि	किरातार्जुनीयम्
हर्ष	नागानन्द
कलिदास	मातविकानिमित्रम्
राजशेखर	कर्पूरमंजरी

- * संस्कृत की रचनाएं, जिन्होंने महाभारत से अपना कथासूत्र लिया है — नैषवीयवरित, किरातार्जुनीयम् एवं शिशुपाल वध

सूधी-I	सूधी-II
विशाखदत्त	नाटक
वाराहमिहिर	खगोत विज्ञान
चरक	चिकित्सा
ब्रह्मगुप्त	गणित

- * 'चरक संहिता' नामक पुस्तक संबंधित है — चिकित्सा से

- * वराहमिहिर की पंचसिद्धन्तिका आधारित है — यूनानी ज्योतिर्विद्या पर

सुमेलित हैं—	
कलिदास	रघुवंश
भास	स्वर्णवासवदत्तम्
बाणभट्ट	कांबदरी
हर्ष	रत्नावली

* 'गिलिंदपन्हो' — पाली ग्रंथ है

प्राचीन साहित्य एवं साहित्यकार

- * 'इतिहास के पिता' की पदवी सही अर्थ में संबंधित है — हेरोडोटस से
- * मुद्राराज्य का लेखक है — विशाखदत्त
- * साहित्य की शास्त्रीय पुस्तकें, जो गुप्त काल में लिखी गई थीं — अमरकोश, कामसूत्र, मेघदूत एवं मुद्राराज्य

- * बौद्ध ग्रंथ 'मितिदपन्हो' जिस हिन्द-यवन शासक पर प्रकाश डालता है, वह है— मिंडर
- * 'मितिदपन्हो' राजा मिलिंद तथा एक बौद्ध भिक्षु के मध्य संवाद रूप में है। वह भिक्षु थे— नामाख्यन
- * वह सोता जो प्राचीन भारत के व्यापारिक मार्गों पर मौन है— मितिदपन्हो
- * सुमेलित हैं—

दरवारी कवि	राजा
अमीर खुसरो	— अलाउद्दीन खिलजी
कालिदास	— चंद्रगुप्त द्वितीय
हरिषण	— समुद्रगुप्त
बाणभट्ट	— हर्षवर्द्धन
- * 'राजतरंगिणी' के लेखक कल्हण के समय शासक था— जयसिंह
- * कल्हण कृत राजतरंगिणी में कुल तरंग हैं— आठ
- * कल्हण की राजतरंगिणी को आगे बढ़ाया— जोनराज एवं श्रीवर ने
- * 'सौंदरानंद' रचना है— अश्वघोष की
- * 'नामानंद', 'रत्नावती' एवं 'प्रियदर्शिका' के लेखक थे— हर्षवर्धन
- * अमरकोश, सिद्धांतशिरोमणि, वृहत्संहिता तथा अष्टांगहृदय में से वह जो विश्वकोशीय ग्रंथ है— वृहत्संहिता
- * सुमेलित हैं—

मृच्छकटिकम	शूद्र क
बुद्धचरित	— अश्वघोष
मुद्राराक्षस	— विशाखदत्त
हर्षचरित	— बाणभट्ट
- * सुमेलित हैं—

ग्रंथकार	मूलग्रंथ
वाराहमिहिर	— वृहत्संहिता
विशाखदत्त	— देवीब्रंदगुप्तम्
शूद्र क	— मृच्छकटिकम्
बिल्हण	— विक्रमांकदेवचरित
- * सुमेलित हैं—

कर्पूरमंजरी	राजशेखर
मालविकानिमित्र	— कालिदास
मुद्राराक्षस	— विशाखदत्त
सौंदरानंद	— अश्वघोष
- * 'शाकुंतलम्' लिखा है— कालिदास ने
- * मृच्छकटिकम, मेघदूतम, ऋतुसंहार एवं विक्रमोर्वशीयम में से कलिदास की साहित्यिक कृति नहीं है— मृच्छकटिकम
- * कलिदास द्वारा रचित 'मालविकानिमित्र' नाटक का नायक था— अनिमित्र
- * वह पुस्तक जिसमें शुंग राजवंश के संस्थापक के पुत्र की प्रेम कहानी है— मालविकानिमित्र
- * 'स्वजनवासवदत्ता' के लेखक हैं— भारत
- * गीत गोविंद के रचयिता जयदेव अतंकृत करते थे— लक्ष्मणसेन की समा को
- * सुमेलित हैं—

रचनाएं	विषय
अष्टांग-संग्रह	— आयुर्विज्ञान
दशरथपक	— नाट्यकला
लीलावती	— गणित
महाभाग्य	— व्याकरण
- * 'तुम्हारा अधिकार कर्म पर है, फत की प्राप्ति पर नहीं', वह वास्य जिस ग्रंथ का है, वह है— गीता
- * 'जो यहां है वह अन्यत्र भी है, जो यहां नहीं है वह कहीं नहीं है' यह कहा गया है— महाभारत में
- * प्राचीन भारत का वह ग्रंथ जिसका 15 भारतीय एवं चातीस विदेशी भाषाओं में अनुवाद हुआ— पंचतंत्र
- * 'पंचतंत्र' मूल रूप से लिखी गई— विष्णु शर्मा द्वारा
- * सुमेलित हैं—

लेखक	ग्रंथ
सर्ववर्मा	— कातंत्र
शूद्रक	— मृच्छकटिकम्
विज्ञानेश्वर	— मिताक्षरा
कल्हण	— राजतरंगिणी
- * आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त, भास्कर तथा लल्ल में से वह जो वीजगणित के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए विशेष रूप से जाना जाता है— भास्कर
- * गणित की पुस्तक 'लीलावती' के लेखक थे— भास्कराचार्य
- * आर्यभट्ट थे— भारतीय गणितज्ञ एवं खगोत्साहनी
- * वह भारतीय गणितज्ञ जिसने दशमलव के रथानिक मान की खोज की थी— आर्यभट्ट ने
- * 'मत विलास प्रहसन' का लेखक था— महेंद्र वर्मन
- * 'मनुसृति' मुख्यतया संबंधित है— समाज-व्यवस्था से

* भारत का प्रथम विधिनिर्गता माना जाता है

* शून्य का आविष्कार किया था

— किसी अज्ञात भारतीय ने

* सुमेलित हैं—

लाइफ ऑफ हवेन सियांग : हुइ-ली

द नैचुरल हिस्ट्री : प्लिनी

हिस्टोरियल फिलिपिकल : पाम्पेइस ट्रोगस

द हिस्टरीज़ : हेरोडोटस

* सिरार, वीणा, सरोद तथा तबला में से सबसे प्राचीन वाद्य यंत्र है

— यीणा

* मनु को

* अपने पिता के अभियानों के द्वाम में सैनिक छावनी में पैदा हुआ था

— अमोघवर्ष राष्ट्रकूट

* महानरम प्रतिहार राजा था

* महान जैन विद्वान हेमचंद्र, अतंकृत करते थे— कुमारपाल की समा को

* धर्मपाल, देवपाल, विजयसेन तथा लक्ष्मणसेन में से वह जिसे एक नया संवत् चलाने का यश प्राप्त है

* लक्ष्मण संवत् का प्रारंभ किया गया था

* मध्यकालीन भारत के प्रसिद्ध विधिवेता थे

— विज्ञानेश्वर, हिमाद्रि एवं जीमूतवाहन

* महान संस्कृत कवि एवं नाटककार राजशेखर संबंधित थे

— महेन्द्रपाल प्रथम के दरवार से

* सुमेलित हैं—

सूर्यी-I

प्रतिहार

चोल

परमार

सोलंकी

सूर्यी-II

कन्नौज

तंजौर

धारा

अहिलवाड़

* गुर्जर-प्रतिहार वंश की स्थापना की थी — नागभट्ट प्रथम

* प्रतिहार, पाल, राष्ट्रकूट तथा चोल में से वह जो त्रिकोणालक संघर्ष का हिस्सा नहीं था — चोल

* महोदय पुराना नाम है

* 'नगर महोदय श्री' के नाम से जाना जाता था — कन्नौज का

* चारुंडराय, जयसिंह सिद्धराज, कुमारपाल तथा महिपात देव में से वह जिसने खंभात में तोड़ी गई मस्तिष्क के पुनर्निर्माण के तिये आर्थिक सहायता प्रदान की थी — जयसिंह सिद्धराज

* राजा भोज ने शासन किया

— धार पर

* 'भोजशाता मंदिर' की अधिष्ठात्री देवी हैं

— भगवती सरस्वती

* गौडवहो के रचयिता थे

— वाक्पति

* सुमेलित हैं—

प्रसिद्ध स्थान

बोधगया

खजुराहो

शिरडी

नासिक

तिरुपति

क्षेत्र

बिहार

बुद्धेलखंड

अहमदनगर, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र

रायत सीमा (आंध्र प्रदेश)

* मध्यकालीन भारत के आर्थिक इतिहास के संदर्भ में शब्द 'अरघट्टा' (Araghatta) निरूपित करता है

— भूमि की सिंचाई के लिए प्रयुक्त जलवक्त्र (वाटर फ्लैट) को

पूर्व मध्यकाल (800-1200 ई.)

* 'पृथ्वीराज चौहान' के नाम से प्रसिद्ध हैं — पृथ्वीराज तृतीय

* ताम्रपत्र लेख दर्शाते हैं कि प्राचीन काल में बिहार के राजाओं का संपर्क था — जाया-सुमात्रा से

* गोविंदचंद्र गहड़वाल की एक रानी कुमारदेवी ने धर्मचक्रनिंजन विहार बनवाया था — सारनाथ में

* हमीर महाकाव्य में चौहानों को बताया गया है — सूर्योदासी

* आल्हा-ऊदल संबंधित थे — महोदय से

* 'पृथ्वीराज रासो' के लेखक हैं — चंद्रबरदाई

* 'पृथ्वीराज विजय' के लेखक हैं — जयानक

* सुमेलित हैं—

सारंगदेव - हमीर रासो

चंद्रबरदाई - पृथ्वीराज रासो

जगनिक - आल्हाखंड

नरपति नाल्ह - बीसलदेव रासो

* राजपूत वंशों में से वह जिसने, आठवीं शताब्दी में, दिलिका (देहली) शहर की स्थापना की थी — तोमर वंश

* जेजाकभुकि प्राचीन नाम था — बुंदेलखंड का

* पुंछर्वर्धन भुक्ति अवस्थित थी — उत्तर बंगाल में

* पाल वंश का संस्थापक था — गोपाल

* सोमपुर महाविहार का निर्माण कराया था — धर्मपाल ने

* उस पाल शासक का नाम बताइए जिसने विक्रमशिला विश्वविद्यालय स्थापित किया — धर्मपाल

* विक्रमशिला विश्वविद्यालय अवस्थित था — विहार में

* राष्ट्रकूट साम्राज्य की नींव रखी — दंतिरुग्न ने

* 'हिरण्य-नर्भ' धार्मिक कार्य कराया था — दंतिरुग्न ने

मध्यकालीन भारतीय इतिहास

भारत पर मुस्लिम आक्रमण

- * पैंगावर हजरत मोहम्मद का जन्म हुआ था — 570 ई. में
- * मोहम्मद साहब की मृत्यु हुई थी — 632 ई. में
- * नवका है — सऊदी अरब में
- * हिंद (भारत) की जनता के संदर्भ में 'हिंदू' शब्द का प्रथम बार प्रयोग किया था — अरबों ने
- * भारत पर पहला मुस्लिम आक्रमण हुआ — 711 ई. में
- * मुहम्मद बिन कासिम द्वारा सिंध की विजय हुई — 712 ई. में
- * भारत में प्रथम मुस्लिम आक्रमणकारी था — मुहम्मद बिन कासिम
- * भारत पर सर्वप्रथम मुस्लिम आक्रमणकारी थे — अरब के
- * गजनी राजवंश का संस्थापक था — अल्पतरीन
- * चंदेल शासक महमूद गजनवी से पराजित नहीं हुआ था — विद्यावर

- * कथन (A) : महमूद गजनवी ने भारत पर 17 बार आक्रमण किए। कारण (R) : वह भारत में स्थायी मुस्लिम शासन की स्थापना करना चाहता था — (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
- * महमूद गजनवी का दरबारी इतिहासकार था — उत्ती
- * शाहनामा का लेखक, फिरदौसी संबंधित था — महमूद गजनवी के दरबार से
- * महमूद गजनवी के साथ भारत आने वाला प्रसिद्ध इतिहासकार एवं मुस्लिम विद्वान था — अलबर्लनी
- * अलबर्लनी भारत में आया था — ग्यारहवीं शताब्दी ई. में
- * अलबर्लनी के संबंध में सत्य कथन हैं — वह एक धर्मनिरपेक्ष लेखक नहीं था उसका ग्रंथ उस समय के जीवंत भारत से प्रभावित था वह संस्कृत का विद्वान था वह त्रिकोणमिति का विशेषज्ञ था
- * पुराणों का अध्ययन करने वाला प्रथम मुसलमान था — अलबर्लनी
- * एक तरफ संस्कृत मुद्रालेख के साथ चांदी के सिक्के निर्गत किए — महमूद गजनवी ने
- * मध्य एशिया का शासक, जिसने 1192 में उत्तर भारत को जीता — शिहुबुद्दीन मुहम्मद गोरी

- * मुहम्मद गोरी को सर्वप्रथम पराजित किया — भीम द्वितीय अथवा मूल राज द्वितीय ने
- * मुहम्मद गोरी ने जयचंद को पराजित किया था — चंदावर के युद्ध (1194 ई.) में
- * वह युद्ध जिसमें भारत में मुस्लिम शक्ति की स्थापना हुई — तराइन का द्वितीय युद्ध
- * भारत पर आक्रमण करने वाले व्यक्तियों का सही क्रम है — महमूद गजनवी, मोहम्मद गोरी, चंगेज खां, तैमूर
- * वह मुस्लिम शासक, जिसके सिक्कों पर देवी लक्ष्मी की आकृति बनी है — मुहम्मद गोरी
- * भारत में मुहम्मद गोरी ने प्रथम अक्ता प्रदान किया था — कुतुबुद्दीन ऐबक को
- * मुहम्मद गोरी, जिसने बंगाल एवं बिहार पर विजय प्राप्त की, था — बख्तियार खितजी का दास

दिल्ली सल्तनत : गुलाम वंश

- * गुलाम वंश का संस्थापक था — कुतुबुद्दीन ऐबक
- * दिल्ली सल्तनत का सुल्तान जो 'ताख बख्त' के नाम से जाना जाता है — कुतुबुद्दीन ऐबक
- * कुतुबुद्दीन ऐबक द्वारा बनवाया गया 'ढाई दिन का झोपड़ा' है — एक मरिजद
- * प्रसिद्ध कुतुबमीनार के निर्माण में योगदान दिया — कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश एवं फिरोजशाह तुगलक ने
- * कुतुबुद्दीन ऐबक की राजधानी थी — लाहौर
- * सुल्तान कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु हुई — चौगान की ब्रीड़ा के दौरान अश्व से गिरने के पश्चात
- * दिल्ली को सल्तनत की राजधानी के रूप में स्थापित किया था — इल्तुतमिश ने
- * दिल्ली का वह प्रथम सुल्तान, जिसने नियमित सिक्के जारी किए तथा दिल्ली को अपने साग्राम्य की राजधानी घोषित किया — इल्तुतमिश
- * दिल्ली का प्रथम मुस्लिम शासक — इल्तुतमिश
- * 'गुलाम का गुलाम' कहा गया था — इल्तुतमिश को
- * मध्यकालीन भारत की प्रथम महिला शासिका — रजिया सुल्तान

- * मंगोत आङ्गमणकारी चंगेज खां भारत की उत्तर-पश्चिम सीमा पर आया था — इल्तुतमिश के काल में
- * मंगोत प्रथम बार सिंधु के तट पर देखे गए — इल्तुतमिश के शासनकाल में
- * चंगेज खान का मूल नाम था — तेमुचिन
- * इल्तुतमिश ने विहार में अपना प्रथम सूबेदार नियुक्त किया था — मलिक जानी को
- * रजिया बेगम को सत्ताच्युत करने में हाथ था — तुर्की का
- * दिल्ली के सुल्तान बलबन का पूरा नाम था — गयासुदीन बलबन
- * दिल्ली का वह सुल्तान जिसके विषय में कहा गया है कि उसने "रक्त और लौह" की नीति अपनाई थी — बलबन
- * कथन (A) : बलबन ने अपने शासन को शत्तिशासी बनाया और सारी सत्ता अपने हाथ में केंद्रित कर ली।
कारण (B) : वह उत्तर-पश्चिम सीमा को मंगोत आङ्गमण से सुरक्षित करना चाहता था।
— (A) और (R) दोनों सही हैं, किंतु (A) की सम्पूर्णता व्याख्या (R) नहीं है।
- * अपनी शक्ति को समेकित करने के बाद बलबन ने धारण की — जिल्ले-इलाही की उपाधि
- * भारत में प्रसिद्ध फारसी त्यौहार 'नौरोज' को आरंभ करवाया — बलबन ने
- * बलबन के संदर्भ में सत्य कथन है
— उसने नियामत-ए-खुदाई के चिह्नांत का प्रतिपादन किया था
उसने तुर्कन-ए-वहलगानी का प्रभाव समाप्त किया था
उसने बंगल के विद्रोह का दमन किया था
नासिरुद्दीन महमूद ने उसे उत्तुग खां की उपाधि दी थी।
- * गढ़मुक्तेश्वर की मस्जिद की दीवारों पर अपने शिलालेख में स्वयं को 'खलीफा का सहायक' कहा है — बलबन ने

खिलजी वंश

- * "जब उसने राजत्व (Kingship) प्राप्त किया, तो वह शरियत के नियमों और आदेशों से पूर्णतया स्वतंत्र था।" वरनी ने यह कथन जिस सुल्तान के तिए कहा, वह है — अलाउद्दीन खिलजी
- * वह सुल्तान जो नया धर्म चलाना चाहता था, किंतु उसेमा लोगों ने विरोध किया — अलाउद्दीन खिलजी
- * दिल्ली का सुल्तान जिसने 'सिकंदर सानी' की मानोपाधि धारण की थी — अलाउद्दीन खिलजी
- * अलाउद्दीन खिलजी का प्रथम सुल्तान था — अलाउद्दीन खिलजी

अतिरिक्तांक

- * रानी पद्मिनी का नाम अलाउद्दीन की दित्तौड़ विजय से जोड़ा जाता है।
उनके पति का नाम है — राणा रत्न सिंह
- * कथन (A) : अलाउद्दीन के दक्षिणी अभियान धन-प्राप्ति के अभियान थे।
कारण (R) : यह दक्षिणी राज्यों को कब्जे में करना चाहता था।
— A सही है, परंतु R गलत है।
- * अलाउद्दीन खिलजी के आङ्गमण के समय देवगिरि का शासक था — रामचंद्र देव
- * वह सुल्तान जिसके काल में खालिसा भूमि अधिक पैमाने में विकसित हुई — अलाउद्दीन खिलजी
- * वह सुल्तान जिसके बारे में कहा जाता है कि उसने भूमि-कर को उत्पादन के 50% तक कर दिया था — अलाउद्दीन खिलजी
- * अलाउद्दीन खिलजी के संबंध में सही कथन है—
 - (i) उसने कृष्ण जमीनों की पैमाइश के बाद जमीन की मालगुजारी वसूल की।
 - (ii) उसने प्रांतों के गवर्नरों के अधिकारों को समाप्त किया।
- * कथन (A) : अलाउद्दीन खिलजी ने दिल्ली में मूल्य नियंत्रण लागू किया था।
कारण (R) : वह दिल्ली में अपने राज भवन के निर्माण में लगे हुए कारीगरों को कम वेतन देना चाहता था।
— (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
- * वह सुल्तान जिसने 'बाजार सुधार' लागू किए थे — अलाउद्दीन खिलजी
- * मूल्य नियंत्रण पद्धति को पहली बार लागू किया — अलाउद्दीन खिलजी ने
- * बाजार नियंत्रण प्रथा लागू की थी — अलाउद्दीन खिलजी ने
- * मध्यकालीन शासक जिसने 'सार्वजनिक वितरण प्रणाली' प्रारंभ की थी — अलाउद्दीन खिलजी
- * 'घरी' अथवा गृहकर लगाने वाला दिल्ली का प्रथम सुल्तान था — अलाउद्दीन खिलजी
- * 1306 ई. के बाद अलाउद्दीन खिलजी के समय में दिल्ली के सुल्तान तथा मंगोतों के बीच सीमा थी — सिंधु नदी

तुगलक वंश

- * अलाउद्दीन खिलजी का वह सेनाध्यक्ष जो तुगलक वंश का प्रथम सुल्तान बना — गानी मलिक
- * सबसे अधिक समय तक देश में राज्य किया — तुगलक वंश के सुल्तानों ने
- * दिल्ली सल्तनत का सर्वाधिक विद्वान शासक जो खगोतशास्त्र, गणित एवं आयुर्विज्ञान सहित अनेक विद्याओं में महिर था — मुहम्मद बिन तुगलक

- * दीवान-ए-'अमीर-ए-कोही' एक नया विभाग जिस सुल्तान द्वारा शुरू किया गया था, वह है — मुहम्मद बिन तुगलक
- * दिल्ली का सुल्तान जिसने एक पृथक् कृषि विभाग की स्थापना की एवं फसल चक्र की योजना बनाई थी — मुहम्मद बिन तुगलक
- * मुहम्मद बिन तुगलक अपनी राजधानी दिल्ली से ले गया — दौलताबाद
- * भारत में सर्वप्रथम सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन किया था — मुहम्मद बिन तुगलक ने
- * कथन (A) : मुहम्मद बिन तुगलक ने एक नया स्वर्ण सिक्का जारी किया जो इनवतूला द्वारा दीनार कहलाया गया। कारण (R) : मुहम्मद बिन तुगलक पश्चिम एशियाई तथा उत्तरी अफ्रीकी देशों के साथ व्यापार में अभिवृद्धि के लिए स्वर्ण सिक्कों की टोकन मुद्रा जारी करना चाहता था। — A सही है, परंतु R गलत है।
- * कथन (A) : मुहम्मद तुगलक की प्रतीक मुद्रा योजना असफल रिहाई। कारण (R) : मुहम्मद तुगलक का मुद्रा निर्भयन पर उचित नियंत्रण नहीं था। — A और R दोनों सही हैं और R सही व्याख्या है A की।
- * मूर देश का यात्री इनवतूला भारत आया — मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल में
- * सल्तनतकाल में डाक व्यवस्था का विस्तृत विवरण दिया है — इनवतूला ने
- * होली त्यौहार के सार्वजनिक उत्सव में भाग लेने वाला दिल्ली का प्रथम सुल्तान — मुहम्मद बिन तुगलक
- * वह शासक जिसकी मृत्यु पर इतिहासकार बदायूँनी ने कहा था कि "सुल्तान को अपनी प्रजा से और प्रजा को सुल्तान से मुक्ति मिल गई" — मुहम्मद बिन तुगलक
- * वह सुल्तान जिसने बेरोजगारों को रोजगार दिलवाया — फिरोज तुगलक
- * दिल्ली का वह सुल्तान जिसने बेरोजगारों के सहायतार्थ, 'रोजगार कार्यालय' की स्थापना की थी — फिरोजशाह तुगलक
- * दिल्ली का सुल्तान जो दान-दक्षिणा के बारे में काफी ध्यान रखता था और इसके लिए एक विभाग 'दीवन-ए-खैरात' स्थापित किया — फिरोज तुगलक
- * वह सुल्तान जिसके दरबार में सबसे अधिक गुलाम थे — फिरोज तुगलक
- * मध्यकालीन भारतीय राजाओं के संदर्भ में सही कथन हैं — बलबन ने पहले एक अलग आरिज विभाग स्थापित किया। अलाउद्दीन ने अपनी सेना के घोड़ों को दागने की पद्धति शुरू की। मुहम्मद बिन तुगलक के बाद दिल्ली की गदी पर उसका चैयरा भई बैठा। फिरोज तुगलक ने गुलामों का एक अलग विभाग स्थापित किया।
- * सर्वप्रथम लोक निर्माण विभाग की स्थापना की थी — फिरोजशाह तुगलक ने
- * दिल्ली का वह सुल्तान जो भारत में नहरों के सबसे बड़े जाल का निर्माण करने के लिए प्रसिद्ध है — फिरोजशाह तुगलक
- * 'हक्क-ए-शर्व' अथवा सिंचाई कर लगाने वाला दिल्ली का प्रथम सुल्तान — फिरोज तुगलक
- * दिल्ली का सुल्तान जिसने ब्राह्मणों पर भी जजिया लगाया था — फिरोज तुगलक
- * मुहम्मद बिन तुगलक, फिरोज तुगलक, सिंकंदर लोदी तथा शेरशाह सूरी में से वह सुल्तान जिसने फलों की गुणवत्ता सुधारने के लिए उपाय किए — फिरोज तुगलक
- * टोपरा तथा मेरठ से दो अशोक स्तंभ लेख दिल्ली लाया था — फिरोजशाह तुगलक
- * दिल्ली का वह सुल्तान जिसने इस उद्देश्य से एक 'अनुवाद विभाग' की स्थापना की, कि उससे दोनों संप्रदायों के लोगों में एक-दूसरे के विचारों की समझ बेहतर हो सके — फिरोज तुगलक
- * राज्य के खर्च पर हज की व्यवस्था करने वाला पहला भारतीय शासक — फिरोज तुगलक
- * फिरोज तुगलक द्वारा स्थापित 'दार-उल-शफा' था — एक खैराती अस्पताल
- * दिल्ली सल्तनत के तुगलक राजवंश का अंतिम शासक था — नासिर-उद्दीन महमूद
- * वह शासक जिसके शासनकाल में तैमूर ने भारत पर आक्रमण किया — नासिरुद्दीन महमूद
- * तैमूर लंग ने भारत पर आक्रमण किया — 1398 ई. में
- * तैमूर के आक्रमण के बाद भारत में राज स्थापित हुआ — शैयद वंश का

लोदी वंश

- * खितजी, तुगलक, सैयद तथा लोदी शासकों में से अफगान मूल के थे — लोदी शासक
- * दिल्ली की राजगदी पर अफगान शासकों का सही क्रम है — बहलोत खान लोदी (1451-1489 ई.), सिंकंदर लोदी (1489-1517 ई.), इब्राहिम लोदी (1517-1526 ई.)
- * महाराणा सांगा ने इब्राहिम लोदी को परास्त किया था — खातोली के युद्ध में
- * वह मध्ययुगीन सुल्तान जिसे आगरा शहर की नीम डालने एवं उसे सल्तनत की राजधानी बनाने का श्रेय जाता है — सिंकंदर लोदी

- * 'गुलखी' उपनाम से अपनी कविताओं की रचना की
 - सिंकंदर लोदी ने
- * अन्न के ऊपर कर समाप्त करने के लिए जाना जाता है
 - सिंकंदर लोदी
- * दिल्ली पर शासन करने वाले वंशों का सही ऋण है
 - गुलाम वंश, खिलजी वंश, तुगलक वंश, सैयद वंश एवं लोदी
- * बलबन, इल्तुतमिश, कुतुबुद्दीन ऐवं तथा इब्राहिम लोदी में से वह शासक जो गुलाम वंश का नहीं था
 - इब्राहिम लोदी

विजयनगर साम्राज्य

- * विजयनगर राज्य की स्थापना की थी
 - हरिहर और बुक्का ने
- * अपनी 'मदुरा विजय' कृति में अपने पति के विजय अभियानों का वर्णन करने वाली कवियत्री थी
 - गंगादेवी
- * विजयनगर का वह पहला शासक, जिसने बहमनियों से गोवा को छीना
 - हरिहर II
- * सही कथन है—
 1. नरसिंह सातुवा ने संगम वंश का अंत किया और उसने राजसिंहासन छीन कर सातुवा वंश आरंभ किया।
 2. वीर नरसिंह ने अंतिम सातुवा शासक को गढ़ी से उतारकर राजसिंहासन छीना।
 3. वीर नरसिंह के उत्तरवर्ती उनके अनुज कृष्णदेव राय थे।
 4. कृष्णदेव राय के उत्तरवर्ती उनके अर्द्ध-भाई अव्युतदेव राय थे।
- * विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय ने गोतकुंडा का युद्ध जिस राजा के साथ लड़ा था, वह है
 - कुती कुतुबशाह
- * कृष्णदेव राय के दरबार में 'आट दिग्गज' थे
 - आठ तेलुगू कवि
- * कृष्णदेव राय, राजेंद्र चौल, हरिहर तथा बुक्का में से वह, जिसे 'आंध्र भोज' भी कहा जाता है
 - कृष्णदेव राय
- * प्रसिद्ध विजयनगर शासक कृष्णदेव राय के अधीन स्वर्णयुग था?
 - तेलुगू साहित्य का
- * कृष्णदेव राय ने स्थापना की
 - नागलापुर नगर की
- * विजयनगर का प्रसिद्ध हजारा मंदिर निर्मित हुआ था
 - कृष्णदेव राय के शासनकाल में
- * अब्दुल रज्जाक विजयनगर आया था
 - देवराय-II के राजकाल में
- * निकोलो कोंटी था
 - इटली का एक यात्री, जिसने देवराय प्रथम के समय विजयनगर साम्राज्य की यात्रा की
- * वैदिक ग्रंथों के भाष्यकार सायण को अश्रय प्राप्त था
 - विजयनगर राजाओं का

- * 1565 में प्रसिद्ध युद्ध हुआ था
 - तालीकोटा का युद्ध
- * तालीकोटा का युद्ध लड़ा गया था
 - विजयनगर और बीजापुर, अहमदनगर तथा गोतकुंडा की संयुक्त सेनाओं के द्वाय
- * जब राजा बोडियार ने मैसूर राज्य की स्थापना की, तब विजयनगर साम्राज्य का शासक था
 - वेंकट II
- * विजयनगर साम्राज्य की 'स्तीय व्यवस्था' की मुख्य विशेषता थी
 - भूराजस्य
- * विजयनगर के शासक कृष्णदेव की कराधान व्यवस्था से संबंधित सही कथन है
 - भूमि की गुणवत्ता के आधार पर भू-राजस्य की दर नियत होती थी। कारखानों के नियी स्वामी एक औद्योगिक कर देते थे।
- * वह स्थान जहां के खंडहर विजयनगर की प्राचीन राजधानी का प्रतिनिधित्व करते हैं
 - हम्पी
- * विजयनगर का शासक जिसने चीन के साम्राट के पास अपना राजदूत भेजा
 - बुक्का प्रथम
- * प्रसिद्ध विजय विट्ठल मंदिर जिसके 56 तकियां संगीतमय स्वर निकालते हैं, अवस्थित है
 - हम्पी में

दिल्ली सल्तनत : प्रशासन

- * इतिहासकार बरनी ने दिल्ली के सुल्तानों के अधीन भारत में शासन को वास्तव में इस्लामी नहीं माना, क्योंकि
 - अधिकार आवादी इस्लाम का अनुसारण नहीं करती थी
- * सल्तनत काल के अधिकांश अमीर एवं सुल्तान थे
 - तुर्क दर्ग के
- * सुमेलित हैं—

दीवान-ए-बंदगान	-	फिरोज तुगलक
दीवान-ए-मुस्तखराज	-	अलाउद्दीन
दीवान-ए-कोही	-	मुहम्मद तुगलक
दीवान-ए-अर्ज	-	बलबन
- * सुमेलित हैं—

दीवान-ए-मुस्तखराज	-	अलाउद्दीन खिलजी (राजस्य विभाग)
दीवान-ए-अमीरकोही	-	मुहम्मद बिन तुगलक (कृषि विभाग)
दीवान-ए-खैरात	-	फिरोज तुगलक (दान विभाग)
दीवान-ए-रियासत	-	अलाउद्दीन खिलजी (बाजार नियंत्रण विभाग)

- * सुमेलित हैं –
 - दीवाने अर्ज – सेना विभाग से संबंधित
 - दीवाने रिसालत – धार्मिक मुद्दों से संबंधित
 - दीवाने इन्शा – सरकारी पत्रव्यवहार से संबंधित
 - दीवाने बज़ारत – वित्तीय मामलात से संबंधित
- * वह राजवंश जिसके अंतर्गत विजारत का चरमोत्कर्ष हुआ
 - तुगलक राजवंश
- * भूमि-उत्पाद पर लगने वाले कर को इमिट करता है
 - खराज, उत्र एवं मुक्तई
- * भारत का मध्यकालीन शासक जिसने 'इक्ता व्यवस्था' प्रारंभ की थी
 - इल्तुतमिश्श
- * सल्तनत काल में भू-राजस्व का सर्वोच्च ग्रामीण अधिकारी था
 - चौधरी
- * 'शर्व' कर लगाया जाता था
 - सिंचाइ पर
- * जवाबित का संबंध था
 - राज्य कानून से
- * हदीस है एक
 - इस्लामिक कानून
- * सल्तनत काल में 'फवाज़िल' का अर्थ था – इक्तादारों द्वारा सरकारी खजाने में जमा की जाने वाली अतिरिक्त राशि
- * सल्तनत काल की दो प्रमुख मुद्राएँ हैं
 - जीतल एवं टंका
- * 'टंका' (Tanka) नामक चांदी का सिक्का चलाया था
 - इल्तुतमिश्श ने
- * सल्तनत काल के सिक्के-टंका, शशगनी एवं जीतल थे
 - चांदी तथा तांबा के
- * बगदाद के अंतिम खलीफा का नाम सर्वप्रथम अकित हुआ
 - अलाउद्दीन मसूद शाह के सिक्कों पर

दिल्ली सल्तनत : कला एवं स्थापत्य

- * 'अलाई दरवाजा' का निर्माण करवाया
 - अलाउद्दीन खिलजी ने
- * कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश्श, अलाउद्दीन खिलजी तथा फिरोजशाह तुगलक में से वह, जिसने कुतुबमीनार के निर्माण में योगदान नहीं दिया
 - अलाउद्दीन खिलजी
- * वह सुल्तान जिसने कुतुबमीनार की पांचवीं मंजिल का निर्माण कराया
 - फिरोजशाह तुगलक
- * भारत में प्रथम मकबरा जो शुद्ध इस्लामी शैली में निर्मित हुआ था
 - बलबन का मकबरा

- * स्थापत्य एवं नगरों के निर्माण का सही कालक्रम है
 - कुतुबमीनार, तुगलकाबाद, लोदी गार्डन, पश्चेहपुर सीकरी
- * 'कीर्ति स्तंभ प्रशस्ति' के रचयिता थे
 - अमिकवि
- * चितौड़ का 'कीर्ति स्तंभ' निर्मित हुआ था
 - राणा कुंभा के शासनकाल में
- * सुमेलित हैं –

स्थल	स्थापत्य
दिल्ली	कुब्बत-अल-इस्लाम
जैनपुर	अटाला मरिजद
मालवा	जहाज महल
गुलारा	जामा मरिजद
- * सुमेलित हैं –

वास्तु शैली	संबद्ध राजवंश
मेहराब की निचती सतह पर कमलकाति की झातर	खिलजी
अष्टमुजीय मकबरों का उदय	तुगलक
स्तम्भों में बोदिगोई का प्रयोग	विजयनगर
झुकी हुई दीवारों के साथ विशाल मुख्य द्वार	शर्की

दिल्ली सल्तनत : साहित्य

- * 'किताब-उल-हिंद' रचना के प्रसिद्ध लेखक का नाम था
 - अलबरसनी
- * 'तूटी-ए-हिंद' अमीर खुसरो का जन्म हुआ था
 - कासगंज के पटियाली में
- * स्वयं को 'हिन्दोस्तान का तोता' कहा
 - अमीर खुसरो ने
- * अमीर खुसरो ने अग्रगामी की भूमिका निर्माइ
 - खड़ी बोली के विकास में
- * दिल्ली के सात सुल्तानों का शासनकाल देखा था
 - अमीर खुसरो एवं शेख निजामुद्दीन औलिया ने
- * प्रसिद्ध कवि अमीर खुसरो दरबार में रहे
 - अलाउद्दीन खिलजी के
- * अमीर खुसरो एक थे।
 - कवि, इतिहासकार एवं संगीतज्ञ
- * नवी फारसी काव्य-शैली 'सवक-ए-हिंदी' अथवा हिंदुस्तानी शैली के जन्मदाता थे
 - अमीर खुसरो
- * अमीर खुसरो, मतिक मुहम्मद जायसी, कबीर तथा अब्दुल रहीम खान-ए-खानों में से वह, जिन्हें 'हिंदी खड़ी बोली का जनक' माना जाता है
 - अमीर खुसरो
- * हिंदी और फारसी दोनों भाषाओं का विद्वान था
 - अमीर खुसरो

*** सही कथन है**

- हिंदू देवी-देवताओं तथा मुस्लिम संतों की प्रशंसा में रचित गीतों का संग्रह किताब-ए-नौरस इब्राहिम आदिल शाह II द्वारा लिखा गया था। भारत में कव्याली से जानी जाने वाली संगीत शैली के प्रारंभिक रूप के आरंभकर्ता अमीर खुसरो थे।
- * 'तबकात-ए-नसिरी' का लेखक था — मिनहाज-उस-सिराज
- * अरबी, फारसी, तुर्की एवं उर्दू भाषाओं में से वह भाषा जिसे दिल्ली सुल्तानों ने संरक्षण प्रदान किया — फारसी
- * 'अपघंश' शब्द का प्रयोग मध्यकालीन संस्कृत ग्रंथों में होता था
 - कुछ आधुनिक भारतीय भाषाओं के आरंभिक रूपों को इंगित करने के लिए

*** सुमेलित हैं—**

सूची-I

जियाउद्दीन बरनी	-	तारीख-ए-फिरोजशाही
हसन निजामी	-	ताजुल मसिर
मिनहाज-उस-सिराज	-	तबकात-ए-नसिरी
याहिया-बिन-अहमद	-	तारीख-ए-मुबारकशाही

सूची-II

जियाउद्दीन बरनी	-	तारीख-ए-फिरोजशाही
हसन निजामी	-	ताजुल मसिर
मिनहाज-उस-सिराज	-	तबकात-ए-नसिरी
याहिया-बिन-अहमद	-	तारीख-ए-मुबारकशाही
* सुमेलित हैं—		
तारीख-ए-हिंद	-	अलबर्नी
तारीख-ए-दिल्ली	-	खुसरो
रेहला	-	इब्नबूत्ता
तबकात-ए- नसिरी	-	मिनहाज

- * वीणा, ढोलक, सारंगी तथा सितार में से वह संगीत वाव, जिसे हिंदू-मुस्लिम गान्वाद्यों का सबसे श्रेष्ठ मिश्रण माना गया है — सितार
- * संगीत यंत्र 'तबला' का प्रचलन किया — अमीर खुसरो ने
- * जयचंद्र गहड़वाल, पृथ्वीराज चौहान, राणा कुंभा तथा मानसिंह में से वह राजपूत राजा जो संगीत पर एक पुस्तक के लेखक के रूप में जाना जाता है — राणा कुंभा

*** सुमेलित हैं—**

नाम	प्रथा (संगीत)
राणा कुंभा	— संगीतराज
काशीनाथ शास्त्री अप्पा तु भाषी	— रागचंद्रिका
पुंडरीक विठ्ठल	— रागमाला
कृष्णानंद व्यास	— राग कल्पद्रुम
* दिल्ली का वह सुल्तान जिसने अपना संस्मरण लिखा था	— फिरोज तुगलक

दिल्ली सुल्तनत : विविध

- * भारत में पोलो खेल का प्रचलन किया — तुर्कों ने
- * सुमेलित हैं—

सूची-I	सूची-II
फिरोज तुगलक	— नहरों का निर्माण
बलबन	— नौरोज
अलाउद्दीन	— दीवान-ए-रियासत
जहांगीर	— सर थामस रो
- * यात्रियों के पधारने का सही अनुक्रम है
 - अलबर्नी, इब्नबूत्ता, ट्रेवर्निवर, मनूरी
- * 'दस्तार बन्दान' कहलाते थे — उलेमा
- * शासकों का सही क्रम है
 - रजिया सुल्तान, अलाउद्दीन खिलजी, अकबर
- * सुमेलित है—

बहादुरशाह	— गुजरात
चांद बीबी	— बीजापुर
रजिया सुल्तान	— दिल्ली
बाज बहादुर	— मालवा
- * घटनाओं का सही क्रम है
 - कुतुबमीनार का निर्माण, फिरोज तुगलक की मृत्यु, पुर्तगालियों का भारत आगमन, कृष्णदेव राय का शासन
- * "अपने लगभग तीस वर्ष के व्यापक यात्री जीवन में उसने पूर्वी गोलाई के विस्तृत भू-भाग की यात्रा की, उस विशाल भू-भाग को देखा जिसमें आज कोई 44 देश आते हैं और कुल मिलाकर लगभग 73000 मील की दूरी चलकर पार की।"
- * पूर्व-आधुनिक काल का संसार का सबसे बड़ा वह यात्री, जिसका वर्णन ऊपर के अवतरण में है — इब्नबूत्ता
- * सुमेलित है—

कृष्णदेव राय	:	अमुर्कमाल्यद
महेंद्रवर्मन	:	मत्तविलासप्रहसन
भोजदेव	:	समरांगणसुत्रधार
सोमेश्वर	:	मानसोल्तास
- * सती प्रथा, बात विवाह तथा जौहर प्रथा में से वह प्रथा जिसकी शुरुआत राजपूतों के समय में हुई — जौहर प्रथा
- * मातधर बसु, हेमचंद्र सूरी, पार्थसारथी तथा सायण जैसे मध्यकालीन विद्वानों/लेखकों में वह, जो जैन धर्म का अनुयायी था — हेमचंद्र सूरी

* सुमेलित हैं-

सूची-I

- पलासी का युद्ध
- कतिंग का युद्ध
- हल्दीघाटी का युद्ध
- तराईन का युद्ध

सूची-II

- 1757 ईस्वी सन
- 261 ईस्वीपूर्व
- 1576 ईस्वी सन
- 1192 ईस्वी सन

* सुमेलित हैं-

सूची-I

- अकबर
- मुहम्मद तुगलक
- इल्तुतमिश
- शेरशाह

सूची-II

- आइन-ए-दहसाला
- प्रतीक मुद्रा
- चहलगानी अमीर
- सङ्क-ए-आजम

- * तेरहवीं और चौहदवीं शताब्दियों में भारतीय कृषक, खेती नहीं करता था
- मरका की

उत्तर भारत एवं दक्षकन के

प्रांतीय राजवंश

* जैनपुर नगर स्थापित किया गया

— मुहम्मद बिन तुगलक की सृष्टि में

* जैनपुर नगर की स्थापना की थी

— फिरोज शाह तुगलक ने

* शर्कीं सुल्तानों के शासनकाल में 'पूर्व का शिराज' कहा जाता था

— जैनपुर को

* कश्मीर का शासक जो 'कश्मीर का अकबर' नाम से जाना जाता है

— जैनुत (जैन-उल) आबेदीन

* जैन-उल-आबेदीन, मुहम्मद बिन तुगलक, हुसैन शाह शर्कीं तथा अकबर

में से वह शासक जिसने सर्वप्रथम ज़ज़िया कर समाप्त किया था

— जैन-उल-आबेदीन

* जैन-उल-आबेदीन द्वारा पूरी की गई कश्मीर की जामा मस्जिद की प्रभावकारी विशेषता में शामिल हैं

— बुर्ज, बौद्ध पगोडाओं से समान, फारसी शैली

* मुनि तुंदर सूरी, नाथा, टिल्ला भट्ट तथा मुनि जिन विजय सूरी में से वह विद्वान जो कुंभा के दरवार में नहीं था

— मुनि जिन विजय सूरी

* सुमेलित हैं-

मध्यकालीन भारतीय राज्य

वर्तमान क्षेत्र

चंपक

चंबा (हिमाचल)

दुर्गर

जम्मू

कुल्लू

कुल्लू (हिमाचल)

- * बहमनी राज्य की स्थापना की थी — अलाउद्दीन हसन ने

- * बहमनी राज्य की स्थापना हुई थी — 1347 ई. (14वीं सदी) में

- * बहमनी राज्य की प्रथम राजधानी थी — गुलबर्ग

* सुमेलित हैं-

सूची-I

- आदिलशाही
- कुतुबशाही
- निजामशाही
- शर्कींशाही

सूची-II

- बीजापुर
- गोलकुंडा
- अहमद नगर
- जैनपुर

- * मुस्लिम शासकों में वह, जिसे उसकी धर्मनिरपेक्षता (Secularism) में आरथा के कारण उसकी मुस्लिम प्रजा 'जगतगुरु' कहकर पुकारती थी

— इब्राहिम आदिल शाह

- * अहमदनगर के निजाम शाही वंश का अंत हुआ

— अहमदनगर को मुगल साम्राज्य में मिलाकर हुसैन शाह को आजीवन कारावास दिया गया।

* सुमेलित हैं-

वाजबहुदुर

— मालवा

कुतुबशाह

— गोलकुंडा

सुल्तान मुजफ्फर शाह

— गुजरात

यूसुफ आदिल शाह

— बीजापुर

- * गोतकुंडा को वर्तमान में कहा जाता है

— हैदराबाद

* सुमेलित हैं-

काकतीय

— वारंगल

होयसल

— द्वारसमुद्र

यादव

— देवगिरि

पाण्ड्य

— मदुरा

- * 'द्वारसमुद्र' राजधानी थी

— होयसल राजवंश की

- * होयसल स्मारक (Hoysala Monuments) पाए जाते हैं

— हलेबिड और बेतूर में

- * होयसलों की प्राचीन राजधानी द्वारसमुद्र का वर्तमान नाम है

— हलेबिड

- * वह स्मारक जिसमें वह गुंबद है, जो संसार के विश्वातरम गुंबदों में से एक है

— गोल गुंबद, बीजापुर

* सुमेलित हैं-

स्मारक

— शासक

दोहरा गुंबद

— सिकंदर लोदी

अष्टमुजीय मकबरा

— शेरशाह

सत्य मेहराबीय मकबरा

— बलबन

गोल गुंबद

— मुहम्मद आदिल शाह

- * गूजरी महल बनवाया था

— मानसिंह ने

- * दक्षिण भारत के 'पोलिमार' थे — क्षेत्रीय प्रशासकीय और सैन्य नियंत्रक

भक्ति और सूफी आंदोलन

- * भक्ति आंदोलन का प्रारंभ किया गया था — आत्मार संतों द्वारा
- * भक्ति संस्कृति का भारत में पुनर्जन्म हुआ — पंड्रहीं और सोलहीं शताब्दी ईस्यी में
- * बुद्ध और मीराबाई के जीवन दर्शन में मुख्य साम्य था — संसार दुःखपूर्ण है
- * “कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति से उसका धर्म-संप्रदाय या जाति न पूछे।” यह कथन है — रामानंद का
- * सभी भक्ति संतों के मध्य एक समान विशेषता थी कि उन्होंने — अपनी वापी को उसी भाषा में लिखा जिसे उनके भक्त उच्छारण के आचरण का निर्वाह करते थे, वे हैं
- * मध्ययुगीन भारत के धर्मिक इतिहास के संदर्भ में सूफी संत जिस तरह — ध्यानसाधन और श्वासनियन, एकांत में कठोर यैगिक व्यायाम, श्रोताओं में आध्यात्मिक हर्षोन्माद उत्पन्न करने के लिए पवित्र गीतों का गायन
- * कामरूप में वैष्णव धर्म को लोकप्रिय बनाया — शंकरदेव ने
- * असम एवं कूच विहार में वैष्णव धर्म का प्रवर्तन किया — शंकरदेव ने
- * रामानुजाचार्य संबोधित हैं — विशिष्टाद्वैत से
- * ‘शुद्ध अद्वैतवाद’ का प्रतिपादन किया था — वल्लभाचार्य ने
- * ‘महाप्रभु वल्लभाचार्य’ की जन्मस्थली है — चम्पारण्य में
- * सुमेलित हैं — अद्वैतवाद — शंकराचार्य
- * विशिष्टाद्वैतवाद — रामानुज
- * द्वैतवाद — मध्याचार्य
- * द्वैतद्वैतवाद — निम्बार्काचार्य
- * सही कथन है —
- ‘बीजक’ कबीर के उपदेशों का एक संकलन है। पुष्टिमार्ग के दर्शन को वल्लभाचार्य ने प्रतिपादित किया
- * दादू, कबीर, रामानंद, तुलसीदास में से वह भक्ति संत जिसने अपने संदेश के प्रचार के लिए सबसे पहले हिंदी का प्रयोग किया— रामानंद
- * कबीर शिष्य थे — रामानंद के
- * मध्यकालीन भारत के कुम्भनदास, रामानंद, रैदास तथा तुलसीदास में से वह संत जिसका जन्म प्रयाग में हुआ था — रामानंद
- * कबीर एवं धरमदास के मध्य संवादों के संकलन का शीर्षक है — अमरमूल
- * मलूकदास एक संत कवि थे — कड़ा के
- * संत धारीदास के पिताजी का नाम था — महंगू

- * सही कालानुक्रम है — शंकराचार्य-रामानुज-वैतन्य
- * भक्ति संतों का सही कालानुक्रम है — कबीर (1398-1518), गुरुनानक (1469-1539), वैतन्य (1486-1534), मीराबाई (1498-1557)
- * भगवान शिव की प्रतिष्ठा में स्थापित हैं — 12 ज्योतिरिंग
- * रामानुज के अनुयायियों को कहा जाता है — वैष्णव
- * अमृतसर, नामा, ननकाना तथा नांदेर में से वह स्थान जो गुरु नानक का जन्म स्थल था — ननकाना
- * वह शासक, जिसके शासन में गुरु नानक देव ने सिख धर्म की स्थापना की — सिंकंदर लोदी
- * ‘ईश्वर केवल मनुष्य के सद्गुण को पहचानता है तथा उसकी जाति नहीं पूछता; आगामी दुनिया में कोई जाति नहीं होगी।’ यह सिद्धांत है — नानक का
- * मीराबाई समकालीन थीं — तुलसीदास के
- * प्रसिद्ध भक्त कवियत्री मीरा के पति का नाम था — राजकुमार भोजराज
- * ‘राम-गोविंद’ के रचनाकार हैं — मीराबाई
- * दिए गए संतों का सही कालक्रम है — नामदेव, कबीर, नानक, मीराबाई
- * वैतन्य, मीराबाई, नामदेव तथा वल्लभाचार्य में से वह, जो इस्तमाल से प्रभावित था — नामदेव
- * वह, जो उस समय उपदेश देता था, जब लोदी वंश का पतन हुआ तथा बाबर सत्तालड़ हुआ — गुरु नानक
- * सुमेलित हैं—
नामदेव — दर्जी
कबीर — जुलाहा
रविदास — मोची
सेना — नाई
- * वैतन्य महाप्रभु संबद्ध हैं — वैष्णव संप्रदाय से
- * तुलसीदास समकालीन थे — अकबर तथा जहांगीर के
- * ‘रामवरित मानस’ नामक ग्रंथ के रचयिता थे — तुलसीदास
- * गीतावली, कवितावली, विनयपत्रिका तथा साहित्य रत्न में से वह रचना, जो संत तुलसीदास की नहीं है — साहित्य रत्न
- * वरकरी संप्रदाय का संत था — नामदेव
- * भक्त तुकाराम जिस मुगल सम्राट के समकालीन थे, वह है— जहांगीर
- * नामार्जुन, तुकाराम, त्यागराज तथा वल्लभाचार्य में से वह, जो भक्ति आंदोलन का प्रस्तावक नहीं था — नामार्जुन
- * भारत में चिरित्या संप्रदाय का प्रथम सूफी संत था — शेख मुइनुद्दीन चिशी

- * शेख मुहम्मद निजामुदीन चिश्ती, शेख कुतुबुदीन बखियार काकी, शेख निजामुदीन औलिया तथा शेख सलीम चिश्ती सूफी संतों में से वह, जो सर्वप्रथम अजमेर में बस गए थे — शेख मुहम्मद निजामुदीन चिश्ती
 - * शेख मुहम्मद निजामुदीन, शेख जियाउदीन अबुलजीवा, ख्वाजा अबु-अब्दाल एवं ख्वाजा बहाउदीन में से वह, जो सूफीवाद की चिश्तिया शाखा का संस्थापक था — ख्वाजा अबु-अब्दाल
 - * ख्वाजा मोइनुदीन चिश्ती शिष्य थे — ख्वाजा उस्मान हरसनी के
 - * अजमेर में ख्वाजा मुईनुदीन चिश्ती की दरगाह पर नजर (मेंट) भेजने वाले प्रथम मराठा सरदार थे — राजा साहू (शिवाजी के पौत्र)
 - * शेख निजामुदीन औलिया शिष्य थे — बाबा फरीद के
 - * शेख निजामुदीन औलिया की दरगाह स्थित है — दिल्ली में
 - * कथन (A) : भारत में सूफियों के चिश्ती धर्मसंघ का प्रवर्तक और सर्वप्रमुख व्यक्ति, ख्वाजा मुहम्मद निजामुदीन चिश्ती है।
कारण (R) : चिश्ती धर्मसंघ ने अपना नाम अजमेर में स्थित ग्राम चिश्त से लिया है। — A तरीहे है, परंतु R गलत है।
 - * वह सूफी संत जिसकी मान्यता थी कि भक्ति संगीत ईश्वर के निकट पहुंचने का एक साधन है — मुहम्मद निजामुदीन चिश्ती
 - * ख्वाजा कुतुबुदीन बखियार काकी, शेख अब्दुल जिलानी, शेख मुहम्मद तथा शेख निजामुदीन औलिया में से वह, जो चिश्ती सिलसिले से संबद्ध नहीं है — शेख अब्दुल जिलानी
 - * 'भारत का सादी' कहा गया है — अमीर हसन को
 - * जलाउदीन खिलजी, अलाउदीन खिलजी, गयासुदीन तुगलक तथा मुहम्मद बिन तुगलक में से, वह सुल्तान जिससे निजामुदीन औलिया ने भेंट करने से इंकार कर दिया था — अलाउदीन खिलजी
 - * वह सूफी संत जो 'महबूब-ए-इलाही' कहलाता था — शेख निजामुदीन औलिया
 - * शेख फरीद का सर्वाधिक ख्यातिलब्द शिष्य, जिसने दिल्ली के सात सुल्तानों का शासन देखा था — निजामुदीन
 - * शेख मुहम्मद चिश्ती, कुतुबुदीन बखियार काकी, फरीदुदीन-गंज-ए-शकर तथा शेख निजामुदीन औलिया में से वह सूफी संत जिसके विचारों को सिखों के धर्म ग्रंथ 'आदि ग्रंथ' में संकलित किया गया है — फरीदुदीन-गंज-ए-शकर
 - * प्रसिद्ध संत सलीम चिश्ती रहते थे — फतेहपुर सीकरी में
 - * 'शेख-उल-हिंद' की पदवी प्रदान की गई थी— शेख सलीम चिश्ती को
 - * सुनेलित हैं—
ख्वाजा मोइनुदीन चिश्ती — चिश्तियां
शेख अहमद सरहिन्दी — नक्शबदिया
दारा शिकोह — कादिरिया
शेख शहाबुदीन — सुहरावर्दिया
- ★ भारतीय इतिहास में सूफीवाद के संदर्भ में सही कथन हैं—
— शेख अहमद सरहिन्दी अकबर एवं जहांगीर का समकालीन था। शेख नक्शबदीन चिश्ती एवं दिल्ली शेख निजामुदीन औलिया का शिष्य था। अकबर शेख सलीम चिश्ती का समकालीन था। भारत में सूफियों की कादिरी पहुंच सबसे पहले शेख नियामतुल्ला और मख्दूम मुहम्मद जिलानी द्वारा लागू की गई।
- ★ रहीम, निजामुदीन औलिया, मुहम्मद निजामुदीन चिश्ती एवं रसखान में से, वह जो सूफी थे — निजामुदीन औलिया एवं मुहम्मद निजामुदीन चिश्ती
- ★ चिश्तिया, सुहरावर्दिया, कादिरिया तथा नक्शबदिया सूफीवाद के सिलसिलों में, वह जो संगीत के विरुद्ध था — नक्शबदिया
- ★ शाह मोहम्मद गौस, शाह अब्दुल अजीज, शाह बलीउल्ला तथा ख्वाजा मीर दर्द सूफियों में से वह जिससे कृष्ण को औलिया के रूप में माना जाता है — शाह मोहम्मद गौस
- ★ उलेमा, खानकाह, शेख तथा समा में से वह जिसका संबंध सूफीवाद से नहीं है — उलेमा
- ★ कृष्ण जीवनपरक 'प्रेम वाटिका' काव्य की रचना की थी — रसखान ने
- ★ वल्लभाचार्य, चैतन्य, गुरु नानक तथा अमीर खुसरो में से वह जो भक्ति आंदोलन से जुड़ा नहीं है — अमीर खुसरो
- ★ 'बारहगासा' की रचना की थी — मलिक मोहम्मद जायसी ने
- ★ प्रति वर्ष प्रसिद्ध सूफी संत हाजी वारिस अली शाह की मजार पर मेला लगता है — देवा शरीफ में
- ★ झाइरट का जन्म स्थान — वेथलेहम
- ★ ईस्टर त्यौहार के पीछे ईसाइयों की भावना है — इस दिन ईसा पुनर्जीवित हुए
- ★ वह ईसाई संत जो पशु-पक्षियों से प्रेम के तिए विद्यात है — असीरी के संत प्रांसिस
- ★ ईसाइयों का गुडफ्राइडे मनाया जाता है — ईसा मसीह को सूली पर ढाये जाने के स्मरण में

मुगल वंश : बाबर

- * मध्यकालीन भारत के मुगल शासक वस्तुतः थे — चगताई तुर्क
- * बाबर को सर-ए-पुल के युद्ध में पराजित किया था — ऐवानी खां ने
- * पानीपत का प्रथम युद्ध हुआ था— बाबर और इब्राहिम लोदी के मध्य
- * पानीपत के युद्ध में बाबर की जीत का मुख्य कारण था — उसकी सैन्य कुशलता
- * पानीपत का प्रथम युद्ध, खानवा का युद्ध, प्लासी का युद्ध तथा पानीपत का तीसरा युद्ध में से वह युद्ध जिसमें एक पक्ष द्वारा प्रथम बार तोपों का उपयोग किया गया था — पानीपत का प्रथम युद्ध
- * बाबर की इब्राहिम लोदी पर विजय का कारण था — तोपखाना

- * बाबर ने सुल्तान इब्राहिम लोदी को पानीपत की लड़ाई में पराजित किया — 1526 ई. में
- * सुमित्रित है—
पानीपत का प्रथम युद्ध : 1526
खानवा का युद्ध : 1527
घाघरा का युद्ध : 1529
चंदेरी का युद्ध : 1528
- * बाबर के भारत में आने के फलस्वरूप
— इस क्षेत्र में तैमूरी (तिमूरिद) राजवंश स्थापित हुआ।
- * पानीपत का युद्ध, खानवा का युद्ध एवं चंदेरी का युद्ध में से वह, जिसमें बाबर ने 'जेहाद' की धोषणा की थी — खानवा का युद्ध
- * मेवाड़ का राजा जिसे 1527 में खानवा के युद्ध में बाबर ने हराया था — राणा सांगा
- * भारत का मुगल शासक बनने पर जहीरुद्दीन मोहम्मद ने नाम रखा। — बाबर
- * बाबर ने सर्वप्रथम 'पादशाह' की पदवी धारण की थी — काबुल में
- * बाबर के साग्राज्य में समिति थे
— काबुल का क्षेत्र, पंजाब का क्षेत्र, आधुनिक उत्तर प्रदेश का क्षेत्र
- * वह मुगल स्थान जिसके जीवन से धैर्य व संकल्प से सफलता की शिक्षा मिलती है — जहीरुद्दीन मोहम्मद बाबर
- * बाबर ने अपने 'बाबरनामा' में जिन हिंदू राज्य का उल्लेख किया, वह हैं — मेवाड़ एवं विजयनगर
- * कथन (A) : बाबर ने 'बाबरनामा' तुर्की में लिखा।
- कारण (R) : तुर्की मुगल दरबार की राजभाषा थी।
— A रही है, पर R गलत है।
- * 'तुजुक-ए-बाबरी' लिखा गया था — तुर्की भाषा में
- * अयोध्या रिति बाबरी मस्जिद का निर्माण कराया था — भीर बाकी ने

हुमायूं और शेरशाह

- * कामरन, उस्मान, अस्करी तथा हिन्दाल में से वह जो हुमायूं का भाई नहीं था — उस्मान
- * हुमायूं द्वारा लड़े गए चार प्रमुख युद्धों का तिथि अनुसार सही क्रम है — दौराह चौसा, कल्नौज, सरहिंद
- * फ़रीद, जो बाद में शेरशाह सूरी क्ना, ने शिक्षा प्राप्त की थी — जैनपुर से
- * बलबन, अलाउद्दीन खिलजी, इब्राहिम लोदी तथा शेरशाह मध्ययुगीन शासकों में से वह, जो उच्च शिक्षित था — शेरशाह
- * बहलोल लोदी, सिंकंदर लोदी, शेरशाह सूरी तथा इस्लाम शाह सूरी में से वह सुल्तान जिसने पहले "हजरते आला" (Hazrat-e-Ala) की उपाधि अपनाई और बाद में 'सुल्तान' की — शेरशाह सूरी

- * शेरशाह सूरी द्वारा किए गए सुधारों में समिति थे
— राजस्व सुधार, प्रशासनिक सुधार, ऐनिक सुधार, करेंसी प्रणाली में सुधार
- * दिल्ली सल्तनत के पराभव के उपरांत वह शासक जिसके द्वारा स्वर्ण मुद्रा का सर्वप्रथम प्रचलन किया गया — हुमायूं
- * हुमायूं ने चुनार दुर्ग पर प्रथम बार आळमण किया — 1532 ई. में
- * अपने बादशाह पति के लिए मकबरे का निर्माण करवाया था — हाजी बेगम ने
- * चांदी का सिक्का शुरू किया — शेरशाह ने
- * शेरशाह के अंतर्गत तांबे के दाम और चांदी के रूपया की विनियम दर थी — 64:1
- * शेरशाह सूरी की मृत्यु हुई — कालिंजर में
- * "मात्र एक मुहुरी बाजरे के चक्कर में मैंने अपना साग्राज्य खो दिया होता।" यह कथन संबद्ध है — शेरशाह से
- * शेरशाह का मकबरा है — सासाराम में
- * शेरशाह ने निर्माण करवाया था — दिल्ली की किला-ए-कुहना मस्जिद का
- * दिल्ली में 'पुराना किला' के भवनों का निर्माण किया था — शेरशाह ने
- * कृष्णों की सहायता के लिए जिस मध्यकालीन भारतीय शासक ने पट्टा एवं कबूलियत की व्यवस्था प्रारंभ की थी, वह है — शेरशाह

अकबर

- * काबुल, लाहौर, सरहिंद तथा कालानौर में से वह स्थान, जहां पर अकबर को हुमायूं की मृत्यु की सूचना मिलने पर राजगद्दी पर बैठाया गया था — कालानौर
- * हल्दी घाटी के युद्ध के पीछे अकबर का मुख्य उद्देश्य था — राणा प्रताप को अपने अधीन लाना
- * हल्दी घाटी का युद्ध हुआ था — 1576 ई. में
- * हल्दी घाटी के युद्ध में रहाराणा प्रताप की सेना के सेनापति थे — हकीम खान
- * अकबर ने सर्वप्रथम वैवाहिक संबंध राजपूतों के जिस गृह से स्थापित किए, वह था — कछवाहों से
- * विश्वी संत की दरगाह जहां पर अकबर दर्शन हेतु अविक जाता था — मुझुद्दीन विश्वी
- * अधम खां, बैरम खां, बाज बहादुर तथा पीर मुहम्मद खां में से वह, जिसे अकबर ने स्वयं मारा था — अधम खां
- * राजपूताना का वह राज्य जिसने अकबर की संप्रभुता स्वयं स्वीकार नहीं की थी — मेवाड़

- * वह राजपूत शासक जिसने मुगलों के विरुद्ध निरंतर खतंत्रता का संघर्ष जारी रखा और समर्पण नहीं किया — मारवाड़ के राव चंद्रसेन
- * अकबर के साथ युद्ध करने वाली दुर्गावती रानी थी — मंडला अथवा गोंडवान की
- * अकबर को राष्ट्रीय स्माट सिद्ध करने में सहायक तथ्य है — प्रशासकीय एकता और कानूनों की एकरूपता सांस्कृतिक एकता का प्रयत्न एवं उसकी धार्मिक नीति
- * अकबर की लोकप्रियता के कारण थे — मनसबदारी प्रथा, धार्मिक नीति, भू-राजस्व व्यवस्था, सामाजिक सुधार
- * वह मुस्लिम शासक जिसने तीर्थयात्रा-कर समाप्त कर दिया था — अकबर
- * बादर, हुमायूं, अकबर तथा औरंगजेब बादशाहों में से वह जिसको 'प्रबुद्ध निरंकुश' कहा जा सकता है — अकबर
- * अकबर का शासन जाना जाता है — क्षेत्रों को जीतने के लिए, अपनी प्रशासनिक व्यवस्था के लिए, न्यायिक प्रशासन के लिए
- * अकबर के शासनकाल में पुनर्गठित केंद्रीय प्रशासन तंत्र के अंतर्गत सैनिक विभाग का प्रमुख था — भीर बख्शी
- * अकबर कालीन सैन्य व्यवस्था आधारित थी — मनसबदारी
- * अकबर द्वारा दीवान का पूर्णसूचेण दर्जा दिया जाने वाला प्रथम व्यक्ति था — मुजफ्फर खाँ तुरबारी
- * अकबर ने जिस मनसबदारी प्रणाली को लागू किया वह उधार ली गई थी — मंगोलिया में प्रचलित प्रणाली से
- * कथन (A) : अकबर के काल में, हर दस घुङ्गुवार सैनिकों के लिए मनसबदारों को बीस घोड़ों का रखरखाव करना पड़ता था। कारण (R) : घोड़ों को यात्रा में आराम देना होता था और युद्ध के समय उनको बदलना आवश्यक होता था। — A तथा R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
- * टोडरमल ने ख्याति अर्जित की थी — भू-राजस्व के क्षेत्र में
- * जाली, दहसाला, नसक तथा कानकुट में से वह कर-व्यवस्था जिसे बंदोबस्त व्यवस्था के नाम से भी जाना जाता है — दहसाला
- * टोडरमल संबंधित थे — मालगुजारी सुधारों से
- * भू-राजस्व प्रशासन के क्षेत्र में शेरशाह एवं अकबर के मध्य बीरबल, टोडरमल, भगवानदास तथा भारमल में से वह, जो नैरन्तर्य की कड़ी था — टोडरमल
- * अकबर काल में भू-राजस्व व्यवस्था की एक प्रसिद्ध नीति 'आइन-ए-दहसाला' पद्धति निर्मित की गई थी — टोडरमल द्वारा
- * अकबर ने 'दीन-ए-इलाही' प्रारंभ किया — 1582 में
- * 'दीन-ए-इलाही' का प्रचार किया था — अकबर ने
- * वह इतिहासकार जिसने 'दीन-ए-इलाही' को एक धर्म कहा — अब्दुल कादिर बदायूंगी
- * इबादत खाने का निर्माण करवाया — अकबर ने
- * फतेहपुर सीकरी का इबादतखाना था — वह भवन जिसमें विभिन्न धर्मों के विद्वानों के साथ अकबर चर्चा करता था
- * स्वर्ण महल, पंचमहल, जोधाबाई महल एवं अकबरी महल में से वह स्मारक जो फतेहपुर सीकरी में नहीं है — अकबरी महल
- * दिल्ली में स्थित वह ऐतिहासिक स्मारक जो भारतीय तथा फारसी वास्तुकला शैली का उदाहरण है — हुमायूं का मकबरा
- * सुलह-ए-कुल का सिद्धांत प्रतिपादित किया गया था — अकबर द्वारा
- * अकबर द्वारा अपनाई गई 'सुलह-ए-कुल' (सार्वभौम शांति तथा भाईचारा) की अवधारणा आधारित थी — राजनीतिक उदारता, धार्मिक सहनशीलता एवं उदारवादी सांस्कृतिक दृष्टिकोण पर
- * वह मुगल बादशाह जिसके विरुद्ध जौनपुर से 'फत्ता' जारी हुआ था — अकबर
- * कथन (A) : अकबर ने 1602 में फतेहपुर सीकरी में 'बुलंद दरवाजा' बनवाया। कारण (R) : यह निर्माण अकबर ने अपने पुत्र जहांगीर के जन्म की खुशी में बनवाया। — A सही है, परंतु R गलत है।
- * बुलंद दरवाजा, जामा मस्जिद, कुतुबमीनार तथा ताजमहल में से वह इमारत, जिसका निर्माण अकबर ने करवाया था — बुलंद दरवाजा
- * जहांगीर, शाहजहां, हुमायूं तथा अकबर में से वह मुगल स्माट जिसने शिक्षा संबंधी सुधार किए थे — अकबर
- * अकबर द्वारा बनवाई गई श्रेष्ठतम इमारतें पाई जाती हैं — फतेहपुर सीकरी में
- * अकबर द्वारा बनाई गई वह इमारत जिसका नम्बा बौद्ध विहार की तरह है — पंच महल
- * जहांगीर महल स्थित है — आगरा में
- * अकबर का मकबरा स्थित है — सिकंदरा में
- * दिल्ली का लाल किला, आगरा का किला, इलाहाबाद का किला एवं लाहौर का किला में से वह किला जिसका निर्माण अकबर के राज्य काल में नहीं कराया गया था — दिल्ली का लाल किला
- * सुनेलित हैं—
बाबर (1526-30) — काशुत
अकबर (1556-1605) — सिकंदरा
जहांगीर (1605-1627) — लाहौर
शाहजहां (1627-1658) — आगरा

- * अकबर के कात में महाभारत का फारसी अनुवाद जिसके निर्देशन में हुआ, वह है — फैजी
- * अब्दुल क़दिर बदायूँनी, अबुल फजल, निजामुद्दीन अहमद तथा शेख मुबारक में से वह, जिसने महाभारत का फारसी में अनुवाद किया था — अब्दुल क़दिर बदायूँनी
- * महाभारत के फारसी अनुवाद का शीर्षक है — रज्मनामा
- * वह, जो अकबर की इच्छानुसार रामायण का फारसी में अनुवाद किया था — अब्दुल क़दिर बदायूँनी
- * मुहम्मद हुरैन, मुकम्मल खां, अब्दुस्सामद, मीर सैयद अली में से वह जिसे स़ज़ाट अकबर द्वारा 'जरी कलम' की उपाधि प्रदान की गई थी — मुहम्मद हुरैन
- * जैन साधु जो अकबर के दरबार में कुछ वर्ष रहा और जिसे जगद्गुरु की उपाधि से सम्मानित किया गया — हरिविजय सूरि
- * अबुल हसन, दसवंत, किशनदास एवं उस्ताद मंसूर में से वह जो मुगल स़ज़ाट अकबर के समय का प्रसिद्ध चित्रकार था — दसवंत
- * इंग्लैंड की रानी एलिजाबेथ प्रथम का समकालीन भारतीय राजा था — अकबर
- * वह मध्यकालीन भारतीय लेखक जिसने अमेरिका की खोज का उल्लेख किया है — अबुल फजल
- * अकबर के दरबार में आने वाला पहला अंग्रेज व्यक्ति था— रॉल्क फिंच
- * अकबर के शासनकाल घटनाओं का व्यवरिति क्रम है — जजिया की समाप्ति, इवादतखाना का निर्माण, महजर पर हस्ताक्षर, दीन-ए-इलाही की स्थापना
- * अकबर ने बंगाल तथा बिहार को मुगल साम्राज्य में मिलाया — 1576 ई. में

जहांगीर

- * 'दो-अस्पा' एवं 'सिंह-अस्पा' प्रथा शुरू की थी — जहांगीर ने
- * मुगल मनसबदारी व्यवस्था के संदर्भ सही कथन हैं
 - 'जात' एवं 'स्वार' पद प्रदान किए जाते थे। मनसबदार आनुवंशिक नहीं होते थे। मनसबदारों के तीन वर्ग थे।
- * मुगलों एवं मेवाड़ के राणा के मध्य 'चित्तौड़ की सधि' जिस शासक के शासनकाल में हस्ताक्षरित हुई थी, वह है — जहांगीर
- * ईस्ट इंडिया कंपनी ने जहांगीर के दरबार में पहले भेजा था — हॉकिंस को
- * जहांगीर के दरबार में ब्रिटिश शासक जेम्स प्रथम का राजदूत था — वितियम हॉकिंस
- * जहांगीर ने 'खान' की उपाधि से सम्मानित किया था — हॉकिंस को
- * मुगल-स़ज़ाट जहांगीर ने 'इंग्लिश खान' की उपाधि दी थी — वितियम हॉकिंस को

- * ब्रिटिश राजदूत के रूप में सर थॉमस रो भारत आया था — जहांगीर के शासनकाल में
- * इंग्लैंड के जेम्स प्रथम के राजदूत सर थॉमस रो भारत आए थे — 1615 ई. में
- * जहांगीर ने थॉमस रो को मिलने का अवसर दिया था — अजमेर में
- * भारत में इंग्लैंड का वह दूत जो जहांगीर के पीछे अजमेर से मार्गदू आया — थॉमस रो
- * एक डच पर्यटक, जिसने जहांगीर के शासनकाल का मूल्यवान विवरण दिया है, वह था — फ्रांसिस्को पेलसर्ट
- * वह मुगल शासक जिनका मकबरा भारत में नहीं है — जहांगीर तथा बाबर
- * स़ज़ाट जहांगीर को दफन किया गया — लाहौर में
- * मुगल चित्रकार अपनी पराकाष्ठा पर पहुंची — जहांगीर के राज्यकाल में
- * जहांगीर ने नादिर-उज़्ज़ानों की पदवी दी थी — अबुल हसन को
- * वह चित्रकार जिसे 'नादिर-उल-असर' की उपाधि प्रदान की गई — मंसूर
- * जहांगीर के दरबार में पक्षियों का सबसे बड़ा चित्रकार था — मंसूर
- * बाबर, अकबर, जहांगीर तथा औरंगजेब मुगल बादशाहों में वह जिसने अपनी आत्मकथा (Autobiography) फारसी में लिखी — जहांगीर
- * अबुल फजल के हत्यारे को पुरस्कृत किया था — जहांगीर ने
- * जहांगीर के विरुद्ध विद्रोह किया था — खुर्रम, महबत खां एवं खुसरो ने
- * खुसरो जिस मुगल बादशाह का पुत्र था, वह है — जहांगीर
- * जहांगीर, पियास बेग, आसफ खा, खुर्रम में से वह जो नूरजहां के गुट का सदस्य नहीं था — खुर्रम
- * ऐतमादुद्दीन का मकबरा आगरा में बनवाया था — नूरजहां ने
- * सुमेलित हैं—

निर्माता	स्मारक
बाबर	जामा मस्जिद (संभल)
हुमायूं	दीन पनाह
अकबर	जहांगीरी महल
जहांगीर	अकबर के मकबरे को पूर्ण करवाना

- * गोविंद महल, जो हिंदू वास्तुकला वा अप्रतीम उदाहरण है, स्थित है — दतिया में
- * सुमेलित हैं—

अकबर का मकबरा	सिकंदरा
जहांगीर का मकबरा	शाहदरा
शेख सलीम चिश्ती का मकबरा	फतेहपुर सीकरी
शेख निजामुद्दीन औलिया का मकबरा	दिल्ली

शाहजहां

- * ईरान के शाह और मुगल शासकों के बीच झगड़े की जड़ थी
 - कंधार
- * कंधार के निवाल जाने से मुगल सम्राज्य को एक बड़ा धक्का पहुंचा
 - सामरिक महत्व के केंद्र के दृष्टिकोण से (Strategic Stronghold)
- * शाहजहां के बल्ख अभियान का उद्देश्य था
 - काबुल की सीमा से सटे बल्ख और बदख्शां में एक मित्र शासक को लाना
- * वह जिसने बनारस एवं इलाहाबाद के तीर्थयात्रा कर की समाप्ति के लिए मुगल बादशाह के सामने बनारस के पंडितों का नेतृत्व किया था
 - कर्विंग्ड्वाचार्य
- * कलीम, काशी, कुदसी तथा मुनीर में से वह जो शाहजहां के शासनकाल का 'राजकवि' था
 - कलीम
- * मुमताज महल का असली नाम था
 - अर्जुमंद बानो बेगम
- * हिंदू तथा ईरानी वास्तुकला का सर्वप्रथम समन्वय हमें देखने को मिलता है
 - ताजमहल में
- * वह मुगल बादशाह जिसने दिल्ली की जामा मस्जिद का निर्माण करवाया
 - शाहजहां
- * अकबर, जहांगीर, शाहजहां तथा औरंगजेब में से वह जिसने साम्राज्य की राजधानी आगरा से दिल्ली स्थानांतरित की
 - शाहजहां
- * सुनेलित हैं—

स्मारक	निर्माता
अलाइ दरवाजा	— अलाउद्दीन खिलजी
बुलंद दरवाजा, फतेहपुर सीकरी	— अकबर
मोती मस्जिद, आगरा	— शाहजहां
मोती मस्जिद, दिल्ली	— औरंगजेब
- * दिल्ली के लात किते का निर्माण करवाया था
 - शाहजहां ने
- * उपनिषदों का फारसी में अनुवाद जिस मुगल सम्राट के शासनकाल में हुआ, वह है
 - शाहजहां
- * शाहजहां ने 'शाह बुलंद इकबाल' की पदवी दी थी— दारा शिकोह को
- * दारा शिकोह ने उपनिषदों का फारसी में अनुवाद किया था
 - शिर्ष-ए-अकबर शीर्षक के अंतर्गत
- * अमीर खुसरो, दारा शिकोह, अमीर हसन एवं शुजा में से हिंदू धर्मग्रंथों का अध्ययन करने वाला प्रथम मुस्लिम था
 - दारा शिकोह
- * वी.ए. सिंध्य, जे.एन. सरकार तथा ए.एल. श्रीवास्तव में वह इतिहासकार जिसने शाहजहां के शासनकाल को मुगलकाल का 'स्वर्ण युग' कहा है
 - ए.एल. श्रीवास्तव

- * सुप्रसिद्ध 'कोहिनूर' हीरा शाहजहां को उपहार में दिया था
 - मीर जुमला ने
- * वह मुगल बादशाह जिसने बलबन द्वारा प्रारंभ किया गया दरबारी रिवाज 'सिजदा' समाप्त कर दिया था
 - शाहजहां
- * दारा शिकोह, मुराद बख्श, शाह शुजा तथा औरंगजेब में से वह जो शाहजहां के शासनकाल में अधिकांश समय तक दबकन का गवर्नर रहा, था
 - औरंगजेब

औरंगजेब

- * कथन (A) : मुगल गढ़ी पर औरंगजेब शाहजहां का उत्तराधिकारी हुआ। कारण (R) : ज्येष्ठ पुत्र के उत्तराधिकार के नियम का पालन किया गया।
 - (A) सत्य है और (R) असत्य है
- * अकबर, जहांगीर, शाहजहां तथा औरंगजेब में से वह मुगल बादशाह जिसका दो बार राज्याभिषेक हुआ था
 - औरंगजेब
- * धरमट का युद्ध लड़ा गया
 - औरंगजेब तथा दारा शिकोह
- * औरंगजेब ने जोधपुर के शासक जसवंत सिंह को 1658 ई. के धरमट के युद्ध में पराजित किया था, धरमट स्थित है
 - मध्य प्रदेश में
- * मुगल शहजादा जिसने श्रीनगर गढ़वाल में आश्रय लिया था
 - सुलेमान शिकोह
- * औरंगजेब का वह पुत्र जिसने विद्रोह करके राजपूतों के विरुद्ध अपने पिता की स्थिति दुर्बल कर दी थी
 - अकबर
- * वह मुगल सेनापति जिसके साथ शिवाजी ने 1665 ई. में पुरंदर की संघी पर हस्ताक्षर किए थे
 - जयसिंह
- * वह मुगल बादशाह जिसको 'जिंदा पीर' कहा जाता था
 - औरंगजेब
- * औरंगजेब ने बीजापुर की विजय की थी
 - 1686 ई. में
- * औरंगजेब ने दक्षिण में, जिन दो राज्यों को विजय किया था, वह थे
 - बीजापुर एवं गोलकुंडा
- * वह बादशाह जिसके अंतर्गत मुगल सेना में सर्वाधिक हिंदू सेनापति थे
 - औरंगजेब
- * मुगल सम्राट जिसने सर्वाधिक संख्या में हिंदू अधिकारियों की नियुक्ति की थी
 - औरंगजेब
- * 'जिगिया' जिसके शासनकाल में पुनः लगाया गया था, वह शासक है
 - औरंगजेब
- * औरंगजेब द्वारा चलाए 'जिहाद' का अर्थ है
 - दारूल-इस्लामी

- * 'बीबी का मकबरा' का निर्माता था — औरंगजेब
- * वह मकबरा जो 'द्वितीय ताजमहल' कहलाता है — रायिया-उद-दौरानी का मकबरा
- * जहांआरा, रोशन आरा, गौहर आरा तथा मेहरुनिसा में से वह जो स्प्राइट औरंगजेब की पुत्री थी — मेहरुनिसा
- * औरंगजेब ने 'साहिबात-उज़-ज़मानी' की उपाधि प्रदान की — जहांआरा को
- * संत रामदास को संवादित किया जाता है — औरंगजेब के शासनकाल से

मुगलकालीन प्रशासन

- * मुगल प्रशासन के दौरान जिले को जाना जाता था — सरकार के नाम से
- * मुगलकाल में सेना का प्रधान था — भीर बख्शी
- * मुगल शासन में भीर बख्शी का कर्तव्य था — भू-राजस्व अधिकारियों का पर्योक्षण
- * बर्नियर, करेरी, मनूची तथा टैवर्नियर में से वह, जिसे मुगल सेना में चिकित्सक नियुक्त किया गया था — मनूची
- * मुगल प्रशासन में 'मुहत्सिब' था — लोक आचरण अधिकारी
- * मध्यकालीन भारत में मनसबदारी प्रथा खासतौर पर इस्तिए चातू की गई थी, ताकि — साफ-सुधरा प्रशासन लागू हो सके
- * मुगल मनसबदारी व्यवस्था के विषय में सत्य है — इसमें 33 वर्ग थे। उन्हें 'मशरूत' अथवा सशर्त पद प्राप्त होते थे। उनका 'सवार' पद 'जात' पद से अधिक नहीं हो सकता था। समस्त कार्यकारी एवं सैन्य अधिकारियों को मनसब प्रदान किए जाते थे।
- * मुगलकालीन भारत में राज्य की आय का प्रमुख स्रोत था — भू-राजस्व
- * मुगल प्रशासनिक शब्दावली में 'माल' प्रतिनिधित्व करता है — भू-राजस्व का
- * मुगल सम्प्राट जिसने तंबाकू के प्रयोग पर निषेध लगाया था — जहांगीर
- * मुगल प्रशासन में 'मदद-ए-माल' इंगित करता है— — विद्वानों को दी जाने वाली राजस्व मुक्त अनुदत्त भूमि
- * कथन (A) : मुगलकाल में मनसबदारी प्रथा विद्यमान थी। कारण (R) : मनसबदारों का चयन योग्यता के आधार पर होता था। — कथन सही है, परंतु कारण गलत है।

- * (A) सभी मनसबदार सेना के पदाधिकारी नहीं होते थे। (B) मुगल शासन के अधीन उच्च पदाधिकारी भी मनसबदार होते थे, और उनका वर्गीकरण होता था। — (A) एवं (B) दोनों ही सही हैं।
- * भोज, सिंहराज जयसिंह, जैन उल आबिदीन तथा अकबर में से वह जिसने रामसीता की आकृतियों और 'रामसीय' देवनगरी लेख से युक्त कुछ सिक्के चलाए — अकबर
- * मुगल शासन में तांबे का सिक्का कहलाता था — दाम
- * मध्यकाल में बंटाई शब्द का अर्थ था — लगान निर्वारण का तरीका

मुगलकालीन संगीत एवं चित्रकला

- * मुगल चित्रकला के विषय में सत्य कथन है — युद्ध-दृश्य, पशु-पक्षी और प्राकृतिक दृश्य तथा दरवारी चित्रण
- * चित्र कला की मुगल शैली का प्रारंभ किया था — हुमायूं ने
- * चित्रकला की मुगल कलम भारतीय लघुचित्र कला की रीढ़ है। पहाड़ी, राजस्थानी, कांगड़ा तथा कालीघाट में से वह कलम जिस पर मुगल चित्रकला का प्रभाव नहीं पड़ा — कालीघाट
- * 'दस्तान-ए-अमीर हम्जा' का चित्रांकन किया गया— अद्वृत्समद छारा
- * प्रसिद्ध जहांगीरी चित्रकार थे — अबुल हसन, उस्ताद मंसूर, फारसखबेग, विश्वनदास, अकारिजा, मोहम्मद नादिर, मोहम्मदगुराद, मोहर, माधव तथा गोवर्धन
- * मुगल चित्रकला ने उन्नति की — जहांगीर के शासनकाल में
- * 'पहाड़ी स्कूल', 'राजपूत स्कूल', 'मुगल स्कूल' और 'कांगड़ा स्कूल' विभिन्न शैलियों को दर्शित करते हैं — चित्रकला की
- * 'किशनगढ़' शैली जिस कला के तिए प्रसिद्ध है, वह है — चित्रकला
- * वह एक संगीत वाद्य जिसे बजाने में औरंगजेब की दक्षता थी — बीणा
- * ग्रातःकाल में गाया जाने वाला राग है — तोड़ी
- * तानसेन, बैजू बावरा और गोपाल नायक जैसे संगीतज्ञों ने स्वामी हरिदास से प्रशिक्षण प्राप्त किया था। स्वामी हरिदास के अनुयायियों ने स्थापित किए हैं — 5 संगीत अर्चना केंद्र
- * अकबर के शासनकाल में ध्रुपद गायकों में सम्मिलित थे — तानसेन एवं हरिदास
- * प्रसिद्ध तानसेन का मकबरा स्थित है — आगरा में
- * तानसेन का मूल नाम था — रामतनु पांडेय
- * हुमायूं, जहांगीर, अकबर तथा शाहजहां में से वह मुगल शासक जिसने लाता कलाकृति से हिंदू संगीत की शिक्षा ली — अकबर

मुगलकालीन साहित्य

- * गुलबदन बेगम पुत्री थी — बाबर की
- * वह महिला जिसने मुगलकाल में ऐतिहासिक विवरण तिखे — गुलबदन बेगम
- * 'हुमायूंनामा' की रचना की थी — गुलबदन बेगम ने
- * दिल्ली का वह शिक्षा केंद्र जो मदरसा-ए-बेगम कहलाता था, स्थापित किया गया था — माहम अनगा द्वारा
- * 'हितोपदेश' का फारसी में अनुवाद किया था — ताजुल माली ने
- * सुमेलित हैं—

हसन निज़ामी	— ताजुल मासिर
ख्वांदगीर	— हुमायूंनामा
मुहम्मद क़ज़िन	— आलमगीरनामा
भीम सेन	— नुशखा-ए-दिलकुशा
- * सही सुमेलन है—

आतमगीर नामा	— मिर्जा गोहमद क़ज़िम
तबकतो अकबरी	— निज़ामज़ीन अहमद
चहार चमन	— चन्द्र भान ब्रह्मन
इकबात नामा जहांगीरी	— मुअतमद खा
- * अबुल फज़ल, फैज़ी, अब्दुर्रहीम खानखाना एवं अब्दुल कादिर बदायूंनी में से वह, जिनका हिंदी साहित्य के लिए सबसे महत्वपूर्ण योगदान है — अब्दुर्रहीम खानखाना
- * भारत के इतिहास के संदर्भ में अब्दुल हमीद लाहौरी थे — शाहजहां के शासन के एक राजकीय इतिहासकार
- * शाहजहांनामा के लेखक हैं — इनायत खां
- * सुमेलित हैं—

बाबर	— तुजुक-ए-बाबरी
गुलबदन बेगम	— हुमायूंनामा
अब्बास खां शरवानी	— तारीखे शेरशाही
निजामुद्दीन अहमद	— तबकतो अकबरी
- * 'अनवार-ए-सुहाइली' नामक ग्रंथ अनुवाद है — पंचतंत्र का
- * अबुल फज़ल द्वारा 'अकबरनामा' पूरा किया गया था — सात वर्षों में
- * मुगलकाल में दरबारी तथा अदालती भाषा थी — फारसी
- * नस्तातीक है — एक प्रकार की फारसी लिपि जो मध्यकालीन भारत में प्रयुक्त होती थी
- * कवि हृदय वह राजा जिसने नागरीदास के नाम से कृष्ण की प्रशंसा में छंद लिखे — राजा सावंत सिंह
- * महत्वपूर्ण कृतियाँ 'रामचंद्रिका' एवं 'रसिकप्रिया' की रचना की थी — केशव ने

मुगल काल : विविध

- * सही सुमेलित हैं—

जहांगीर	— वितिवम हॉकिंस
अकबर	— वितिवम फिच
शाहजहां	— टेर्वर्नियर
औरंगजेब	— मनूची
- * सही सुमेलन हैं—

हॉकिंस	— 1608-1611
टामस रो	— 1615-1619
मनूची	— 1653-1708
रात्फ फिश	— 1585-1586
- * मुस्तिम शासकों का सही कालानुक्रम

— जहांगीर, मुहम्मद शाह, अहमद शाह अब्दाली, बहादुर शाह-II

- * चार बाहरी आङ्गमणों का व्यवरिष्ठत ब्रम है

— घोरेज खां, तैमूर, नादिरशाह, अहमद शाह अब्दाली
--
- * सत्य कथन हैं

— अहमद शाह अब्दाली ने पानीपत का तृतीय युद्ध लड़ा, कुतुबुद्दीन ने दिल्ली सल्तनत की स्थापना की, औरंगजेब ने उत्तराधिकार का युद्ध लड़ा जहांगीर सौंदर्य तथा प्रकृति का प्रेमी था।
--
- * सुमेलित हैं—

नादिरशाह द्वारा दिल्ली में कल्लेआग	— 1739
बाबर और इब्राहिम लोदी के बीच	— 1526
पानीपत की पहरी लड़ाई	
हेमू और अकबर के बीच पानीपत का दूसरी लड़ाई	— 1556
अहमद शाह अब्दाली और मराठों के बीच पानीपत की तीसरी लड़ाई	— 1761
- * हेमचंद्र विक्रमदित्य भारतीय इतिहास में जाने जाते हैं — हेमू नाम से
- * सुमेलित हैं—

तराइन का दूसरा युद्ध	- 1192
औरंगजेब की मृत्यु	- 1707
पानीपत का तृतीय युद्ध	- 1761
अकबर की मृत्यु	- 1605
- * सही सुमेलन हैं—

हल्दी घाटी का युद्ध	- अकबर (राणा प्रताप के विरुद्ध)
बिलग्राम का युद्ध	- हुमायूं (शेरशाह के विरुद्ध)
खुसरो का विद्रोह	- जहांगीर
खानवा का युद्ध	- बाबर (राणा सांगा के विरुद्ध)

★ सुमेलित हैं—

सूची-I	सूची-II
1556	अकबर का राज्यारोहण
1600	ईस्ट इंडिया कंपनी को अधिकार-पत्र
	प्रदान किया
1680	शिवाजी का देहांत
1739	नादिर शाह का दिल्ली पर कब्जा

★ सुमेलित हैं—

पानीपत का तृष्णीय युद्ध	- 1761 ई
हल्दी घाटी का युद्ध	- 1576 ई
तराइन का द्वितीय युद्ध	- 1192 ई
असीरगढ़ का युद्ध	- 1601 ई

★ अता अली खां नाम था

★ समेलित है—

सूची-I	सूची-II
इक्ता (Iqta)	दिल्ली के सुल्तान
जागीर (Jagir)	मुगल
अमरम (Amaram)	विजयनगर
मोकासा (Mokasa)	मराठे
★ 'बाबुल मवका' (मवका द्वार) कहा जाता था	- सूरत को
★ मुगलों ने नवरोज का त्यौहार तिया	- पारसियों से
★ मुगलकाल में जिस मदरसे ने 'मुस्लिम न्याय-शास्त्र' की पढ़ाई में विचिष्टता हासिल की, वह रियत था	- लखनऊ में
★ कालक्रमनुसार व्यवस्थित है	- पद्मिनी, दुर्गावती, तारावाई, अहिल्यावाई

★ सही सुमेलित हैं—

सूची-I	सूची-II
बाबर	जमी अरिजद (संभल)
हुमायूं	दीन पनाह
अकबर	जाहांगीर महल
जहांगीर	एत्माद-उद-दौला का मकबरा

★ सही सुमेलित हैं—

इमारतों	शासकों
कुतुब मीनार	इल्तुतिश
गोल गुंबद	मुहम्मद आदिल शाह
बुलंद दरवाजा	अकबर
मोती मस्जिद	औरंगजेब
★ मुगलकाल के युद्धों का सही कालक्रम है	
— खानवा का युद्ध, घाघरा का युद्ध, चौसा का युद्ध, सामूदाय का युद्ध	

★ सुमेलित हैं—

स्मारक	निर्माता
अलाइ दरवाजा, दिल्ली	अलाउद्दीन खिलजी
बुलंद दरवाजा, फतेहपुर सीकरी	अकबर
मोती मस्जिद, आगरा	शाहजहां
मोती मस्जिद, दिल्ली	औरंगजेब

★ मुगलकाल में 'मैल्टिम' था — व्यापरिक जहाजों पर बैठने वाला एक कर्मचारी

★ भारतीय इतिहास के मध्यकाल में बंजारे सामान्यतः थे — व्यापारी

सिक्ख संप्रदाय

★ गुरु नानक ने अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया था— गुरु अंगद को

★ पंजाब में अमृतसर नगर को स्थापित किया था — गुरु रामदास ने

★ वह सिक्ख गुरु जिसे अकबर ने 500 बीघा जमीन दी थी— रामदास

★ सुमेलित हैं—

गुरु अर्जुन देव	— आदि ग्रंथ
कर्पूर सिंह	— दल खातसा
गुरु अमरदास	— मनजी

★ वह सिक्ख गुरु जिसने बिद्रोही राजकुमार खुसरो की सहायता धन एवं आशीर्वाद से की थी — गुरु अर्जुन देव

★ आदि ग्रंथ अथवा गुरु ग्रंथ साहेब का संकलन किया था — गुरु अर्जुन देव ने

★ वह सिक्ख गुरु जिनके तत्कालीन शासकों द्वारा मृत्युदंड दिया गया था — गुरु अर्जुन देव एवं गुरु तेग बहादुर

★ वह सिक्ख गुरु, जिसकी मृत्यु के तिए औरंगजेब जिम्मेदार है — गुरु तेग बहादुर

★ हेमकुंड, तारकुंड तथा ब्रह्मकुंड में से वह स्थन जिस पर एक प्रसिद्ध सिक्ख गुरुद्वारा उपस्थित है — हेमकुंड

★ जिस सिक्ख गुरु का जन्म पटना में हुआ था — गोविंद सिंह

★ वह, जिनकी समाधि के कारण नंदेड़ गुरुद्वारा सिक्खों द्वारा पवित्र माना जाता है — गुरु गोविंद सिंह की

★ गुरु गोविंद सिंह की महानगा निहित है इसमें कि — उन्होंने सिक्खों की ऐनिक व्यवस्था का गठन किया

★ 'खातसा पंथ' प्रारंभ हुआ — 300 वर्ष पहले

★ वह सिक्ख गुरु जिसने खातसा पंथ की स्थापना की थी — गुरु गोविंद सिंह

★ सिक्खों के अंतिम गुरु थे — गुरु गोविंद सिंह

★ बंदा बहादुर का मूल नाम था — तच्छन देव

★ सिक्ख साग्राम्य का अंतिम शासक था — दलीप सिंह

मराठा राज्य और संघ

- * मराठों के उत्कर्ष के कारण है
 - धार्मिक घेतना, भौगोलिक सुरक्षा, राजनैतिक जागृति, उच्च नेतृत्व जटिल
 - * शिवाजी ने मुगलों को हराया था — सलहार के युद्ध में
 - * शिवाजी का जन्म हुआ — 1627 ई. में
 - * वह सेनानावक, जिसे बीजापुर के सुल्तान ने 1659 ई. में शिवाजी को दबाने के तिए भेजा था — अफगल खां
 - * शिवाजी मुगलों की कैद से भागने के समय जिस नगर में कैद थे, वह है — आगरा
 - * शिवाजी की राजधानी थी — रायगढ़ में
 - * शिवाजी का छत्रपति के रूप में औपचारिक राज्याभिषेक हुआ था — रायगढ़ में
 - * शिवाजी के गुरु का नाम था — रामदास
 - * अष्ट प्रधान नाम की मंत्रिपरिषद थी — मराठा प्रशासन में
 - * शिवाजी के समय 'सरनोबात' का पद संबद्ध था — सैन्य प्रशासन से
 - * शिवाजी के अष्ट प्रधान का जो सदस्य विदेशी मामलों की देखरेख करता था, वह था — सुभंत
 - * 'अष्ट प्रधान' मंत्रिपरिषद जिसके राज्य प्रबंध में सहायता करती थी, वह है — शिवाजी
 - * कथन (A) : राज्य के मामले में शिवाजी एक मंत्रिपरिषद से परामर्श लेते थे।
 - कारण (R) : प्रत्येक मंत्री अपने विभाग का स्वतंत्र प्रभाव रखता था। — A सही है, परंतु R गलत है।
 - * शंभाजी के बाद मराठा शासन को सरत और कारगर बनाया — बाताजी विश्वनाथ ने
 - * पेशवाओं के शासन का सही ढंग है — बाताजी विश्वनाथ, बाजीराव, बाताजी बाजीराव, माधव राव
 - * सही कातनुक्रम है — जमाजी, राजाराम, शिवाजी II, छत्रपति शाहूजी
 - * कथन (A) : 1750 ई. तक मराठा साम्राज्य पेशवा की अध्यक्षता में एक परिसंघ बन गया।
 - कारण (R) : शाहू के उत्तराधिकारी पेशवा की इच्छा पर निर्भर थी। — A तथा R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
 - * औरंगजेब की मृत्यु के समय मराठा नेतृत्व हाथों में था — ताराबाई के
 - * अहिल्याबाई, मुक्ताबाई, ताराबाई तथा रुमिनीबाई मराठा देवियों में जिसने 1700 ई. से आगे मुगल साम्राज्य के विरुद्ध संघर्ष का नेतृत्व किया, वह थी — ताराबाई
 - * सरंजामी प्रथा संवंधित थी — मराठा भू-राजस्व प्रथा से

- * एक इतिहासकार ने पानीपत की तीसरी लड़ाई को ख्वयं देखा, वह था — काशीराज पंडित
- * अहमद शाह अब्दाली के भारत पर आक्रमण और पानीपत की तीसरी लड़ाई लड़ने का तात्कालिक कारण था — वह मराठों द्वारा लाहौर से अपने वायसराय तैमूर शाह के निकासन का बदला लेना चाहता था
- * पानीपत के तीसरे युद्ध में मराठों को हराया था — अफगानों ने
- * पानीपत का तीसरा युद्ध लड़ा गया — 14 जनवरी, 1761 को मराठा तथा अहमद शाह अब्दाली के बीच
- * गुलाम कादिर रहेता, नजीब खान, अली मुहम्मद खां तथा हफीज रहमत खां में से वह रहेता सरदार जो अहमद शाह अब्दाली का विश्वासपात्र था — नजीब खान
- * 'मोडी तिपि' का प्रयोग किया जाता था — मराठों के विलेखों में

मुगल साम्राज्य का विघटन

- * औरंगजेब की 1707 ईस्वी में मृत्यु होने के बाद सत्ता संभाली — बहादुर शाह प्रथम ने
- * मुगल सम्राट जहांदार शाह के शासन के समय से पूर्व अंत का कारण था — एक युद्ध में वे अपने भरीजे द्वारा पराजित हुए
- * अकबर, जहांगीर, बहादुरशाह तथा फरुखसियर में से वह मुगल सम्राट जिसने अंग्रेजों को बंगाल में शुल्क-मुक्त व्यापार की सुविधा प्रदान की थी — फरुखसियर
- * मध्यूर सिंहासन पर बैठने वाला अंतिम मुगल सम्राट था — मुहम्मद शाह
- * नादिरशाह के आक्रमण के समय मुगल शासक था — मुहम्मद शाह
- * वह शासक, जिसके शासन में हिंजड़ों तथा महिलाओं के एक वर्ग का प्रभुत्व था — मुहम्मद शाह (1719-48)
- * वह मुगल बादशाह जो 'रंगीला' के नाम से जाना जाता है — मुहम्मद शाह
- * वह मुगल बादशाह जिसको वजीर गजीउद्दीन ने दिल्ली में दाखिल नहीं होने दिया था — शाह आलम द्वितीय
- * अंतिम मुगल सम्राट बहादुर शाह था उसके पिता का नाम था — उकबर शाह II
- * अवध का प्रथम नवाब था — सआदत खां
- * हैदराबाद के स्वतंत्र राज्य का संस्थापक था — चिनविलिय खां
- * वह, जिसने दिल्ली में खगोलीय वेदशाला, जिसे 'जंतर-मंतर' कहते हैं, बनवाई थी — जयसिंह द्वितीय
- * महाराजा जयसिंह II ने वेदशालाएं बनवाई थीं — दिल्ली, जयपुर, उज्जैन एवं वाराणसी में
- * 1773 ई. में 'जिज मुहम्मदशाही' पुस्तक, जो नक्शों संबंधी ज्ञान से संबंधित है, के लेखक हैं — जयपुर के सवाई जयसिंह

